आज का मौसम
34.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.04
सूर्यास्त 06.02

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी उपरांत 02:27 सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 28 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 309, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले देशों में शामिल : सिंधिया - 8

आर्थिक तरक्की की मिसाल बन गया यूपी - 8

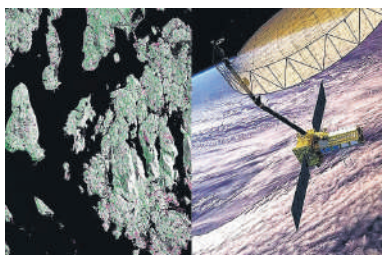

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं - 9

आखिरी वार के लिए तैयार सूर्यकुमार के जांबाज - 10

Competent
रिश्ता विश्वास का !

नए रिश्तों की बुनियाद,
पुराने विश्वास के साथ।

Premium Plots Available
at International City, Bareilly

500+ परिवारों का भरोसा

Aminities
- Temple
- Kids play zone
- Exclusive Cycling Track
- Pedestal Pathway
- Sports Zone
  (Counts of lawn Tennis, Basketball, Badminton, Cricket Net Practice Area)
- High Security Surveillance Line & CCTV Cameras
- Sewage Treatment Plant
- Beautiful Designer Landscape Gardens.
- All underground electric lines

BDA APPROVED

UP RERA UPRERAPRJ550066

इन्टरनेशनल सिटी
Global Standards. International Liviing
स्वदेश में आपका विदेश

Scan Me

Get In Touch
8193095501 | 8392921952 | 8392921966
www.competentinternationalcity.com

Banking Partner
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
HDFC BANK
केनरा बैंक Canara Bank
pnb

न्यूज ब्रीफ

जिले में 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद

बरेली, अमृत विचार : शासन के निर्देश पर जिले में 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है। शासन ने शहर में मौलाना तौकीर रजा खान की गिरफ्तारी के बाद माहौल शांत बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया है। जिले में इंटरनेट बंद होने का लेटर वायरल हुआ था। बीएसएनएल के महाप्रबंधक ने जिले में इंटरनेट बंद होने की पुष्टि की है। जुमे की नमाज के बाद शहर में कुछ शरारती तत्वों ने जबरन इस्लामिया मैदान में जाने का प्रयास किया था। उसके बाद पुलिस ने उन्हे रोकने का प्रयास किया तो कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज करके भीड़ को खदेड़कर माहौल को शांत किया था। शनिवार की सुबह पुलिस ने आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। तौकीर रजा के जेल जाने के बाद शहर में किसी तरह की अफवाह नहीं फैले इसको लेकर शासन की तरफ से जिले में 48 घंटे के लिए बीएसएनएल और निजी कंपनी का नेटवर्क बंद करने के आदेश दिए थे। बीएसएनएल के महाप्रबंधक पंकज पोरवाल ने बताया कि शासन के निर्देश पर रविवार की रात 12 बजे तक के लिए जिले में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

जिले के खराब हो चुके ग्रामीण मार्गों का किया जाएगा जीर्णोद्धार

लोक निर्माण विभाग ने शासन में भेजा प्रस्ताव, स्वीकृत होते ही शुरू होगा निर्माण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 346 सड़कें बारिश में हो चुकी खराब, लोग परेशान
- 591 किलो मीटर लंबे मार्ग के निर्माण के लिए मांगा बजट

अमृत विचार : मानसून के दौरान सड़कों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। उनपर चलना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति और भी खराब है। 346 सड़कें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हैं। इनमें गहरे-गहरे गड्ढे हो चुके हैं। अब मानसून की विदाई हो चुकी है। इन सड़कों का दोबारा से निर्माण कराया जाएगा। 591 किलोमीटर लंबी सड़कों के नवनिर्माण में 52996.179 लाख की लागत आएगी। लोक निर्माण विभाग ने शासन में प्रस्ताव भेजकर बजट की मांग की है।

मानसून सीजन के दौरान 300 एमएम से अधिक बारिश हुई है। अधिक बारिश होने की वजह से सड़कें टूट गई। तहसील दातागंज, सहसवान और सदर के ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें बरसात के दौरान अधिक खराब हुई हैं। सड़कों की हालत ऐसी हो चुकी है। उन पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। बजरी उखड़ गई है।

इनमें गहरे गहरे गड्ढे बन गए हैं। बरसात में खराब हुई सड़कों की मरम्मत करने और नवनिर्माण कराने के लिए शासन की ओर से लोक निर्माण विभाग ने प्रस्ताव मांगा। शासन से मिले आदेश पर लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले भर की तहसीलों के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे कर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त 346 सड़कों को चिन्हित किया है। 591.500 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण में करीब 52996.179 लाख की लागत आएगी। लोक निर्माण विभाग की ओर से प्रस्ताव तैयार कर डीएम के पास पत्रावली अनुमोदन के लिए भेजी थी। जिला अधिकारी की स्वीकृति मिलने के बाद प्रस्ताव शासन में भेजकर बजट की मांग की लोक निर्माण विभाग के द्वारा की गई है।

विधानसभाओं की ये है क्षतिग्रस्त सड़कें

शासन के आदेश पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से अपनी अपनी विधानसभाओं में क्षतिग्रस्त सड़कों की सूची मांगी थी। जनप्रतिनिधियों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में जर्जर सड़कों को चिन्हित करते हुए सूची लोक निर्माण विभाग को सौंपी थी। इसमें दातागंज 43, शेखूपुर 68, बिसौली 48,0, सहसवान 32, बदायूं 47, बिल्सी 108 सड़कों की सूची जनप्रतिनिधियों ने दी। इन सड़कों का सर्वे कराने के बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्ताव शासन में भेजकर बजट की मांग की है।

> बरसात के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इनके नवनिर्माण के लिए बजट की मांग करते हुए प्रस्ताव शासन में भेजा गया है। बजट मिलने के बाद सड़कों का निर्माण कराया जाना शुरू कर दिया जाएगा।
> – नरेश कुमार, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

चेतावनी के साथ सफाई कर्मचारी हुआ बहाल

बदायूं, अमृत विचार : कई माह से निलंबित चल रहे एक सफाई को डीपीआरओ ने भविष्य में आदेशों की अवहेलना न किए जाने की चेतावनी के बाद बहाल कर दिया है।

ब्लॉक इस्लामनगर की ग्राम पंचायत चांदपुर निठाया में कार्यरत सफाई कर्मी पप्पू कई माह से अनुपस्थित चल रहा था। जिस कारण क्षेत्र में गंदगी फैल रही थी। लोग परेशान थे। प्रधान की शिकायत पर जांच में सफाई कर्मी दोषी पाया गया था। उसे निलंबित कर दिया था।

शुक्रवार को सफाई कर्मी ने डीपीआरओ के समक्ष अपना बचाव पक्ष रखा। जिस पर डीपीआरओ ने आगे से आदेशों की अवहेलना न करने और नियमित गांव में उपस्थित रहने की चेतावनी देकर बहाल कर दिया है। बहाली के बाद सफाई कर्मी को निलंबन अवधि करीब 15 माह के वेतन स्वीकृत किया है।

नाले के बाद अब शुरू हुआ सड़क का निर्माण

नरऊ मोड़ की सड़क पर डाली जा रही मिट्टी ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के बाहरी क्षेत्र ककराला रोड स्थित नरऊ मोड़ की 250 मीटर की कच्ची सड़क के दोनों ओर नाला निर्माण होने के बाद अब सड़क पा मिट्टी डाली जा रही है। इससे जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा और लोगों को जलभराव से मुक्ति मिल जाएगी। सड़क पर मिट्टी पड़ने से लोगों में खुशी है।

फर्रुखाबाद रोड और उसहैत ककराला रोड के बीच में नरऊ बुजुर्ग गांव का क्षेत्र है। नरऊ गांव के नाम से इधर करीब दो दशक पूर्व एक नई कॉलोनी बनी है। इस कॉलोनी में करीब 300 से अधिक परिवार सड़क के दोनों ओर हैं, लेकिन इस 250 मीटर की कच्ची सड़क का निर्माण नहीं हो सका। ककराला रोड से फर्रुखाबाद रोड को जोड़ने वाली यह कच्ची सड़क हर समय तालाब की तरह पानी से भरी रहती है। मोहल्ले के लोग किसी तरह घरों से निकल कर आते जाते हैं। नरऊ बुजुर्ग की ग्राम पंचायत द्वारा यह सडक निर्माण का प्रस्ताव जिला प्रशासन को दिया था। प्रस्ताव माह जुलाई में स्वीकृत कर लिया गया उसके बाद सड़क के दोनों ओर नाले का निर्माण शुरू करा दिया गया। अब करीब दोनों ओर नाला निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उसके बाद कच्ची सड़क पर मिट्टी डाली जा रही है। मिट्टी डाल कर सड़क को ऊंचा किया जा रहा है जिससे घरों से निकलने वाला पानी नाले के माध्यम से बाहर किया जा सके। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि दो दशक पुरानी समस्या अब खत्म हो रही है। अब लोग सड़क पर आराम से निकल सकेंगे। बताया कि यह सड़क नहीं बनने से कुछ लोगों ने अपने मकान किराए पर उठा दिए। वह लोग शहर में दूसरी जगह रह रहे हैं, जबकि कुछ लोगों ने मकान नहीं बनाए हैं। सड़क बन जाने से आवागमन का साधन बन जाएगा जिससे लोग ट्रैक्टर ट्राली से सामान ला सकेंगे।

नरऊ मोड़ की सड़क निर्माण होने से इस क्षेत्र में खाली पड़े भूखंडों पर भी निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। यहां पर नए मकान और कई शोरूम तैयार हो रहे हैं जो इस क्षेत्र को और विकसित करने में मदद करेंगे। दुकानदार रबि ने बताया कि सड़ न होने से इधर लोग आना भी नहीं चाहते हैं। अब सड़क बन रही है तो लोग प्लॉट खरीदने की बात कर रहे हैं। करीब पांच हजार की आबादी वाले इस क्षेत्र में पेट्रोल पंप और कई बड़े कारखाने हैं।

घरों के आगे किया अतिक्रमण तोड़ा

नरऊ मोड़ की सड़क निर्माण शुरू होने से पहले स्थानीय लोगों ने अपने घरों के आगे चबूतरा सीढ़ी बना कर अतिक्रमण कर लिया है जो अब तोड़ा जा रहा है जिससे सड़क चौड़ी कर बनायी जा सके। कुछ लोग अपने घरों के आगे बने चबूतरे स्वयं तोड़ रहे हैं। अधिकांश लोगों ने नाला निर्माण शुरू होने से पहले ही अपने घरो के आगे का निर्माण तोड़ कर रास्ता साफ कर दिया है जिससे सड़क निर्माण में दिक्कत न हो।

देवी सी पूजी जाती हैं भारत महान में नारियां

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : पदमांचल जैन मंदिर पर अरिहंत वृक्षारोपण समिति एवं उत्तर प्रदेश हिंदी साहित्य सेवा समिति के संयुक्त रूप से कवि सम्मेलन का आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि रहे जैन समाज के अध्यक्ष मृगांक कुमार जैन रहे।

कवि सम्मेलन की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद काव्य पाठ प्रारंभ हुआ। इसमें सात कवियों ने हिस्सा लिया। कवि विष्णु असावा ने सुनाया कि है बेटियों से रोशनी सारे जहान में, देवी सी पूजी जाती हैं भारत महान में। कवि नरेंद्र गरल ने सुनाया कि नदी उमड़ी हुई है गांव वालों, बचाना है तो अपना घर बचा लो। कवि ओजस्वी जौहरी ने कहा कि जमी भी है हमारी ही गगन भी तो हमारा है।

फिजा है महकती सी ही वतन भी तो हमारा है। कवि अमनदीप उपाध्याय ने पढ़ा कि भारत है भारती है पूजा में ये आरती है,वीणा वादिनी का कण्ठ हार हिन्दी भाषा है। इनके अलावा अन्य कवियों ने भी काव्य पाठ किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से समिति के जिलाध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण गुप्ता, विष्णु असावा, डॉ. नीरज अग्निहोत्री, सौरभ वर्मा, रमेश बाबू शर्मा, देवेश ठाकुर, वंश गिरी आदि मौजूद रहे।

आस्था का प्रतीक है मंगला माता का मंदिर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

कस्बा वजीरगंज स्थित मां मंगला माता का मंदिर।

- मंदिर में स्थापित है मां लक्ष्मी दुर्गा और सरस्वती की प्रतिमाएं
- दूर दूर से लोग आते हैं मां मंगला के दर्शन को, मांगते हैं मन्नत

अमृत विचार : जिले से करीब 25 किलोमीटर दूर कस्बा वजीरगंज क्षेत्र में स्थित मंगला देवी की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। श्री राज राजेश्वरी मंगला माता के नाम से प्रसिद्ध है। एक किले के अवशेष पर बना है।

इस मंदिर में मां काली माता लक्ष्मी और सरस्वती के साथ विराजमान है। नवरात्र में हजारों श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने पहुंचते हैं। पूजा अर्चना के बाद मन्नत मांगते हैं। मन्नत पूरी होने के बाद श्रद्धालु घंटा चढ़ाते हैं। इसके बाद भंडारे का आयोजन करते हैं। शारदीय नवरात्र में सुबह शाम हजारों की संख्या में लोग माता रानी के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। मंदिर के सेवादार शिवसहाय ने बताते हैं कि जिस जगह मां का मंदिर है वहां पहले मई भवानीगंज नाम की रियासत का किला स्थापित था। इसे किसी राजा ने आक्रमण करके खंडहर में तब्दील कर दिया। खंडहर में तब्दील होने के बाद यह एक टीले में परिवर्तित हो गया। इसी टीले पर मां का मंदिर है। सेवादार के मुताबिक देवी मां के भव्य मंदिर की प्राचीनता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि प्राचीन ग्रंथों के साथ आल्हा ऊदल की कथाओं में भी इस मंदिर का जिक्र किया गया है। प्रतिमा में तीन देवियों का प्रतिरूप बड़े आकार में है जो शक्ति का स्वरूप मां काली, धन की देवी मां लक्ष्मी एवं ज्ञान की देवी मां सरस्वती के स्वरूप हैं। तीनों देवियों की प्रतिमा में कई छोटे छोटे स्वरूप भी हैं जो देखने में तो अलग लगते हैं मगर कोई भी भक्त आज तक उनकी सही गिनती नहीं कर पाया है।

चैत्र नवरात्र के बाद मंदिर पर लगता है मेला

कस्बा वजीरगंज से मंदिर की दूरी करीब दो किमी है। यह मंदिर कस्बे से आंवला जाने वाले मार्ग स्थित एक ऊंचे टीले पर स्थित है। मंदिर की ख्याति श्री राज राजेश्वरी मंगला माता के नाम से हैं। सेवादार के मुताबिक इस मंदिर पर चैत्र नवरात्रि के बाद मास की द्वादशी से मेला लगता है। करीब 15 दिनों तक लगने वाले मेला में भारी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। उनके द्वारा छोटे बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया जाता है।

मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु चढ़ाते हैं घंटा

सेवादार ने बताया कि वह देवी मां के मंदिर की सदियों से सेवा करते आ रहे हैं। बताते हैं हर साल चैत मास में मेला लगता है। मेला कब से लग रहा है इसकी सही जानकारी उनके पूर्वजों को भी नहीं थी। यहां मांगी गई भक्तों की हर मुराद पूरी होती है। इसके बाद भक्त यहां घंटा चढ़ाकर भंडारा कराते है।

आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.04
सूर्यास्त 06.02

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी उपरांत 02:27 सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 28 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 309, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले देशों में शामिल : सिंधिया - 8

आर्थिक तरक्की की मिसाल बन गया यूपी - 8

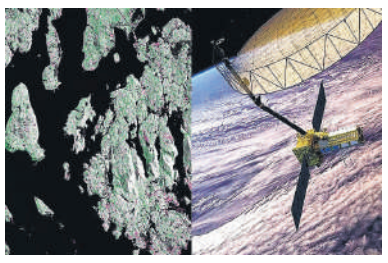

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं - 9

आखिरी वार के लिए तैयार सूर्यकुमार के जांबाज - 10

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, रामलीला : लोकनाट्य संस्कृति की बहुमूल्य निधि व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

मौलाना भूल गया कि शासन किसका है : योगी

बरेली में हुए बवाल को लेकर मुख्यमंत्री ने दी कड़ी चेतावनी

- कहा-ऐसा सबक सिखाएंगे कि पीढ़ियां दंगा करना भूल जाएंगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बरेली में हिंसा के दूसरे दिन सुरक्षा के बाबत मुस्तैद पुलिस बल।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार ने 2017 के बाद से दंगाइयों और माफिया को चुन-चुनकर सबक सिखाया है। बरेली की हालिया घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक मौलाना भूल गया था कि शासन किसका है। उसने धमकी दी थी कि सड़क जाम होगा और कर्फ्यू लगेगा, लेकिन हमने कहा कि न जाम होगा, न कर्फ्यू लगेगा। हम ऐसा सबक सिखाएंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ियां भी दंगा करना भूल जाएंगी।

योगी ने जोर देकर कहा कि 2017 से पहले उप्र को जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार ने बीमारू राज्य बना दिया था। उस समय दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास में बुलाकर सम्मानित किया जाता था, पेशेवर अपराधियों और माफियाओं के सामने सत्ता नतमस्तक रहती थी। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि चाचा-भतीजा वसूली में लगे थे और सत्ता का मुखिया माफिया के कुत्ते से हाथ मिलाकर गौरवान्वित होता था। योगी ने कहा कि हमने दंगाइयों को उनकी भाषा में जवाब दिया, अब उनकी सात पीढ़ियां याद रखेंगीं। परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर हमने बुलडोजर चलाया, सपा सरकार में चाचा-भतीजा वसूली में लगे थे। हर जिले में पहले एक माफिया मिलता था, अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बुलडोजर के जरिए माफिया राज का अंत किया और उत्तर प्रदेश को विकास की राह पर आगे बढ़ाया। 2016 में यूपी की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ थी, इस साल 35 लाख करोड़ पर पहुंचेगी।

हमने पिछले साढ़े आठ सालों में विकसित यूपी की आधारशिला रख दी है, अब भव्य इमारत बनाने का समय है। योगी ने सीएजी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2023 में यूपी 37 हजार करोड़ रुपये का राजस्व अधिशेष वाला राज्य था, जो बढ़कर 70 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। प्रति व्यक्ति आय 45 हजार से बढ़कर 1.20 लाख रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि आज यूपी बीमारू नहीं, बल्कि देश की ग्रोथ स्टोरी का इंजन है।

यह उपलब्धि उन लोगों के लिए अविश्वसनीय है, जिनमें पौरुष और संकल्प की कमी थी।

हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता मौलाना तौकीर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- विभिन्न धाराओं में तौकीर समेत 12 उपद्रवी भेजे गए जेल
- 10 एफआईआर, सौ से अधिक नामजद, तीन हजार आरोपी

अमृत विचार : जुमे की नमाज के बाद बिना अनुमति प्रदर्शन और उपद्रवियों से पुलिस पर पथराव और फायरिंग कराकर शहर को सुलगाने के मुख्य साजिशकर्ता आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां समेत 12 दंगाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शनिवार सुबह मौलाना सहित सभी आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मौलाना को फतेहगढ़ जेल में भेजा है, जबकि अन्य 11 को बरेली की जिला जेल भेजा गया है। मामले में पुलिस ने अलग-अलग थानों में 10 एफआईआर दर्ज की हैं। जिसमें मौलाना तौकीर रजा खां समेत सौ से अधिक को नामजद और तीन हजार के करीब अज्ञात आरोपी बनाए गए हैं। पुलिस 31 उपद्रवियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद दोपहर में आई लव मोहम्मद पोस्टर पर की गई कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव करने के बाद फायरिंग की थी। शहर में पांच स्थानों पर भारी बवाल हुआ था। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पुलिस ने शुक्रवार रात 12:50 बजे के करीब मौलाना तौकीर को फाइक एंक्लेव स्थित दोस्त फरहत खां के घर से गिरफ्तार किया था, जबकि बवाल के समय खलील तिराहे से 7 अन्य आरोपियों सहित 11 को गिरफ्तार किया। मौलाना तौकीर रजा का शनिवार सुबह 5:10 बजे जिला अस्पताल में मेडिकल कराकर कोर्ट में पेश किया गया।

ब्रीफ न्यूज

पूर्वांचल विवि: पूर्व वीसी प्रो. यूपी सिंह का निधन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह (यू. पी. सिंह) का शनिवार सुबह निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे और पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। प्रो. सिंह का अंतिम संस्कार रविवार (28 सितंबर) को पावन राप्ती नदी के राजघाट पर दिन में 12 बजे से होगा। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। योगी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के अध्यक्ष, आदर्श शिक्षक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गणित विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो. यूपी सिंह जी का निधन अपूरणीय क्षति है।

तिहाड़ में भूख हड़ताल करेंगे इंजीनियर रशीद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बारामूला से लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद ने शनिवार को कहा कि वह अहिंसा के सिद्धांत के महत्व को उजागर करने के लिए गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर तिहाड़ जेल में दो दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठेंगे। लोकसभा सांसद शेख अब्दुल रशीद को इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है। 'बापू' को संबोधित और लोकसभा अध्यक्ष को भेजे गए एक हस्तलिखित पत्र में सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया को शांति की सख्त जरूरत है। सांसद शेख अब्दुल रशीद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में नयी दिल्ली में स्थित तिहाड़ जेल में बंद हैं।

अवैध हथियार बरामद तीन बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के उत्तर पश्चिम जिले की पुलिस ने त्योहारों के मद्देनज़र अपनी चौकसी बढ़ा दी है, जिसके परिणामस्वरूप दो अलग-अलग कार्रवाईयों में हथियार लेकर घूम रहे तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्ज़े से तीन देशी पिस्तौल, नौ ज़िंदा और नौ खाली कारतूस के साथ एक महिंद्रा एक्सयूवी 500 कार भी ज़ब्त की है। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने शनिवार को बताया कि जहांगीरपुरी पुलिस ने 26 सितंबर को सीडी पार्क से भलस्वा डेयरी निवासी अभिषेक उर्फ अक्कू और देव उर्फ अनूज को गिरफ्तार कर दो देशी पिस्तौल, चार ज़िंदा-दो खाली कारतूस बरामद किए।

कांग्रेस ने जनता को लूटने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा: प्रधानमंत्री

- ओडिशा के झारसुगुड़ा में नमो युवा समावेश कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री मोदी

झारसुगुड़ा (ओडिशा), एजेंसी

ओडिशा में विभिन्न विकास परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश के लोगों को लूटा और निम्न आय वर्ग के लोगों पर भी कर लगाया। ओडिशा के झारसुगुड़ा में 'नमो युवा समावेश' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों को कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा की जा रही कथित लूट के प्रति आगाह किया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा और दो लाख रुपये सालाना आय वालों पर भी कर लगा दिया। भाजपा सरकार ने इस सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये से ज्यादा कर दिया...कांग्रेस और उसके सहयोगियों से सावधान रहें, क्योंकि वे लोगों को लूटते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से जीएसटी में सुधार और लोगों को राहत दिए जाने के बाद कांग्रेस ने भाजपा सरकार को गाली देना शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हमारी सरकार ने सीमेंट की कीमतें कम कीं, तो हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपना कर लगा दिया। जब हमने जीएसटी दरें कम कीं, तो पूरे देश में कीमतें कम हो गईं, लेकिन कांग्रेस आम लोगों को यह राहत नहीं देना चाहती। जीएसटी परिषद ने हाल ही में कर दरों को युक्तिसंगत बनाने और पांच व 18 प्रतिशत की दो दरें कायम रखने का निर्णय लिया था। 22 सितंबर से लागू इस फैसले से उत्पादों व सेवाओं की कीमतों में कमी आने की उम्मीद थी।

60 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा से दूरसंचार, रेलवे और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़ीं 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। मोदी ने देश भर में आठ आईआईटी के विस्तार की आधारशिला रखी। गुजरात के सूरत जिले में बरहामपुर को उधना से जोड़ने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। 1,400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 34 किलोमीटर लंबी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित किया। संबलपुर शहर में फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क की शुरुआत की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया। 97,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावरों का भी उद्घाटन किया, जिनमें से 92,600 टावर इसी टेलीकॉम सेवा प्रदाता की 4जी तकनीक से लैस हैं। स्वदेशी 4जी नेटवर्क की शुरुआत के साथ ही भारत डेनमार्क, स्वीडन, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

पाकिस्तानी जासूस के संपर्क में थे वांगचुक : डीजीपी

- द डॉन के कार्यक्रम में की थी शिरकत, बांग्लादेश भी गए थे

लेह, एजेंसी

लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एस.डी. सिंह जामवाल ने शनिवार को कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के विरोध-प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेजने वाले एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की पिछले माह हुई गिरफ्तारी के संदर्भ में, पुलिस वांगचुक के पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच कर रही है। जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। वांगचुक को शुक्रवार को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था।

जामवाल ने कहा कि उनका यूट्यूब पर उपलब्ध प्रोफाइल और इतिहास देखें, तो उनके भाषण लोगों को उकसाने वाले प्रतीत होते हैं, क्योंकि उन्होंने अरब क्रांति और नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में हाल की अशांति का जिक्र किया था। वांगचुक का अपना एक एजेंडा था। एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट हमारी हिरासत में है, जो वांगचुक के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेज रहा था। पुलिस प्रमुख ने वांगचुक की कुछ विदेश यात्राओं को संदिग्ध बताते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान में द डॉन समाचार पत्र के एक कार्यक्रम में भाग लिया और बांग्लादेश भी गए।

लेह शहर में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील

लेह। लद्दाख के हिंसा प्रभावित लेह शहर में कर्फ्यू लगाए जाने के तीन दिन बाद शनिवार दोपहर से कुछ घंटों के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई, जिससे दुकानों के बाहर कतार में खड़े निवासियों को राहत मिली। डीजीपी ने बताया कि कर्फ्यू में कुल चार घंटे की ढील दी गई है। पुराने शहर में दोपहर एक से तीन तक और नए क्षेत्र में साढ़े तीन से शाम साढ़े पांच बजे तक ढील दी गई है।

कर्फ्यू में ढील मिलने के बाद लेह में दुकानों पर खरीदारी को पहुंचे लोग।

दो साल हो सकता है संसदीय समितियों का कार्यकाल, सरकार कर रही विचार

- लोकसभा अध्यक्ष-राज्यसभा के सभापति से करेंगे विमर्श

नई दिल्ली। सरकार संसद की स्थायी समितियों का कार्यकाल बढ़ाकर दो साल करने पर विचार कर रही है, क्योंकि कुछ सांसदों ने शिकायत की है कि मौजूदा एक साल का कार्यकाल कोई सार्थक योगदान देने के लिए बहुत कम है। सरकार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सीपी. राधाकृष्णन के साथ विचार-विमर्श के बाद इस संबंध में कोई निर्णय ले सकती है। संसदीय समितियों का नया कार्यकाल सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में प्रारंभ होता है, जो इस पर निर्भर करता है कि समितियां किस तारीख को गठित की गई हैं।

अभिनेता विजय की रैली में मची भगदड़, 20 की मौत

- सौ से अधिक घायल, बढ़ सकती है मृतक संख्या

करुर। तमिलनाडु के करुर में अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ मचने से 20 लोगों की मौत और 100 अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। मृतकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

तमिलनाडु में शनिवार को अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में हजारों लोग एकत्र हो गए, इस दौरान भगदड़ मचने से 20 से अधिक लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है और 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने की बात कही गई। जिला प्रशासन ने घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया है। मुख्यमंत्री एम स्टालिन ने घायलों को हर मदद पहुंचाने का आदेश दिया है।

भारत मैत्री भाव से दुनिया के साथ लेकिन दबाव में झुकेगा नहीं : योगी

- स्वदेशी बीएसएनएल 4जी नेटवर्क के उद्घाटन में वर्चुवली जुड़े मुख्यमंत्री
- कहा-बीएसएनएल की सेवाओं को हर ग्राम पंचायत के साथ जोड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत मैत्री भाव से विश्व के साथ चलेगा लेकिन किसी के दबाव में नहीं झुकेगा। योगी शनिवार को स्वदेशी तकनीक पर आधारित बीएसएनएल 4जी नेटवर्क और भारत नेट परियोजना के ऑनलाइन उद्घाटन के अवसर पर लखनऊ में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा में एक विशेष कार्यक्रम के तहत स्वदेशी बीएसएनएल 4जी नेटवर्क' का उद्घाटन किया, जिसमें देश भर से सभी मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग के मंत्री और अधिकारी ऑनलाइन मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने भारत संचार निगम लिमिटेड(बीएसएनएल) की सेवाओं को उत्तर प्रदेश के हर ग्राम पंचायत के साथ जोड़ दिया है। कहा कि भारत नेट के स्वदेशी 4जी इंफ्रास्ट्रक्चर डिजिटल क्रांति को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। योगी ने बताया कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने हर ग्राम पंचायत को ऑप्टिकल फाइबर और नेटवर्किंग से जोड़ने का संकल्प लिया था, जो भारत नेट ने साकार किया।

डिजिटल पेमेंट से मिल रही राहत

योगी ने बीते दौर की कठिनाइयों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले पेंशन के लिए लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिसमें आधा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। अब डीबीटी के जरिए 1 करोड़ निराश्रित महिलाओं, वृद्धों और दिव्यांगों को सालाना 12,000 रुपये की पेंशन सीधे खाते में मिलती है। 60 लाख से अधिक अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी छात्रों को 6,000 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप डिजिटल रूप से दी जा रही है। यूपीआई के जरिए भारत ने सबसे अधिक डिजिटल पेमेंट का रिकॉर्ड बनाया है।

मिसाल | शाहजहांपुर की नेहा की अगुआई में एकता समूह की सभी 10 सदस्य बन चुकी हैं सफल उद्यमी

मशरूम की खेती से बनाई नारी सुरक्षा-सम्मान की नई राह

- मशरूम को बड़े बाजारों तक पहुंचाने, महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जनपद के ग्राम जिन्दपुरा की नेहा कश्यप मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी हैं।

एकता स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की अध्यक्ष के रूप में नेहा ने 10 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को जागरूक कर मशरूम खेती जैसे अभिनव उद्यम की नींव रखी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महिला सशक्तीकरण मुहिम ने नेहा को न केवल आर्थिक स्वतंत्रता दी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान की नई राह भी दिखाई है।

नेहा कश्यप की यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की योजना के तहत एकता समूह का गठन किया। समूह की कोषाध्यक्ष नूरजहां और सचिव माया देवी के साथ मिलकर नेहा ने 10 महिलाओं को छोटी-छोटी बचत के लिए प्रेरित किया। नेहा कश्यप कहती हैं कि मैंने सोचा कि सीमित संसाधनों से भी हम अपनी जिंदगी बदल सकते हैं। मशरूम खेती का विचार मुझे आया और समूह ने इसे स्वीकार किया। स्टार्टअप फंड, रिवाल्विंग फंड, सीआईएफ और सीसीएल से मिले वित्तीय सहयोग ने उनके सपने को पंख दिए। नेहा ने अपने 42 फीट लंबे और 36 फीट चौड़े मशरूम फार्म की स्थापना की, जिसमें 30 हजार रुपये की लागत आई। 10 हजार रुपये झोपड़ी और बांस के प्लेटफॉर्म, 2 हजार रुपये भूसा-कंपोस्ट, 3 हजार रुपये के बीज, 2हजार रुपये के रासायनिक दवाएं-खाद और 4,800 रुपये पारिश्रमिक पर खर्च हुए। परिवार के सहयोग से उन्होंने वटन और ढिंगरी प्रजाति की खेती शुरू की, जिससे मासिक 40,000 से 50,000 रुपये की आमदनी होती है। नेहा कहती हैं मिशन शक्ति ने हमें प्रशिक्षण और सुरक्षा दी। अब हम आत्मनिर्भर हैं, मैं अपने समूह को और सशक्त करना चाहती हूं। सरकार का सहयोग हमें आगे बढ़ा रहा है।

जरी और सिलाई पर भी दिया ध्यान

नेहा की अगुआई में एकता समूह की सभी 10 सदस्य सफल उद्यमी बन चुकी हैं। मशरूम खेती के अलावा बकरी पालन, जरी, और सिलाई जैसे कार्यों से उन्होंने रोजगार और आर्थिक सुधार हासिल किया। विकास खंड निगोही में ऐसे कई एसएचजी हैं, जो मिशन शक्ति की बदौलत प्रगति कर रहे हैं। नेहा अब अपने मशरूम उद्यम को और विस्तार देने की योजना बना रही हैं।

मिशन शक्ति अभियान से प्रेरणा

नेहा का लक्ष्य है कि उत्पादन को बड़े बाजारों तक पहुंचाया जाए और समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जाए। वे चाहती हैं कि जिन्दपुरा गांव की महिलाएं आने वाले समय में पूरे जिले और प्रदेश के लिए आदर्श बनें। नेहा कश्यप का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मिशन शक्ति अभियान उनकी प्रेरणा का बड़ा आधार बना। इसने विश्वास दिलाया कि महिलाएं समाज की दिशा भी बदल सकती हैं।

दुकान से 20 हजार व सामान ले गए चोर

चंदौसी, अमृत विचार : चंदौसी थाना क्षेत्र के अल्हैदादपुर चंपू गांव में शुक्रवार रात चोरों ने परचून की दुकान को निशाना बनाया। वारिशनगर निवासी शिवम कुमार की गांव में परचून की दुकान है। शुक्रवार शाम सात बजे दुकान बंद कर घर चला गया था। शनिवार सुबह करीब नौ बजे जब उसने दुकान खोली तो अंदर का सामान बिखरा था और गल्ला खुला। जांच करने पर गल्ले से 20 हजार रुपये नकद और सामान गायब पाया। पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
वी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

शिक्षा मंत्री के घर धरना जारी

ऑफलाइन स्थानांतरण सूची की मांग को लेकर धरना दे रहे कई जिलों के शिक्षक

कार्यालय संवाददाता, संभल/चंदौसी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी के आवास पर शिक्षकों का धरना-प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। तमाम प्रयास के बाद भी शिक्षक मंत्री गुलाब देवी के घर से हटने को तैयार नहीं हैं। शिक्षकों की मांग है कि शासनादेश के अनुसार ऑफलाइन स्थानांतरण सूची शीघ्र जारी की जाए।

कोतवाली चंदौसी क्षेत्र के सुभाष रोड स्थित शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के आवास पर 75 जनपदों से पहुंचे लगभग 400 शिक्षक एकत्र हुए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और शिक्षकों की मांगों का समर्थन किया। शिक्षकों ने बताया कि 7 जून को शासनादेश जारी हुआ था, जिसमें शिक्षा मंत्री की स्वीकृति के बाद ऑफलाइन स्थानांतरण सूची जारी करने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक सूची नहीं आई। शिक्षक लगातार आश्वासन पर ही टाले जा रहे हैं। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुनीत गिरी ने कहा कि करीब 400 शिक्षक यहां निवेदन करने के लिए मौजूद हैं। सभी ऑफलाइन स्थानांतरण से प्रभावित हैं और चाहते हैं कि जल्द से जल्द सूची जारी की जाए।

चंदौसी में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के घर धरना देते शिक्षक। ● अमृत विचार

उन्होंने बताया कि 11 जुलाई को भी लखनऊ में शिक्षक संघ के बैनर तले धरना हुआ था, जहां निदेशक ने 30 जुलाई तक सूची जारी करने का लिखित आश्वासन दिया था, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। धरना स्थल पर पहुंचे शिक्षक संघ के नेताओं ने कहा कि मंत्री स्वयं शिक्षिका रही हैं, इसलिए वे शिक्षकों की पीड़ा को अवश्य समझेंगी। हालांकि शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों से फोन पर वार्ता में कुछ को तीन दिन और कुछ को एक सप्ताह का समय देने की बात कही है, जिससे विरोधाभास की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी और ध्रुव कुमार त्रिपाठी मुख्यमंत्री से मिलकर इस मुद्दे पर समाधान की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मांग पूरी नहीं हुई, तो उनका यह धरना आंदोलन में बदल जाएगा। जौनपुर से आए दिव्यांग शिक्षक गुलशन कुमार यादव ने कहा कि हमारी केवल एक मांग है कि ऑफलाइन स्थानांतरण सूची जारी की जाए। जब तक सूची जारी नहीं होगी, तब तक हम यहां से नहीं हटेंगे।

भाजपा नेता के बेटे का कमरे में फंदे पर लटका मिला शव

संवाददाता, बहजोई

● पत्नी तथा ससुराल वालों पर सुसाइड नोट में लगाए आरोप

अमृत विचार : लखनऊ से घर लौटे भाजपा नेता के बेटे का शव फंदे से लटका मिला। भाजपा नेता के बेटे की मौत के पीछे पत्नी के साथ चल रहा विवाद बताया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भाजपा नेता के बेटे का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। भाजपा नेता ने पत्नी तथा ससुरालियों के खिलाफ थाना में तहरीर दी है। बेटे ने सुसाइड नोट में पत्नी तथा ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

बहजोई के मुराव टोला नगर पालिका कार्यालय के सामने रहने वाले भाजपा के व्यापार सभा के जिला सहसंयोजक अनिल कुमार के 34 वर्षीय बेटे अंशुल वार्ष्णेय का पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। लखनऊ में निजी बैंक में कार्यरत अंशुल शनिवार की सुबह अपने घर पहुंचा था। पिता अनिल से बेटे की वार्ता हुई तो कुछ देर बाद पिता मंदिर चले गए। कुछ घंटे बाद वह जब घर लौटे तो बेटे के कमरे का दरवाजा खुलवाने पहुंचे लेकिन गेट अंदर से बंद था। किसी तरह दरवाजा खोला गया तो बेटा अंशुल अंदर पंखे पर फंदे से लटक रहा था और उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर बहजोई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई की। अंशुल ने अपनी जेब में सुसाइड नोट छोड़ा है। जिस में अंग्रेजी में उसने पत्नी तथा ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पिता का कहना है कि पत्नी से चल रहे कलेश ने अंशुल को यह कदम उठाने पर विवश कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच की जा रही है। पिता अनिल ने पत्नी तथा ससुराल बालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए थाना में तहरीर दी है। जबकि ससुराल पक्ष के लोग अपने घर पर ताला डालकर फरार हो गए हैं।

डीएम और एसपी ने किया पैदल मार्च

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : बरेली में शुक्रवार को हुए बवाल के बाद जिलाधिकारी निधि गुप्ता व पुलिस अधीक्षक अमित आनंद ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर में पैदल भ्रमण कर कानून व शांति व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आमजन से बातचीत कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ डयूटी करने के निर्देश दिए।

रामनवमी, दुर्गा पूजा, दशहरा और दीपावली के मद्देनजर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने शहर का पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कानून एवं शांति व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने शाह विलायत, जामा मस्जिद रोड, जामा मस्जिद, मोहल्ला नल, टीपी नगर चौराहा, मोहल्ला दानिश मंदान, पुलिस चौकी कोट, पुरानी तहसील, कोट चौराहा, नगर पालिका कार्यालय और आर्य समाज मंदिर चौराहे सहित कई संवेदनशील और प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से संवाद कर आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना पुलिस-प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। नागरिकों से पर्वों को आपसी भाईचारे के साथ मनाने का आग्रह किया। दोनों अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए, गश्त बढ़ाई जाए और किसी भी अफवाह या अप्रिय घटना पर कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि शहर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात है और शांति व्यवस्था कायम है। रूट मार्च के दौरान एसडीएम सदर शैलेश कुमार दुबे, सीओ शक्ति सिंह समेत पुलिस बल मौजूद रहा।

हादसे में बुलेट सवार युवक की मौत

बबराला, अमृत विचार : गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र में नेहरू चौक के समीप शुक्रवार देर रात पीछे से आ रहे ट्रक ने बुलेट में टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक के पहिये से कुचलकर बुलेट चला रहे युवक की मौत हो गई, पीछे बैठा युवक घायल हो गया।

अलीगढ़ के थाना क्वार्सी क्षेत्र के ज्योति नगर चंदनिया निवासी आकाश यादव (23) पुत्र राम बहादुर अपने साथी सुमित सैनी पुत्र रमेश चंद के साथ बुलेट से जुनावई थाना क्षेत्र के गांव लहरा नगला श्याम जा रहा था। शुक्रवार देर रात नेहरू चौक के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने बुलेट में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान ट्रक का पिछला पहिया आकाश यादव के ऊपर से गुजर गया। ट्रक के पहिये से कुचलकर आकाश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पीछे बैठा सुमित सैनी घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान ने बताया कि मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दी गई है।

षष्ठम कात्यायनी

कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती शक्ति के नौ रूपों में छठवीं रूप हैं। कात्यायनी अमरकोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है। संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, शाकुम्भरी व ईश्वरी इन्हीं के अन्य नाम हैं। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमें भद्रकाली और चंडिका भी शामिल हैं में भी प्रचलित हैं। देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र... क्लीं श्री त्रिनेत्राय नमः।

जुबैर देखते ही देखते बन गया पशु तस्कर

17 साल की उम्र से पशु तस्करी में लिप्त जुबैर पर 25 साल की उम्र में दर्ज हो गई थी 18 एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचारः गोरखपुर की पिपराइच के जंगल धूसड़ महुआचाफी गांव में छात्र दीपक गुप्ता की हत्या के बाद चर्चा में आया घेरमर्दान खां का जुबैर 17 साल की उम्र में पशु तस्करी में लिप्त हो गया था। 25 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उस पर गोरखपुर से लेकर जिले भर के थानों में 18 मुकदमें दर्ज हो गए।

इतना ही नहीं जुबैर को एचएस नंबर 70बी भी मिल गया। कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि उसके दोनों भाइयों पर भी कई केस दर्ज हैं। पुलिस उनका रिकार्ड भी खंगाल रही है।शुक्रवार रात सीओ सिटी जितेंद्र कुमार को एक संदिग्ध बाइक की सूचना दी गई। चाकू चौराहे के पास सीओ सिटी द्वारा थाना गंज पुलिस के साथ चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर 2 संदिग्ध दिखे, जिन्हें रुकने का इशारा किया गया तो भागने लगे। टीम ने घेरने का प्रयास किया तो बाइक सवारों ने फायरिंग कर दी। टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ कार्रवाई की गई। जिसमें जुबैर उर्फ कालिया पुत्र फिरासत उर्फ नौरंगी निवासी घेर मर्दान खां थाना कोतवाली घायल हुआ था। एक संदिग्ध अंधेरे का फायदा उठा फरार हो गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उसका पोस्टमार्टम कराया।

सीओ सिटी जितेंद्र कुमार ने बताया कि 17 साल की उम्र में वह गोकशी में लिप्त हो गया था। 25 साल की उम्र में उसके ऊपर गोरखपुर से लेकर जिले के सभी थानों में 18 मुकदमें दर्ज हैं। उसका हिस्ट्रीशीट खुली थी।

मुठभेड़ के बाद ,मौजूद सीओ सिटी एवं पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

दरोगा का हाल चाल लेते डीआईजी।

शव परिजनों को सौंपा

शनिवार देर शाम जुबैर के शव का पोस्टमार्टम हो जाने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। एसपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि मामले में सीओ सिटी जितेंद्र कुमार द्वारा मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। छात्र दीपक की हत्या के मामले में गोरखपुर से इसके ऊपर एक लाख का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने उसे मुठभेड़ में मार गिराया।

12 दिन में ही पुलिस ने ढेर कर दिया जुबैर

गोरखपुर में 19 साल के दीपक गुप्ता की उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह तस्करों को जानवरों की चोरी करने से रोक रहा था। दीपक नीट की तैयारी कर रहा था। इस हत्या के पीछे रामपुर के शहर कोतवाली के मोहल्ला घेर मर्दान खां निवासी जुबैर का नाम सामने आया था। उसके बाद से पुलिस महकमा अलर्ट हो गया था। नतीजा यह निकला कि 12 दिन में पुलिस ने जुबैर को ढेर कर दिया। छात्र दीपक की मौत के बाद जुबैर का नाम उसमें शामिल होने के बाद प्रदेश में मुद्दा छाया हुआ था। मुख्य आरोपी जुबैर के मुठभेड़ में ढेर होने की जानकारी मिली, तो रामपुर सुर्खियों में छा गया। रात में ही अधिकारियों के फोन बजना शुरू हो गए।

प्रेम प्रसंग में युवक पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, गंभीर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● परिजनों ने तीन लोगों पर लगाया जान से मारने का आरोप

अमृत विचारः मझोला थाना क्षेत्र के नया मुरादाबाद सेक्टर-13 में शनिवार दोपहर एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। प्रेम प्रसंग के विवाद में एक युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसे युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर है।

नया मुरादाबाद सेक्टर-13 में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रेम- प्रसंग के विवाद में एक युवक को पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। चीख-पुकार सुनकर लोगों की भीड़ जुट गई। गंभीर रूप से झुलसे युवक की पहचान ऋतिक सिंह के रूप में हुई है, जो झांकी करने का काम करता है। परिजन तत्काल उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी जान बचाने के प्रयास में जुटी है। ऋतिक की बहन कशिश ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस वारदात के पीछे बरखा माला के पति मुकेश का हाथ है।

आरोप है कि मुकेश ने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले ऋतिक को घेर लिया और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। परिजनों का कहना है कि यह कोई सामान्य झगड़ा नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत हमला है। परिजनों ने मझोला थाने में तीन लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार कहना है कि प्रेम प्रसंग की कहानी में कितनी सच्ची है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

न्यूज ब्रीफ

शराब के नशे में छोटे भाई की हत्या

धामपुर, अमृत विचार : धामपुर के मोहल्ला पहाड़ी दरवाजा में शराब के नशे में हुए पारिवारिक विवाद में शुक्रवार देर रात बड़े भाई ने दिव्यांग छोटे भाई मोनू सैनी (26) की गला दबाकर हत्या कर दी। मोनू पुश्तैनी मकान के भूतल पर रहता था, जबकि बड़ा भाई रवि सैनी दूसरी मंजिल पर रहता था। मोनू अविवाहित था और दाहिने पैर से दिव्यांग होने के बावजूद टेलरिंग करता था। वहीं, आरोपी रवि हलवाई है। दोनों भाइयों में अक्सर शराब पीने के बाद झगड़े होते थे। शुक्रवार रात विवाद इतना बढ़ गया कि रवि ने मोनू का गला दबा दिया। शनिवार सुबह कमरे में शव मिलने पर सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बीएसएफ जवान की पश्चिम बंगाल में मौत

चांदपुर, अमृत विचार : पश्चिम बंगाल के मालदा शिवपुरी में ड्यूटी के दौरान करंट लगने से चांदपुर निवासी बीएसएफ जवान की मौत हो गई। हिमांशु कुमार शुक्रवार को कैमरा ठीक करते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए थे। हिमांशु कुमार (24) चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव शादीपुर मिलक के रहने वाले थे।

प्रसूताओं की गोद भराई व अन्नप्राशन संस्कार कर वितरित किए आयुष्मान कार्ड

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचारः सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष, पोषण माह एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी चित्रगुप्त इंटर कॉलेज में लगई गई। इसका समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। महामंत्री स्वतंत्रता सेनानी संगठन धवल दीक्षित ने बच्चों को पोषण और स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया। बाल विकास परियोजना की सीडीपीओ जानकी आर्य ने गोद भराई और अन्नप्राशन की रस्में भी कराई।

गोदभराई कार्यक्रम में शामिल महिलाएं और अधिकारी। ● अमृत विचार

● सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर लगी चित्र प्रदर्शनी का समापन

स्वास्थ्य विभाग द्वारा डायरिया जागरूकता और आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया। "डायरिया से डर नहीं" अभियान के तहत ओआरएस कॉर्नर लगाए गए। इसमें लोगों को ओआरएस घोल बनाने की विधि बताई। साथ ही आशा, एएनएम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को डायरिया प्रबंधन पर प्रशिक्षित किया गया।

एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्रसेवा की मिली प्रेरणा

मुरादाबाद, अमृत विचारः हिन्दू कॉलेज में रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक अध्ययन विभाग तथा 24वीं बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय व्याख्यानमाला का समापन शनिवार को हुआ। मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. सत्यव्रत सिंह रावत रहे। विशेष व्याख्यान में डॉ. चरण सिंह ने कारगिल संघर्ष और भारतीय सेना की भूमिका विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कारगिल युद्ध न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि यह भारतीय सेना की वीरता, साहस और त्याग का प्रतीक बन गया। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र के प्रति सजग रहते हुए यह संदेश दिया कि देश की रक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। प्राचार्य ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य ने कहा कि एनसीसी जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं में अनुशासन,नेतृत्व क्षमता और आत्मबल विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से सेवा, समर्पण और कर्तव्य परायणता को जीवन का मूल मंत्र बनाने की अपील की। 10 दिवसीय व्याख्यानमाला के दौरान विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेट्स को विभिन्न सामरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

My Dream UP Green
President Gurujinder Singh

न्यूज ब्रीफ

ट्रेनों में लगेंगे ब्रेल साइनेज

बरेली, अमृत विचार : अब दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए ट्रेन यात्रा और भी आसान होने जा रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने इज्जतनगर मंडल में ट्रेनों के कोचों और फाटकों पर ब्रेल साइनेज लगाने के आदेश दिए हैं। इस व्यवस्था से दृष्टिबाधित यात्री स्पर्श के माध्यम से कोच की स्थिति, नंबर और प्रवेश द्वार की सही जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।महाप्रबंधक के आदेश के मुताबिक हर कोच के प्रवेश और निकास द्वार के हैंडल पर ब्रेल साइनेज लगाए जाएंगे। इसके अलावा ब्रेल नेविगेशनल मानचित्र भी तैयार किया जा रहा है, जिसे स्पर्श करने पर यात्री कोच की वास्तविक स्थिति और उसमें मौजूद सुविधाओं के बारे में जानकारी ले सकेंगे।

इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे 73 मरीज

बरेली, अमृत विचार : जिला अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में शनिवार को खासी मरीजों की भीड़ नजर आई। इन मरीजों में अधिकांश शरीर में चोट और दर्द की शिकायत लेकर पहुंचे थे। स्टाफ के अनुसार अमूमन दर्द संबंधी शिकायतों के 25 से 30 मरीज ही रोजाना आते हैं लेकिन शुक्रवार शाम से शनिवार दोपहर 2 बजे तक 73 मरीज शरीर में दर्द होने पर पहुंचे। स्टाफ के अनुसार हाथ पैरों में सूजन, शरीर पर चोट के निशान के मरीजों की संख्या अधिक रही, कई मरीजों ने बताया कि बीते शुक्रवार को नमाज अदा करने के बाद इस्लामिया मैदान में शामिल होने के लिए जा रहे थे, इस पर दौरान हुए लाठीचार्ज में उनको चोटें आ गईं।

बवाल की साजिश पहले से थी तय, बोतल बम लेकर आए थे उपद्रवी

पुराने शहर में बांटे गए थे पर्चे, पूरी तैयारी के साथ पहुंचने की अपील की गई थी, दूसरे जिलों से भी पहुंचे थे उपद्रवी, पुलिस चिह्नित करने में तेजी से जुटी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करने और शहर को आग में झोंकने की साजिश एक सप्ताह पहले ही रची जा चुकी थी। यही वजह है कि टूटी हुई मिलीं बोतलों में पेट्रोल बम बनाकर लाया गया था। आईएमसी महानगर अध्यक्ष एवं पार्षद अनीस सकलैनी ने पुराने शहर समेत अन्य जगह पर्चे बांटे थे। जिसमें भारी संख्या में पूरी तैयारी के साथ पहुंचने की अपील की गई थी। इतना ही नहीं दूसरे जिले से भी उपद्रवी पहुंचे थे। जिन्हें पुलिस चिह्नित करने का काम तेजी से कर रही है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बवाल मामले में मौलाना तौकीर समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जबकि 31 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में सामने आया है कि बवाल कराने की एक सप्ताह पहले से साजिश रची जा रही थी। इसके लिए पुराने शहर से लेकर कई अन्य स्थानों पर पर्चे बांटे गए थे। जिसमें साफ किया गया था कि कार्यक्रम रद्द नहीं किया गया है। सभी को हर हाल में भारी संख्या में पहुंचना है। सभी लोग पूरी तैयारी से पहुंचे। गुरुवार शाम को आईएमसी के लेटर पैड पर कार्यक्रम को निरस्त करने की घोषणा की गई। मगर शुक्रवार सुबह ही मौलाना तौकीर ने उसे फर्जी करार दिया, जबकि, उनके ही पार्टी के पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर कर पुलिस को दिया था। ऐसे में इनकी मंशा पूरी तरह से साफ थी।

तौकीर रजा ।

तौकीर की भड़काऊ तकरीर से 2010 के दंगे में झुलसी थी बरेली : बरेली, अमृत विचार: आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां का भीड़ को उकसाकर बवाल-फायरिंग कराकर शहर को सुलगाने की साजिश रचने का यह खेल वर्षों पुराना है। मौलाना ने करीब 15 साल पहले 2010 में इसी तरह भीड़ को उकसाया था। कोहाड़ापीर क्षेत्र में भड़काऊ तकरीर की थी। जिसके बाद बरेली में दंगा भड़का था। पुलिस ने उस वक्त मौलाना को आरोपी बनाया और जेल भेजा लेकिन किसी तरह मौलाना ने अपना नाम दंगा केस से निकलवा लिया था। यही वजह रही कि इस बार मौलाना ने शहर को सुलगाने की साजिश रची लेकिन पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी से हालात पर समय से काबू पा लिया गया, लेकिन इस बार मौलाना के खिलाफ पुलिस प्रशासन कठोर कार्रवाई कर रहा है। मौलाना कई बार शहर में भीड़ इकट्ठा कर प्रदर्शन करा चुके हैं। जिस तरह से उपद्रवियों ने पथराव और फायरिंग की, उससे यही माना जा रहा है कि साजिश बड़े स्तर पर रची गयी थी। पूरी प्लानिंग से उपद्रवी सड़कों पर उतरे थे। वहीं, पिछले साल कोर्ट ने मार्च, 2010 में हुए दंगे के प्रकरण की सुनवाई कर पुलिस की फटकार लगायी थी कि दंगे का मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां की गिरफ्तारी क्यों नहीं की गयी। दरअसल, 2 मार्च 2010 में जुलूस-ए-मोहम्मदी के रूट को लेकर हुए साम्प्रदायिक बवाल ने पूरे शहर को दंगे की आग में झोंक दिया था। करीब 25 दिन तक शहर में कर्फ्यू लगा था। चर्चित दंगे के सात आरोपी संदेह का लाभ पाते हुए कोर्ट से बरी हो चुके हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध बाजार में पथराव, बलवा करने, लोगों को जान से मारने की नियत से असलहों से फायरिंग करने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गयी थी। कोतवाली क्षेत्र के आजमनगर निवासी राजा, शब्बू कुरैशी, फैसल, साजिद बेग, कमर, अब्दुल सलाम व शास्त्री मार्केट निवासी कैफी संदेह का लाभ पाते हुए बरी हुए थे।

साजिशन शहर में बदल दिया नमाज का समय: पुलिस की जांच में सामने आया है कि शहर की सभी मस्जिदों में नमाज अदा करने का अलग-अलग समय होता है। ऐसे में बवाल की साजिश पहले से होने के कारण नमाज का समय 1 बजे तय किया गया। जिससे वहां पर लोग योजना अनुसार पहुंच सकें। सभी को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई थी। सभी जिम्मेदारियों को पूरा करते नौमहला मस्जिद तक भीड़ ले जाने का प्रयास कर रहे थे। यही वजह है कि बवाल करने का काम भीड़ को उकसा कर शुरू किया गया। जिसके बाद पथराव से लेकर फायरिंग तक की गई। सोशल मीडिया पर भी लोगों तक मेसेज पहुंचाने के लिए कई लोगों को अलग-अलग इलाके की जिम्मेदारी दी गई थी।

पुलिस मौलाना समेत कई उपद्रवियों पर लगाएगी रासुका, तैयारी शुरू

बरेली, अमृत विचार : जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव कर फायरिंग कराने वाले मुख्य साजिशकर्ता आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां समेत 12 दंगाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा समेत सभी आरोपियों पर रासुका लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसकी भूमिका भी धरातल पर बनाए जा रही है। डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने साफ किया है कि मामले में ऐसी कार्रवाई होगी, जो पूरे प्रदेश में एक नजीर के रूप में पेश की जाएगी। दरअसल, कानपुर में एफआईआर दर्ज होने पर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने जुमे की नमाज के बाद खास समुदाय के लोगों से इस्लामियां ग्राउंड में इकट्ठा होने का एलान किया था। हालांकि, किसी भी कार्यक्रम या जुलूस की अनुमति पुलिस-प्रशासन की तरफ से नहीं दी गई थी। जिले में धारा 163 लागू होने के बावजूद लोगों का हुजूम इस्लामिया पहुंचता रहा। आधे से ज्यादा लोग नमाज अदा कर अपने-अपने काम को निकल गए। इसी बीच कुछ उपद्रवियों ने पुलिस के सामने ही नारेबाजी और तकरीर शुरू कर दी। भीड़ में शामिल उपद्रवी बेकाबू होते दिखे तो पुलिस ने उन्हें रोकने और समझाने का भरसक प्रयास किया लेकिन वह नहीं माने। उपद्रवियों ने प्रदर्शन की आड़ में पुलिस और बाजार में दुकानदारों पर पथराव शुरू कर दिया। दुकानों में तोड़फोड़ भी की। हालात को काबू करने के लिए पुलिस ने उपद्रवियों पर लाठीचार्ज कर आंसू गैस के गोले छोड़े। जिसके बाद सड़कों पर भगदड़ मच गई।

साजिश के तहत खलील तिराहे पर शुरू हुआ था बवाल

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि खलील तिराहे पर साजिश के तहत उपद्रवी पहुंचे थे। वहां पर मिले निर्देश के अनुसार खुराफातियों ने पुलिस के साथ झड़प करना शुरू कर दी। पुलिस के समझाने के बाद उपद्रवी समझने को तैयार नहीं हुए। उसके बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव करने के साथ फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद भी पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज कर दिया। उसके बाद वहां पर भगदड़ मच गई। 10 मिनट में ही वहां से भीड़ पूरी तरह से खाली हो गई। सड़कों पर सिर्फ चप्पलें दिखाई दीं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचा, जिंदा कारतूस, पुलिस के तोड़े गए बैरिकेडिंग, टूटी कांच की बोतलें, चाकू, लोहे की रॉड और लाठी-डंडे बरामद किए हैं।

अनीस ने जोगीनवादा मामले में किया था विरोध

बता दें कि बारादरी पुलिस के हत्थे चढ़े पार्षद अनीस सकलैनी पहले से ही विवादित रहा है। कांवड़ यात्रा को लेकर जोगीनवादा में विवाद हुआ था। जिसको लेकर पुलिस-प्रशासन की टीम ने दोनों पक्षों में समझौता कराया था। उस समय भी सबसे पहले इसने ही विरोध किया था। उस समय पुलिस ने काफी समझा बुझाकर इसे शांत कराया था। वह अक्सर आए दिन बवाल कराने के लिए लोगों को भड़काने का काम करता था। शहामतगंज समेत फलमंडी में हुए विवाद के लिए भी पार्षद सकलैनी ही जिम्मेदार है। यही सबको भड़का कर यहां तक लाया। लोगों ने यहां से जाने का प्रयास किया तो दोबारा से लोगों को भड़काने का काम करना शुरू कर दिया।

सात दिन से डीएम-एसएसपी कर रहे थे वार्ता

डीएम-एसएसपी लगातार मौलाना तौकीर रजा खां से पिछले सात दिनों से वार्ता कर रहे थे। दोनों अधिकारी मौलाना से ही नहीं बल्कि धर्म गुरुओं समेत अन्य लोगों से शहर में शांति बनाए रखने की अपील करते रहे। मगर मौलाना तौकीर रजा खां अपनी जिद पर अड़े रहे, जिससे शहर को आग में झोंकने की कोशिश की गई। बाहर जिले से अपराधियों को बुलाया गया, लेकिन पुलिस-प्रशासन की तत्परता से शहर को आग में झोंकने की कोशिश नकाम हो गई। गिरफ्तार समेत फरार आरोपियों की आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है, जिससे सभी पर आगे कठोर कार्रवाई की जा सके।

सभी के संपर्क में था नदीम, ले रहा था अपडेट

पुलिस की जांच में सामने आया है कि आईएमसी नेता नदीम खां भी इस साजिश में मौलाना की तरह पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। खलील तिराहे पर बवाल होने के पहले ही नदीम वहां पहुंच गया था। उसने माइक पर लोगों को भड़काया। इतना ही नहीं नदीम बवाल होने के बाद सैकड़ों उपद्रवियों के संपर्क में था। वह ह्वाटएसप के जरिए ग्रुप काल कर भी लोगों से संपर्क कर पल-पल की अपडेट लेता रहा। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में मिली जानकारी को आधार बना कर बवाल में शामिल अन्य आरोपियों को चिह्नित करने के साथ ही उनकी तलाश कर रही है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को कहां से फंडिग हुई है। इसकी भी जांच पुलिस कर रही है। बता दें कि पुलिस ने शुक्रवार रात 12:50 बजे के करीब मौलाना तौकीर रजा खां को फाइक एंक्लेव स्थित दोस्त फरहत खां के घर से गिरफ्तार कर लिया, जबकि पुलिस ने बवाल के समय खलील तिराहे से सात अन्य आरोपियों सरफराज, अजीम अहमद, मोहम्मद सरीफ, मोहम्मद मनीफुद्दीन, मोहम्मद आमीर, रेहान, सरफराज, पार्षद चक महमूद एवं आईएमसी महानगर अध्यक्ष अनीश सकलैनी, फरहत खां, मोइन अली खां और मोहम्मद आजम को गिरफ्तार किया।

सद्दाम के बाद मौलाना ने भी फाइक में बनाया था ठिकाना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : माफिया रहे अशरफ के साले सद्दाम का कभी ठिकाना रहा फाइक एंक्लेव अब मौलाना तौकीर रजा खां का नया ठिकाना बना था। मौलाना तौकीर अपने दोस्त फरहत खां के घर अक्सर आते-जाते रहते थे। इस बवाल की साजिश भी वहीं से रची गई थी। फरहत के घर से ही शुक्रवार सुबह वीडियो जारी कर नमाज के बाद इस्लामिया मैदान में पहुंचने के लिए अपील की गई थी। इतना ही नहीं फतेहगंज पश्चिमी समेत अन्य थाना क्षेत्रों के स्मैक तस्कर भी इसी कॉलोनी में किराए का मकान लेकर रह रहे हैं। पुलिस और बीडीए की अब इस कालोनी पर टेढ़ी नजर हो गई है।

बता दें कि प्रयागराज में दिनदहाड़े बमबाजी कर गोलियों से भूनकर उमेशपाल की हत्या की गई थी। इस हत्याकांड की साजिश बरेली के फाइक एन्क्लेव में रहकर रची गई थी। उस समय जिला जेल में माफिया अशरफ बंद था, जबकि उसका साला सद्दाम यहां पर किराए का मकान लिया था। उमेशपाल की हत्या में शामिल शूटर समेत माफिया अतीक अहमद के करीबी सद्दाम से यहां पर मिले थे। उसके बाद शूटरों और अन्य बदमाशों की सद्दाम ने जिला जेल में अपने जीजा अशरफ से मुलाकात कराई थी। सद्दाम ने यहां पर रहकर पूरे जिले में अपना एक सम्राज्य खड़ा किया था।

मुख्यमंत्री की हरी झंडी मिलते ही तौकीर पहुंचे सलाखों के पीछे

बरेली,अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां हर बार जेल भेजने की जिद पर अड़ा रहता था लेकिन इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हरी झंडी मिलते ही पुलिस ने उन्हें दो घंटे के अंदर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। जब-तक तौकीर या उनके समर्थकों को पता चलता कि उन्हें फतेहगढ़ जेल भेज दिया गया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि मौलाना तौकीर रजा खां को पुलिस-प्रशासन ने अच्छे से समझाया था कि किसी को भी इस्लामिया ग्राउंड तक पहुंचने नहीं दिया जाएगा। इस्लामिया के सभी गेटों पर पुलिस ने ताले लगा दिए थे। पुलिस ने साफ किया था कि अगर कोई बवाल हुआ तो सलाखों के पीछे पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता। मगर मौलाना तौकीर रजा खां ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। दोपहर 2:30 बजे तक पूरी तरह से शांति कायम रही लेकन 3 बजे के करीब अलग-अलग चौराहों से लोगों की भीड़ इस्लामिया की तरफ रुख करने लगी। पुलिस ने काफी समझाया मगर वह नहीं मानी। पुलिस पर पथराव फायरिंग की गई। जिस पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर सभी को खदेड़ा। उन्होंने कहा कि निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

मां-बाप समेत आने वालों पर जेजे एक्ट के तहत होगी कार्रवाई

- कश्मीर की तर्ज पर झुंड के आगे बच्चों को किया गया था शामिल
- किस-किस जिले से आए लोग पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पुलिस पर पथराव कर फायरिंग कराने वाले मुख्य साजिशकर्ता आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां समेत साजिश में शामिल अन्य लोगों ने कश्मीर की तर्ज पर बच्चों को हर एक झुंड में आगे किया था। जिससे पथराव और फायरिंग के बाद पुलिस उपद्रवियों पर लाठी न भांज सके। ऐसे में पुलिस बच्चों के मां-बाप समेत उन्हें जुलुस में लाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि प्रदेश के किस-किस जिले से लोग यहां पहुंचे थे। उसके लिए जिले की सीमाओं पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद पोस्टर को हाथ में लेकर विरोध प्रदर्शन कर उपद्रवियों ने फायरिंग और पथराव करते हुए शहर का माहौल खराब किया। जिले में पहली बार जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर साजिश के तहत उपद्रवियों ने हर एक झुंड में बच्चों को आगे किया था। बच्चों को आगे कर पुलिस पर जमकर पथराव किया गया। लोगों ने गली से लेकर छतों से पुलिस पर पथराव कर उपद्रवियों का पूरा साथ दिया। ऐसे में पुलिस बच्चों को फुटेज और वीडियो के जरिए चिह्नित कर रही है। जिसके बाद उनके मां-बाप समेत बच्चों को जुलुस में शामिल कर लाने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगी। एसएसपी ने साफ किया है कि इस बार उपद्रवियों पर ऐसी कार्रवाई की जाएगी, जो पूरे प्रदेश में हमेशा के लिए नजीर की तरफ पेश किया जाएगा। मौलाना तौकीर रजा का शनिवार सुबह 5:10 बजे जिला अस्पताल में मेडिकल कराया। उसके बाद कोर्ट में पेश कर उन्हें दूसरे जिले की जेल के लिए रवाना कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचा, जिंदा कारतूस पुलिस के तोड़े गए बैरिकेडिंग, टूटी कांच की बोतलें, चाकू, लोहे की रॉड और लाठी-डंडे बरामद किए हैं।

10 एफआईआर दर्ज, 125 नामजद आरोपी

बता दें कि बवाल मामले में पुलिस ने कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, प्रेमनगर, कैंट और किला में एक-एक मुकदमे दर्ज किए हैं, जिसमें 125 नामजद और तीन हजार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें कोतवाली में दर्ज पांचों मुकदमों में मौलाना तौकीर रजा खां समेत सैकड़ों को आरोपी बनाया गया है। बारादरी में शहामतगंज चौकी इंचार्ज अखिलेश उपाध्याय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में पार्षद अनीस सकलैनी, साजिद, तहमीन, वसीम, अजीम, नदीम, अदनान, मोइन, फैजूल, कलीम, मोबिन, नायब उर्फ निम्मा, बबलू, दाउद, अमन, अजमल, फैजान, शमनान, संम्मू समेत 150 अज्ञात शामिल किए गए हैं। वहीं बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने भी एक मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें नदीम, अनीस सकलैनी, साजिद, तहमीन, वसीन, अजीम, अदनान, मोइन, फैजुल, कलीम, मोबिन, नायब, बबलू खां, अमन, अजमल, अजान, समनान, संम्मू, अरशद, मुस्तफा, नौसाद, मुनिम, आकिब, मुन्ना, सलाउद्दीन, युनुस, समेत दाउद को नामजद किया गया है। जबकि 250 अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। वहीं, प्रेमनगर थाने में दरोगा प्रमोद कुमार ने मौलाना तौकीर रजा खां, लक्की शाह, नदीम खां, मुनीर, अल्तमश, राशिद, मोहसिन, शहनवाज, कामरान, शहनवाज, इरफान, शहजाद, इमरान, शादाब, फाजिल, अमन, आरिफ, आशिफ, इंतियाज, इमरान, मुशीर, फिरोज, अनवर, आसिफ को नामजद करते हुए 200 अज्ञात को आरोपी बनाते हुए सभी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

जेपीएस राठौर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे

बरेली, अमृत विचार : बवाल-फायरिंग की घटना के दूसरे दिन जिले के प्रभारी मंत्री एवं राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता विभाग जेपीएस राठौर रविवार को दो दिवसीय दौरे पर बरेली पहुचेंगे। वह कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक और भाजपा के जिले की कोर कमेटी की बैठक करेंगे। वह जीएसटी में हुए बदलाव के संबंध में बटलर प्लाजा में व्यापारियों से संवाद करेंगे।

वीआईपी प्रभारी अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार जिला प्रभारी मंत्री रविवार शाम करीब 4 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। भाजपा के तीनों अध्यक्षों के साथ बैठक कर शाम को बटलर प्लाजा मार्केट में जीएसटी की दरों में की गयी कटौती से संबंधित विषय पर व्यापारियों और जन सामान्य से चर्चा करेंगे। इसके बाद देर शाम 7 बजे से भाजपा कार्यालय पर होने वाली जिला कोर कमेटी की संयुक्त बैठक में प्रतिभाग करेंगे। इसके बाद वह बिथरी विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा के आवास जाएंगे। सोमवार को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास कार्य, योजनाओं व कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक करेंगे। दोपहर करीब 1 बजे सर्किट हाउस में सदस्यता महा अभियान के अंतर्गत विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दोपहर बाद प्रेसवार्ता करेंगे।

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
NABH
रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रुबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
● बरेली का एकमात्र PET CT
● पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
● सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, ● रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, ● डे केयर कीमो थेरेपी, ● इम्यूनोथेरेपी ● कैंसर आईसीयू, ● फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री ● मैमोग्राफी, ● कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, ● टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल ● इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
● प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
● मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइनः 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : rohilkhand cancer institute

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
SHAHJAHANPUR
एन.एच. 30, बंथरा शाहजहांपुर 7521001988, 7521001989
SWASTH NARI SASHAKT PARIVAR ABHIYAAN
17th September to 2nd October 2025
Prime Minister Narendra Modi
निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर
बाह्य रोगी विभाग
प्रधानमंत्री द्वारा आरंभित ''स्वस्थ्य नारी-सशक्त परिवार अभियान'' जिसका उद्घाटन 17 सितम्बर को वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा शाहजहांपुर में किया गया। यह अभियान 17 सितम्बर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित जाँचे महिलाओं के लिए निःशुल्क की जायेंगी...
● CBC (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
● Blood Sugar (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
● Urine (Albumin, Sugar, Microscopy) (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
● डिजिटल एक्स-रे रूपये 100/- मात्र
विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार किया जायेगा।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता कल से

बरेली, अमृत विचार : प्रदेश स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता स्पोर्ट्स स्टेडियम में सोमवार से शुरू होगी। प्रदेश के सभी मंडलों की टीमें रविवार को पहुंचने लगेंगी। खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था शहर के रिक्की सिंह इंटर कालेज और स्टेडियम में की गई है। आरएसओ चंचल मिश्रा ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आने वाले खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। पेयजल व्यवस्था के लिए पानी के टैंक के लिए नगर निगम से कहा गया है।

मनोरंजन सदन में दुर्गा पूजन आज से

बरेली, अमृत विचार : बंगाली कल्चरल एवं वेलफेयर सोसायटी की ओर से जंक्शन स्थित मनोरंजन सदन में रविवार से दुर्गा पूजा का कार्यक्रम शुरू होगा। पंडाल में मां दुर्गा का पूजन होगा। आंनद मेले के साथ बोधोन और अभिबास का भी आयोजन होगा। मीडिया प्रभारी ध्रुव चटर्जी ने बताया कि दुर्गा पूजन का आयोजन का 2 अक्टूबर तक चलेगा। कार्यक्रम में विकास राय चौधरी, मानस गोरोई, सनत तरफदार, तापस मोईत्रा, असीम बागची, शुभम बागची आदि का विशेष सहयोग रहेगा।

राइफल क्लब में होगी हाईटेक शूटिंग रेंज

अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के कोच सिखाएंगे निशानेबाजी के गुर

- शूटिंग रेंज संचालन की पैसेफिक इंटरप्राइजेज मिली जिम्मेदारी
- कंपनी के मालिक आनंद विक्रम भी रह चुके हैं राष्ट्रीय स्तर के शूटर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः राइफल क्लब में अंर्तराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज बनकर तैयार हो चुकी है। इसका संचालन पैसेफिक इंटरप्राइजेज करेगी। एक सप्ताह के बाद शूटिंग रेंज शुरू हो जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के कोच शूटरों को निशानेबाजी के गुर सिखाएंगे।

कंपनी ने शूटिंग रेंज का 15 सालों के संचालन के लिए करीब 1 माह पहले ठेका लिया है। पैसेफिक इंटरप्राइजेज के मालिक आनंद विक्रम सिंह ने बताया कि तैयारी पूरी हो चुकी है। कुछ काम बचे हैं, जल्द उन्हें पूर्ण कर शूटिंग रेंज का संचालन किया जाएगा। बताया कि यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं शूटरों को दी जाएंगी। वह खुद एक राष्ट्रीय स्तर के शूटर रह चुके हैं। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन के कोच भी हैं। राइफल क्लब में तीन सीनियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर और 3 जूनियर राष्ट्रीय स्तर के कोच को नियुक्त किया जाएगा, ताकि लोगों को अच्छी तरह से ट्रेनिंग दी जा सके। ताकि यहां से अच्छे खिलाड़ी निकल सके।

तीन शूटिंग रेंज हैं राइफल क्लब में

राइफल क्लब में स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट के तहत अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तीन शूटिंग रेंज बनाई गई हैं। जिसमें अलग- अलग स्तर के शूटर अपनी शूटिंग कर सकते हैं। ग्राउंड फ्लोर पर दो शूटिंग रेंज हैं, जिसमें एक शूटिंग रेंज में 10 टारगेट स्लॉट ऑटोमेटिक, 10 टारगेट स्लॉट मैनुअल हैं। फर्स्ट फ्लोर पर बनी शूटिंग रेंज में 10 टारगेट स्लॉट ऑटोमेटिक हैं और 20 टारगेट स्लॉट मैनुअल हैं। शूटिंग रेंज में 10, 25, 50 मीटर रेंज के कुल 30 ऑटोमेटिक टारगेट स्लॉट हैं। जबकि 40 मैनुअल स्लॉट हैं। आटोमेटिक शूटिंग रेंज में लगे टारगेट स्लॉट की कीम 5 लाख है। इसमें शूटर अपने लक्ष्य को टारगेट करने के बाद पास में लगे कम्प्यूटर की स्क्रीन पर देख सकता है, जिसमें समय की बहुत बचत होती है। राइफल क्लब में शूटरों के लिए जिम भी खोला गया है। जिससे शूटर मानसिक अभ्यास के साथ शारीरिक अभ्यास कर पाएंगे। शूटिंग रेंज में कैफे भी तैयार हो रहा है।

69 वें विराट दशहरा मेला की तैयारियों को लेकर की चर्चा

बरेली, अमृत विचारः धार्मिक सेवा समिति बरेली के तत्वावधान में होने वाले 69 वें विराट दशहरा मेला की तैयारियों के संबंध में शनिवार को श्री हरि मंदिर बारातघर में विशेष बैठक की गयी। बैठक में मेले की रूपरेखा, कार्यकमों, स्टाल, राजगद्दी, आतिशबाजी और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर मेला कमेटी अध्यक्ष संजीव चांदना, महामंत्री रवि छाबड़ा, मेला इंचार्ज अतुल कपूर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील अरोरा, अश्वनी ओबरॉय, अनिल अरोरा, जुगल किशोर मक्कर, संजय आनन्द, गोविन्द तनेजा, धीरज सेठी एवं मेला समिति के सभी सदस्यों एवं सम्मानित नागरिकों ने भाग लेकर अपने विचार रखे। अंत में महामंत्री रवि छाबड़ा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

विंडरमेयर में रामलीला का भव्य मंचन शुरू

- रंग विनायक रंगमंडल के कलाकार कर रहे मंचन
- 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन होगा मंचन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः विंडरमेयर थिएटर में शनिवार शाम 7 बजे से रामलीला का भव्य मंचन शुरू हुआ। मंचन रंग विनायक रंगमंडल के कलाकार कर रहे हैं। रामलीला की कथा राधेश्याम कथावाचक और छविराम ढौंडियाल की प्रसिद्ध पहाड़ी रामलीला पर आधारित है। निर्देशक अम्बुज कुकरेती हैं, जबकि संगीत निर्देशन कौशल किशोर का है। प्रकाश संयोजन की जिम्मेदारी ऋषि रंजन सिंह ने संभाली है।

दया दृष्टि चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. बृजेश्वर सिंह ने बताया कि 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रामलीला का मंचन होगा। उन्होंने दर्शकों से समय पर पहुंचकर इस सांस्कृतिक आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की। रामलीला में विष्णु व राम का किरदार दानिश खान, लक्ष्मण की भूमिका अचल सिसोदिया, सीता व लक्ष्मी का किरदार दीक्षा, भरत का भूपेंद्र कुमार, शत्रुघ्न का राघव द्विवेदी, हनुमान का अमन गुप्ता और दशरथ की भूमिका पंकज कुकरेती निभा रहे हैं। जबकि रावण की भूमिका अजय चौहान और जनक व कुम्भकर्ण का किरदार नितिन अरोड़ा निभा रहे हैं। हिर्देश प्रताप सिंह परशुराम, मोहसिन खान मेघनाद, उत्कर्ष प्रजापति विभीषण व केवट, ज्योति वाला (शूर्पणखा), नीलम वर्मा कैकेयी और अशिष (जटायु) की भूमिका निभा रहे हैं। नृत्य निर्देशन की जिम्मेदारी डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव के पास है। पहले दिन दर्शकों की अच्छी-खासी भीड़ रही।

श्रीराम ने अनन्य भक्त शबरी के जूठे बेर खाए

बरेली, अमृत विचारः श्री रानी महालक्ष्मीबाई रामलीला समिति की ओर से चल रही रामलीला में शनिवार सीता हरण, रामविलाप, शबरी पर राम की कृपा आदि लीलाओं का मंचन किया गया। रामलीला में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने पहुंचकर भगवान की झांकी की आरती की और लोगों का रामलीला के बारे में बताया। मंचन में कलाकारों ने दिखाया कि शूपर्णखा रावण के दरबार में अपनी नाक कान काटने के बारे में बताती है। रावण मारीच को सोने का मृग बनकर जाने का आदेश देता है। रावण साधु का भेषधारण कर माता सीता का हरण कर लेता है। रास्ते में रावण का जटायु से युद्ध होता, जिसमें जटायु घायल हो जाता है। राम सीता की खोज में निकलते हैं। उन्हें घायल अवस्था में जटायु मिलता है। वह उन्हें रावण के बारे में बताता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सिंधी गौरव रत्न से सम्मानित

- एसबीडी मंडल बरेली की ओर से हुआ कार्यक्रम का आयोजन

बरेली, अमृत विचारः एसबीडी मंडल बरेली की ओर से शनिवार शाम जनकपुरी स्थित एक होटल में साईं बीरबल दास साहिब का ग्यारवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर युवा डॉक्टर एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सिंधी गौरव रत्न से सम्मानित किया गया। साईं श्रीचंद साहिब और साईं शिव बाबा के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन एवं नृत्य किया।

कार्यक्रम में चिकित्सा, उद्यमिता और व्यावसायिक क्षेत्र के उत्थान को किए गए कार्यों के लिए डॉ. रश्मि रहेजा वाधवानी, डॉ. हितेश देवनानी, डॉ. हीना सकरानी देवनानी, सीए नितिन भोजवानी, सीए काजल वाधवानी, सीए हनी देवनानी, सीए श्याम चुगलानी, सीए दुर्गेश सचदेव और सीए गरिमा सावलानी को सिंधी गौरव रत्न से सम्मानित किया गया। संचालन करते हुए अध्यक्ष मनोहर लाल धीरवानी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। युवाओं को आगे बढ़कर समाज के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करते हैं। सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रदीप वाधवानी, डॉ. विनोद पागरानी, डॉ. मनोज हिरानी, महेश वाधवानी, डॉ. सुरेश धीरवानी, ठाकुरदास छाबड़िया, निर्मल दास खटवानी, कपिल चंदानी, ज्ञान चंद वाधवानी, उमेश धीरवानी, सतराम दास, राजगोपाल खट्टर, विकास तालरेजा, राकेश धीरवानी, शैलेंद्र धीरवानी, दिनेश वाधवानी, आईआईए अध्यक्ष मयूर धीरवानी, अविनाश, सौरभ आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने पांरपरिक वेशभूषा धारण किया गरबा नृत्य

बरेली, अमृत विचार : बीसलपुर रोड स्थित केशलता इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को नवरात्रि और दशहरा पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अलावा कई कार्यक्रम आयोजित किए। बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन कर छात्रों को संदेश दिया गया कि अंधेरे पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की हमेश जीत होती है। स्कूल की निदेशिका डॉ. लता अग्रवाल ने नारी शक्ति के महत्व को बताते हुए कहा कि समाज को यह सशक्त संदेश अपने विद्यार्थियों के माध्यम से ही दिया जा सकता है। प्रधानाचार्य ममतेश माहेश्वरी ने त्योहारों के आध्यत्मिक महत्व को समझाया। उप प्रधानाचार्या डॉ. निशा शर्मा ने सांस्कृतिक आयोजनों को बच्चों के सर्वांगीण विकास लिए आवश्यक बताया। प्रशासनिक अधिकारी सुधांशु शर्मा ने कहा कि शिक्षा के साथ- साथ सांस्कृतिक संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि यह आयोजन विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को उजागर करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

विद्या वर्ल्ड स्कूल में हुआ डांडिया नाइट

बरेली, अमृत विचारः विद्या वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को डांडिया नाइट का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि मेयर डॉ. उमेश गौतम, सीडीओ देवयानी, विद्यालय के डायरेक्टर रवि प्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन प्रकाश अग्रवाल, प्रधानचार्य डॉ. योहान कुंवर, उप प्रधानचार्या डॉ. संयागिता चौधरी, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र व अभिभावकों ने दुर्गा पूजा में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। ढोल बाजे, जागीरा तारा रा.. आदि गीतों पर पारंपरिक वेष- भूषा में महिलाओं, पुरुषों, छात्र-छात्राओं ने डांडिया खेला।

कुलसचिव ने पदभार ग्रहण किया

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विवि के नए कुलसचिव हरीश चंद्र ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलसचिव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विवि की प्रगति में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि शासन, प्रशासन और उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।

पहलवान पुष्पेंद्र ने आसिफ को दी पटखनी

बरेली अमृत विचारः बाबा वनखंडी नाथ रामलीला समिति की ओर से आयोजित दंगल में शनिवार को 18 कुश्ती हुईं। इनमें 12 बराबर पर छूटी, जबकि 6 निर्णायक रहीं। विल्ला कुरूक्षेत्र, बाबर दिल्ली, अर्जुन बजरंग अखाड़ा बरेली, शाहिद सहारनपुर, इंद्रपाल बरेली, बाबर अजमेर, मंजीत बजरंग अखाड़ा बरेली, शाहिद सहारनपुर की कुश्ती बराबर पर छूटी। अमरोह के पुष्पेंद्र ने बरेली के आसिफ को पटखनी दी। बरेली के सुमित ने पुष्पेंद्र यादव को, बजरंग अखाड़ा बरेली के रिषभ ने रिठौरा के आसिफ को हराया। संयोजक गिरधारी लाल साहू, मेला अध्यक्ष संजीव शर्मा, धर्मेंद्र सिंह राठौर, मुन्नालाल राठौर, सुनील दत्त शर्मा, विशाल श्रीवास्तव, वैभव भारद्वाज, अमजद पहलवान, नाजिम आदि मौजूद रहे।

यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

1. रेलवे ट्रैक, स्टेशन एवं समपारों फाटकों के आस-पास भीड़ एकत्रित न करें, यह खतरनाक हो सकता है।
2. रेलगाड़ी के डिब्बों में स्टोव जलाना, आतिशबाजी का सामान, बारूद से बनी वस्तुएं, गैस सिलिण्डर, तेजाब, फिल्म, मिट्‌टी का तेल एवं पेट्रोल जैसे अन्य ज्वलनशील वस्तुओं को साथ लेकर यात्रा न करें। यह भारतीय रेल अधिनियम 1989 के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।
3. यात्री यदि इस प्रकार के ज्वलनशील एवं खतरनाक विस्फोटक वस्तुओं को गाड़ी एवं स्टेशन परिसर में देखें तो तुरन्त इसकी सूचना गार्ड/टीटीई, स्टेशन मास्टर या रेलवे पुलिस को दें।
4. स्टेशन पर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए पैदल उपरिगामी पुल का प्रयोग करें।
5. गाड़ी के छत एवं पावदान पर यात्रा न करें, यह जानलेवा एवं दण्डनीय है।
6. स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छता बनाए रखें।

पूर्वोत्तर रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
मुजाधि/संरक्षा-06
nerailwaygkp | nerailwaygkp | nerailwaygkp
@n.e.railwaygkp | www.ner.indianrailways.gov.in

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.स.1:-ई-प्रापण निविदा संख्याः उपमु0ई0-नि0-सीपीआर-05-2025, दिनांक 24.09.2025, **कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में नई पनियाहवा-छितौनी बड़ी लाइन के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 28 बी {रेलवे भाग (स्टील गर्डर को छोड़कर) + राज्य भाग में पहुँच मार्ग} पर सड़क पुल के शेष कार्य को पूरा करने हेतु। अनुमानित निविदा मुल्यः ₹ 34,51,17,468.03, बयाना राशि(रू): ₹ 18,75,600.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य(रू): शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 15(पन्द्रह) माह।

बिडिगं प्रारम्भ करने की तिथि-03.10.2025, उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि-दिनांक 17.10.2025, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि-दिनांक 17.10.2025, 15.00 बजे के उपरांत, निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इन्जी/नि0/I/वाराणसी
मो0न0 9794844290

उप मुख्य इन्जी/नि0/I/वाराणसी

मुजाधि/डब्लू-275

ट्रेनों में बीडी/सिगरेट न पियें

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड-शारदानगर, लखीमपुर-खीरी।

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना-04/अ0अ0/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से निविदा, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से दिनांकः 08.10.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है, जो दिनाँकः 08.10.2025 को पूर्वान्ह 11.30 बजे नामित समिति के समक्ष ऑन लाईन खोली जायेगी। उक्त निविदा दिनाकः 30.09.2025 को 10.00 बजे से दिनाकः 08.10.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे तक डाउनलोड़/अपलोड की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने की अथवा अवकाश होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी। पूर्ण निविदा नोटिस, बिड एवं शर्तो की जानकारी http://upgov.up.nic.in पर भी उपलब्ध है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	लॉट संख्या	कार्य की मात्रा	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद लखीमपुर-खीरी में झण्डी राजवहा के किमी0 0.000 से किमी0 18.400 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	01	As per Bill of Quantity	0.19	15 दिवस	250.00 (निविदा शुल्क) +30.00 (जी0एस0टी0) = कुल रू0 280.00	बी या उच्च
2	जनपद लखीमपुर-खीरी में गौरिया माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 7.200 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	01	As per Bill of Quantity	0.05	10 दिवस	250.00 (निविदा शुल्क) +30.00 (जी0एस0टी0) = कुल रू0 280.00	सी या उच्च

1. निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
2. समस्त विभागीय नियम व शर्ते सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की वेबसाइट idup.gov.in पर उपलब्ध है।

UP - 238245 **दिनांक:** 26/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(करन पाल)
अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड शारदानगर
लखीमपुर-खीरी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक 5387/352सी/ई-टेण्डर/सी0खी0 वृत्त/2025-26 दिनांक 20.09.2025

ई-प्रक्योरमेण्ट सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर द्वारा उक्त कार्य की प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्य के लिए समान स्तर के कार्य को कम से कम तीन बार आयोजित कराने का अनुभव वाले ठेकेदार ही निविदा डालने हेतु योग्य होगें। निविदादाता किसी एक अथवा समस्त कार्य की निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है, कि निविदा डालने से पूर्व वास्तविक कार्य की जॉच कर लें एवं टी-2 तथा निविदा की शर्तो का भी भली-भॉति अध्ययन कर लें।

क्र0 सं0	जनपद/खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	पात्रता हेतु अनुभव
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लखीमपुर खीरी/ प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लखीमपुर खीरी	जनपद लखीमपुर खीरी में लोक निर्माण विभाग के कार्यक्रमों हेतु अति विशिष्ट महानुभावों के सम्भावित आगमन/कार्यक्रमों के निष्पादन हेतु टेण्टेज आदि का कार्य	100.00	7.00	2715.00	12 माह	निविदादाता कम से कम तीन बार समान प्रकार के कार्य को आयोजित करने का अनुभव रखता हो।

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 29.09.2025 से 06.10.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 06.10.2025 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 06.10.2025 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(तरूणेन्द्र त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
लखीमपुर खीरी।

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0
सीतापुर।

UP - 238216 **दिनांक:** 26/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स 193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राम निवास लोधी आदर्श विद्या मन्दिर समिति, पता:- ग्राम खासपुर गौटिया पो. लाही फरीदपुर तह. व जिला बदायूं का पता परिवर्तन कर संस्था का नया पता:- ग्राम तिलियाखाता पो. छतुईया तह. व जिला बदायूं करने हेतु प्रपत्र प्रस्तुत किये गये हैं। प्रबन्धकारिणी समिति की सूची में निम्न पदाधिकारी/सदस्य अंकित है:-

क्र.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1	श्री राम निवासी पुत्र श्री रामस्वरूप	अध्यक्ष
2	श्रीमती रामा देवी पत्नी श्री राम निवास	उपाध्यक्ष
3	श्री हरवेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामनिवास	प्रबन्धक
4	श्रीमती देववती पत्नी श्री हरवेन्द्र	उपप्रबन्धक
5	श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामनिवास	कोषाध्यक्ष
6	श्री श्याम लाल पुत्र श्री मनीराम	सदस्य
7	श्री वीकल पुत्र श्री रामलाल	सदस्य

उपरोक्त संस्था का पता परिवर्तन पंजीकृत किये जाने में यदि किसी सम्मानित पदाधिकारी/सदस्य को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर फोटोयुक्त नोटरीशपथ पत्र के माध्यम से आपत्ति पत्र अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। यदि उक्त निर्धारित अवधि में किसी को कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तदोपरान्त आपत्ति के अभाव में एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी भू.पू./वर्तमान पदाधिकारी/सदस्यों की होगी। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. एक्ट 1860 की धारा-4 क के अन्तर्गत जारी जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार
बरेली

कार्यालय उप जिलाधिकारी, फरीदपुर, बरेली

पत्रांक /मत्स्य आखेट पट्‌टा नदी/2025-26 दिनांक सितम्बर 2025

प्रेस-विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या-01/2019/33/एक-2-2019-19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या- 97/सत्रह-म-2024-17-1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील फरीदपुर (बरेली) में वहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के तीन खण्डों की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025-26 में पट्‌टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्‌टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत हैः-

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	फरीदपुर	04.10.2025, 09.10.2025, 16.10.2025

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्‌टा/नीलामी हेतु चिन्हित मत्स्याखेट खण्डों का विवरण निम्नवत् हैः-

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025-26 हेतु प्रस्तावित नवीन न्यूनतम आरक्षित मूल्य धनराशि (रू0 में)
1	तहसील - फरीदपुर नदी - रामगंगा	रामगंगा खण्ड-1 (ग्रा0 रायपुर हंस से तुमडिया तक)	05	31250
		रामगंगा खण्ड-3 (ग्रा0 वेहरा से नवदिया कल्यानपुर तक)	05	31250
		रामगंगा खण्ड-4 (ग्रा0 खनी नवादा से मानपुर त्रिलोक तक)	05	31250

पट्‌टा/नीलामी की शर्ते-

1- मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या-01/2019/33/एक-2-2019-19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2- प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्‌टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3- उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4- नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख-रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5- पट्‌टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6- सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7- पट्‌टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन-देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8- पट्‌टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्‌टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

UP - 238354 **दिनांक:** 26/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील फरीदपुर, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र शावान खान को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **हनीफ पुत्र छोटकन्नू निवासी ग्राम औरंगाबाद थाना मैगलगंज परगना औरंगाबाद तहसील मितौली जिला खीरी**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

Introducing Complete Men's wear Raymond Dealer with Complete Tailoring
हमारे यहां दूल्हा एवं दुल्हन दोनों सजाए जाते हैं
RAJ SELECTION
Raymond
ये त्यौहार राज सलेक्शन्स के साथ
Ladies Suit, Lehenga Chunni, Kids Wear, Gents Suit, Branded Jeans, Shirt/T-Shirt, Designer Saree

गोविन्द गंज, शाहजहांपुर
Pooran Singh (Sonu) +91 9415326726 Balvinder Singh +91 9415302726

अमृत विचार

रविवार, 28 सितंबर 2025

प्रेम प्रेम सब कोउ कहत,
प्रेम न जानत कोइ।
जो जन जानै प्रेम तौ,
परै जगत क्यौं रोइ॥

रसखान जी कहते हैं, सभी प्रेम-प्रेम कहते तो हैं, पर प्रेम के अर्थ को कोई नहीं समझता। अगर कोई व्यक्ति प्रेम का सच्चा अर्थ जान ले, तो उसे यह दुनिया और इसके सारे दुख क्यों ही परेशान करेंगे।

जातिविहीन समाज ही भारत का आदर्श स्वप्न है

> जाति का उद्भव पूर्वजों के अचेत कर्म का परिणाम है। सामाजिक परिवर्तन की निरंतरता में जन्मना जातियां बनीं, लेकिन हमारे सचेत पूर्वजों ने जाति समाप्ति के लिए अथक श्रम तप भी किए। इस श्रम के बावजूद कतिपय लोगों ने दलित जातियों को जब-तब भिन्न नस्ल भी बताया। डरबन में 2001 में 'नस्लवाद, नस्ली भेदभाव और असहिष्णुता' पर विश्व कांग्रेस का आयोजन था। भारत के कुछेक लोगों ने उस वक्त दलितों को अलग नस्ल बताया था, लेकिन डॉ. अम्बेडकर ने दलितों को कभी भी अलग नस्ल नहीं माना था।

भारतीय समाज में जाति है। जाति आधारित मान, अपमान और विशेष अवसर भी हैं। हमारे पूर्वज जातिगत भेदभाव को समाप्त करना चाहते थे। गांधी, डॉ. अम्बेडकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. लोहिया, ज्योतिबा फुले और विवेकानंद, दयानंद ने भी जाति भेद के विरोध में नवजागरण किया। एक सुंदर जातिविहीन समाज भारत का स्वप्न आदर्श था। डॉक्टर लोहिया ने जाति तोड़ो का नारा दिया था। अन्य दल संगठन भी जातियों के विरोध में मैदान में रहे। अनेक संगठन जाति के खात्मे पर संघर्षरत रहे हैं, लेकिन कोई मुहिम सफल नहीं हुई। जाति कितनी खत्म हुई, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जातिवाद से लड़ते जाति तत्वों का स्वरूप जातिवादी बनता गया। जाति के विरोधी ईमानदार तत्व भी जानते हैं कि जाति की चर्चा से जातिवाद बढ़ता है। तो क्या जाति अजर और अमर है!

उत्तर प्रदेश सरकार ने नाम के साथ जाति लिखने का नियम बदल दिया है। यह निर्णय इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार जारी किया गया है। कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिए थे कि पुलिस रिकार्ड व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों के नाम के साथ जाति के उल्लेख पर रोक लगाई जाए। देश के सभी राज्यों में जातिवाद चल रहा है। जाति जन्मना है। धर्म, मत, मजहब छोड़े जा सकते हैं, लेकिन जाति नहीं। राजनीति में जाति ही मुख्य कारक है। दल संगठन अपने उम्मीदवार उतारते समय जाति के आंकड़ों का अध्ययन करते हैं। संगठन के पदाधिकारियों की सूची बनाते समय भी जाति का प्रभाव रहता है। गांव, कस्बों के बाजारों में, चाय आदि की दुकानों में भी जाति तत्व दिखता है। लोग अपनी जाति के दुकानदार से उपभोक्ता सामान लेने में सुविधा अनुभव करते हैं। समाज की नस-नस में जातिवाद है।

भारत में जातियां सामाजिक यथार्थ हैं। वे न होतीं तो अच्छा होता। जातियां सामाजिक एकता में बाधक हैं। जाति सामाजिक सच्चाई है। जातियां जन्मना हैं। कोई भी व्यक्ति स्वयं अपनी जाति नहीं चुन सकता। इनका ढांचा सोपान क्रम में है। इसके शीर्ष वाली जातियों का सम्मान रहा है। सीढ़ी में निचली जातियां काफी लंबे समय से सामाजिक सम्मान से भी वंचित रही हैं। डॉ. अंबेडकर ने कोलंबिया विश्वविद्यालय (1916) में 'जातियों की उत्पत्ति और संरचना' पर शोध प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, "प्रत्येक समाज में भिन्न-भिन्न वर्ग होते हैं। बौद्धिक आर्थिक या अन्य कारणों से बने वर्ग अपना अस्तित्व भी रखते हैं। भारत में भी ऐसे ही वर्ग रहे होंगे। पुरानी भारतीय वर्ण व्यवस्था को कर्मश्रम आधारित वर्ग कहा जा सकता है। पहले वर्ण जन्मना नहीं थे। ऋग्वेद में वर्ण नहीं हैं। उत्तरवैदिक काल में वर्ण शब्द का प्रयोग वर्ग के अर्थ में हुआ है। एक वर्ग का दूसरे वर्ग में जाना संभव था। वर्ग भी जन्मना नहीं होते।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

डॉ. अम्बेडकर ने कहा, "किसी समय किसी एक वर्ग वर्ण ने अपने ही वर्ण वर्ग में विवाह करने का बंधन लगाया होगा।" वे कहते हैं, "जाति के उद्भव के अध्ययन से हमें इस प्रश्न का उत्तर मिलना चाहिए कि वह वर्ग कौन सा था, जिसने अपने लिए बाड़ा खड़ा किया। मैं इसका प्रत्यक्ष नहीं अप्रत्यक्ष उत्तर ही दे सकता हूं। हिंदू समाज में कुछ प्रथाएं सर्वव्यापी थीं। अपने समस्त प्रतिबंधों के साथ वे ब्राह्मणों में थीं। ब्राह्मण वर्ग ने स्वयं की घेराबंदी जाति रूप में क्यों की? यह एक भिन्न प्रश्न है?"

प्रश्न उचित है। ऋग्वेद के रचनाकाल में जाति वर्ण के विभाजन नहीं थे। उत्तर वैदिक काल में वर्ण हैं। वर्ण जन्मना नहीं थे, इसलिए जाति नहीं थी। जाति की जन्म तिथि खोजना असंभव है। जाति बंधन मजबूत है। जाति का कोई व्यक्ति या संगठन जाति का जन्मदाता नहीं हो सकता। ब्राह्मणों पर जाति प्रथा लागू करने के आरोप अक्सर लगाए जाते हैं। डॉ. अंबेडकर ने इसी शोध में कहा था, "जाति व्यवस्था का प्रसार और विकास एक विशाल कार्य था। ब्राह्मण अनेक गल्तियां करने के दोषी रहे हों, कह सकता हूं कि वे ऐसे थे, लेकिन जाति व्यवस्था को गैर ब्राह्मणों पर लाद सकने की क्षमता उनमें नहीं थी।" सही बात है। कोई शक्तिशाली राज व्यवस्था या तानाशाह भी अपने शासित लोगों के बड़े वर्ग समूह को जन्मना किसी जाति में ही रहने को विवश नहीं कर सकते।

जाति का उद्भव पूर्वजों के अचेत कर्म का परिणाम है। सामाजिक परिवर्तन की निरंतरता में जन्मना जातियां बनीं। हमारे सचेत पूर्वजों ने जाति समाप्ति के लिए अथक श्रम तप भी किए। इस श्रम के बावजूद कतिपय लोगों ने दलित जातियों को जब-तब भिन्न नस्ल भी बताया। डरबन में 2001 में 'नस्लवाद, नस्ली भेदभाव और असहिष्णुता' पर विश्व कांग्रेस का आयोजन था। भारत के कुछेक लोगों ने उस वक्त दलितों को अलग नस्ल बताया, लेकिन डॉ. अंबेडकर ने दलितों को कभी भी अलग नस्ल नहीं माना। उन्हें उम्मीद थी कि जातियां खत्म ही होंगी। लिखा था, "जाति का चलते रहना असंभव है। ऐसा कार्य दिक्कतों से भरा है।" सामाजिक समता अनिवार्य है। सामाजिक न्याय की दिशा में बेशक भारत का काम आगे बढ़ा है। जाति की अस्मिता ज्यादा दिन नहीं चल सकती है।राजनीति को सामाजिक परिवर्तन का काम भी करना चाहिए। जाति की विभाजनकारी शक्ति के विरूद्ध जन अभियान चाहिए। संविधान निर्माताओं ने जाति, लिंग या धर्म के आधार पर विभेद का निषेध किया है, बावजूद इसके उत्पीड़न या प्रतिष्ठा जैसे सभी अवसरों पर जाति की पहचान आगे चलती है। अपने जिले या राज्य क्षेत्र में किसी के भी प्रतिष्ठित होते ही जाति के प्रश्न उठ जाते हैं। अनुसूचित या अन्य पिछड़े वर्गो के प्रतिष्ठित होने वाले लोग आशावाद भी जगाते हैं। वे वंचित निराश लोगों की प्रेरणा भी बनते हैं। दलित या अन्य पिछड़ा वर्ग होने के बावजूद कोई प्रतिष्ठा का आकाश छू रहा है, तो उसी वर्ग के सामान्यजन भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते?

भारत को जाति व्यवस्था का मलबा नहीं ढोना चाहिए। मैं अनुसूचित जाति के एक परिवार में मेहमान था। बात 1984 की है। 41 वर्ष पुरानी। मेरा परिचय अनुसूचित जाति के एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से कराया गया, "ये दीक्षित जी हैं, लेकिन ब्राह्मण होने के बावजूद अच्छे आदमी हैं।" जातिवादी दिमाग में ऐसी ही खुराफाती बातें चलती हैं। जाति का कोई औचित्य नहीं है। भारत को जातिभेदविहीन समाज बनाना होगा। 'सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय' भारतीय संविधान की उद्देशिका के मूल तत्व है। राजनीतिक न्याय ने मताधिकार दिया है। सरकारें विधायिका के प्रति जवाबदेह हैं। प्रशासन उत्तरदायी नहीं है। वंचित वर्गो के लिए बहुत सारा नीति निर्माण हुआ है, तो भी प्रशासनिक संवेदनहीनता के चलते सामाजिक न्याय दूर है।

दार्शनिक क्षेत्र में भारत विश्वप्रतिष्ठ है। यहां कण-कण में परमात्मा की बातें कही जाती हैं, लेकिन जन-जन में जाति है और जाति भेद भी है। जाति की चर्चा से बचा नहीं जा सकता। सामाजिक यथार्थ को स्वीकार करना चाहिए। एकात्मवादी विचार आदर्श है। इस विचार के लिए विमर्श भी जरूरी है। परंपरा के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जाति मुक्त चिंता के साथ आर्थिक आधार पर समूहों का व्यथा चिंतन होना चाहिए। जाति अतिक्रमण का यही मार्ग है। यह काम सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों और धर्म गुरुओं को भी करना चाहिए।

रक्तपात के पक्षधर नहीं थे शहीदे आजम भगत सिंह

युवाओं के क्रांतिनायक भगत सिंह के जीवन की अनेक ऐसी बातें हैं, जो देश के युवाओं को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा से भर देती है। 23 वर्ष की उम्र में ही शहीदे आजम भगत सिंह ने अपने लेखन और राष्ट्रभक्ति के बरअक्स एक ऐसा आंदोलन खड़ा कर दिया, जिससे दशकों तक भारत की युवा पीढ़ी प्रेरणा लेती रहेगी। यह त्रासदी है कि आजादी के चार दशक बाद तक भगत सिंह के विचार और उनसे जुड़े दस्तावेज देश के आमजन तक नहीं पहुंच पाए और देश की युवा पीढ़ी उनके आंदोलित और राष्ट्रवादी विचारों से अपरिचित रही। भगत सिंह के विचारों और क्रांतिकारिता को समझने के लिए जेल के दिनों में उनके लिखे खतों और लेखों को पढ़ना-समझना आवश्यक है। उन खतों और लेखों के माध्यम से समझा जा सकता है कि भगत सिंह रक्तपात के कतई पक्षधर नहीं थे।

अरविंद जयतिलक
लेखक

वे और उनके साथियों ने पुलिस सुपरिटेंडेंट स्कॉट को निशाना तब बनाया, जब 1928 में साइमन कमीशन के बहिष्कार के लिए भयानक प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शन में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों पर ब्रिटिश हुकुमत ने लाठियां बरसाईं, जिसमें लाला लाजपत राय बुरी तरह घायल हुए और अंततः मृत्यु को प्राप्त हुए। भगत सिंह कतई नहीं चाहते थे कि ब्रिटिश संसद से मजदूर विरोधी नीतियां पारित हों। उनकी सोच थी कि अंग्रेजों को पता चलना चाहिए कि हिंदुस्तानी जाग चुके हैं और वे अधिक दिनों तक गुलामी में नहीं रह सकते।

> आजादी के चार दशक बाद तक भगत सिंह के विचार और उनसे जुड़े दस्तावेज देश के आमजन तक नहीं पहुंच पाए। भगत सिंह के विचारों और क्रांतिकारिता को समझने के लिए उनके लिखे खतों और लेखों को पढ़ना-समझना आवश्यक है। उनके माध्यम से समझा जा सकता है कि भगत सिंह रक्तपात के पक्षधर नहीं थे।

उन्होंने अपने विचारों से अंग्रेजों को यह बात समझानी चाही, लेकिन अंग्रेज समझने को तैयार नहीं थे। तब उन्होंने अपनी बात उन तक पहुंचाने के लिए आठ अप्रैल, 1929 को अपने साथी क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त से मिलकर ब्रिटिश सरकार की केंद्रीय असेंबली में बम फेंका। उन्होंने यह बम खाली स्थान पर फेंका, ताकि किसी को नुकसान न पहुंचे। बम फेंकने के बाद उन्होंने इंकलाब-जिंदाबाद के नारे लगाए और पर्चे फेंके। बम फेंकने का मकसद खून-खराबा करना नहीं था।

उन्होंने कहा भी, "यदि बहरों को सुनना है तो आवाज को बहुत जोरदार होना होगा, जब हमने बम गिराया तो हमारा ध्येय किसी को मारना नहीं था, हमने अंग्रेजी हुकुमत पर बम गिराया था, अंग्रेजों को भारत छोड़ना चाहिए और उसे आजाद करना चाहिए।" उल्लेखनीय तथ्य यह कि बम गिराने के बाद वे चाहते तो भाग सकते थे, लेकिन उन्होंने भागना स्वीकार नहीं किया, बल्कि बहादुरी से गिरफ्तारी दी। सच कहें तो भगत सिंह ने यह साहस दिखाकर अंग्रेजों को समझा दिया कि एक हिंदुस्तानी क्या-क्या कर सकता है। उनका यह साहस दर्शाता है कि वे शांति के पैरोकार थे और हिंसा में उनका विश्वास रंचमात्र भी नहीं था। उन्होंने अपनी क्रांतिकारिता को रेखांकित करते हुए कहा भी है, "जरूरी नहीं था कि क्रांति में अभिशप्त संघर्ष शामिल हो, यह बम और पिस्तौल का पंथ नहीं था।"

राजस्थान का गांव बदल रहा तस्वीर

राजस्थान का बीकानेर जिला अपने शुष्क और रेगिस्तानी भूभाग के लिए जाना जाता है। यहां की कठिन जलवायु, कम बारिश और घटते भूजल स्तर के बीच जीवन को संभालना आसान नहीं है। लूणकरणसर ब्लॉक का नाथवाना गांव इन सब चुनौतियों के बीच एक अनोखी पहचान बना रहा है। यह गांव पर्यावरण संरक्षण और पेड़-पौधों को संवारने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। यहां के लोग मानते हैं कि उनका जीवन और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य पेड़ों से ही जुड़ा है। यही कारण है कि वे अपने आस-पास पौधे लगाते हैं और उन्हें बच्चों की तरह संवारते हैं।

नाथवाना गांव की गलियों और खेतों में खेजड़ी, नीम, शीशम और बबूल जैसे पेड़ नजर आते हैं। खेतों की मेड़ों पर लगाए गए ये पेड़ न केवल मिट्टी को बांधकर रखते हैं, बल्कि खेतों में नमी बनाए रखने का काम भी करते हैं। गांव के लोग जानते हैं कि पेड़-पौधों का होना सिर्फ हरियाली का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन का आधार है। गर्मी के मौसम में जब तापमान 45 डिग्री से ऊपर चला जाता है, तब पेड़ों की छांव ही उन्हें राहत देती है। महिलाएं अक्सर अपने घरों के आंगन में तुलसी और नीम के पौधे लगाती हैं और उनकी देखभाल आस्था और परंपरा से जोड़कर करती हैं।

गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले रेगिस्तान में पौधे लगाना आसान नहीं माना जाता था। पानी की कमी और तेज हवाओं के कारण पौधे लंबे समय तक टिक नहीं पाते थे, लेकिन अब नाथवाना के लोग सामूहिक रूप से काम कर रहे हैं। वे बारिश के मौसम में सामूहिक वृक्षारोपण अभियान चलाते हैं। गांव की महिलाएं मिट्टी और पानी का प्रबंध करती हैं। बच्चे पौधे लगाते हैं और बुजुर्ग उनकी देखरेख का जिम्मा उठाते हैं। यह सामूहिकता इस बात का प्रमाण है कि जब समाज एकजुट होकर काम करता है, तो कठिनाइयों के बावजूद सफलता मिल सकती है।

माया
एक्टिविस्ट

बीकानेर जिले में वन क्षेत्र कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.7 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 21 प्रतिशत है। ऐसे में नाथवाना गांव का वृक्षारोपण अभियान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। पिछले पांच वर्षों में यहां के ग्रामीणों ने पंचायत और व्यक्तिगत स्तर पर मिलकर लगभग तीन हजार पौधे लगाए हैं, जिनमें से 65 प्रतिशत पौधे आज भी जीवित हैं। यह आंकड़ा अपने आप में बहुत मायने रखता है क्योंकि मरुस्थलीय क्षेत्रों में पौधों का जीवित रहना बड़ी चुनौती होती है।

नाथवाना गांव के लोग केवल पेड़ लगाते ही नहीं, बल्कि उनकी रक्षा भी करते हैं। अक्सर देखने को मिलता है कि गांव के बच्चे स्कूल जाते समय रास्ते में लगे पौधों को पानी देते हैं। खेतों से लौटती महिलाएं, पौधों में अपने मटके से दो-चार लोटा पानी जरूर डालती हैं। यहां तक कि शादी-ब्याह और धार्मिक आयोजनों में भी पौधे लगाने की परंपरा बन चुकी है। यह मानवीय पहलू इस गांव की सबसे बड़ी ताकत है, जिसने वृक्षों और इंसानों के बीच एक आत्मीय रिश्ता बना दिया है।

आतंरिक कलह में फंसी भाजपा-राजद

> बिहार विधानसभा चुनाव में उतरी भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आतंरिक कलह से जूझ रही है। इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। लालू यादव के परिवार में तो फूट ही पड़ गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में उतरी भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आतंरिक कलह से जूझ रही है। इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। पार्टी के मुखिया लालू प्रसाद यादव के परिवार में ही फूट पड़ गई है। इस फूट की वजह बने हैं तेजस्वी यादव के राजनीतिक सलाहकार सांसद संजय यादव। सत्ता बचाने के लिए राजग के नेता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, तो महागठबंधन भी नीतीश कुमार को गद्दी से हटाने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहा है, हालांकि इन दलों में आतंरिक कलह की वजह से कार्यकर्ता परेशान नजर आ रहे हैं।

243 सदस्यीय विधानसभा में तेजस्वी यादव की पार्टी राजद ने 144 सीटों पर लड़कर 75 पर जीत दर्ज की थी, जबकि 70 सीटों पर लड़कर कांग्रेस सिर्फ 19 सीटें ही जीत पाई थी। सीपीआई-एमएल ने 12 सीटें जीतीं थीं। कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के कारण राजद सत्ता से दूर रह गया था। कांग्रेस फिर से 70 सीटें चाह रही है, लेकिन तेजस्वी यादव उसे मनाने में लगे हुए हैं। समझा रहे हैं कि सीटों की हिस्सेदारी भले ही कम हो सकती है, लेकिन सरकार बनती है तो मंत्रिमंडल में हिस्सा सम्मानजनक होगा। तेजस्वी यादव अपने कुनबे की रार से कुछ ज्यादा जूझ रहे हैं।

दिग्विजय सिंह
कानपुर

पहले कथित प्रेमिका का नाम सामने आने के बाद न चाहते हुए भी लालू यादव ने तेज प्रताप यादव को घर और पार्टी से बाहर किया। तेज प्रताप ने अब राजद के खिलाफ ही मोर्चा खोल रखा है। दोबारा कभी राजद में न लौटने की कसम खाकर वे अपने उम्मीदवार मैदान में उतारने का एलान कर चुके हैं। इसका नुकसान राजद को हो सकता है। तेजस्वी यादव के सलाहकार संजय यादव की वजह से उनकी बहन रोहिणी आचार्य नाराज हो गईं हैं। पहले रोहिणी ने बाद में उनके समर्थकों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से राजद नेताओं को अनफालो किया। इस रार से भाजपा और उसके सहयोगी जदयू, लोजपा रामविलास के नेता खुश थे, लेकिन अब तो भाजपा व जदयू में ही कलह सबके सामने आ गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह नाराज हैं। राजपूत समाज से आने वाले आरके सिंह दो बार के सांसद रहे हैं। पार्टी में लगातार उपेक्षा के कारण अब उन्हें नए विकल्प की तलाश है। आरा में क्षत्रिय समाज के कार्यक्रम में सीधे कह दिया कि भाजपा नेतृत्व राजपूतों की उपेक्षा कर रहा है। अगर वे पार्टी छोड़ते हैं, तो क्षेत्र में भाजपा को बड़ा नुकसान हो सकता है। राजपूत समाज से आने वाले सांसद राजीव प्रताप रूडी भी खफा नजर आ रहे हैं, हालांकि उन्होंने नेतृत्व के खिलाफ तो कुछ नहीं बोला है, लेकिन उनकी नाराजगी का संकेत पार्टी कार्यकर्ताओं और समाज में झलक रहा है। स्थानीय भाजपा नेतृत्व को विश्वास है कि समय रहते पार्टी की अंतरकलह शीर्ष नेतृत्व खत्म कर लेगा। हाल ही में असितनाथ तिवारी ने भी भाजपा छोड़ दी थी। इसे पार्टी के लिए बड़ा झटका माना गया है। असित कांग्रेस से भाजपा में आए थे।

आपसी रार की शिकार जदयू भी है। पार्टी के दो बार के विधायक मुजाहिद आलम, पूर्व विधायक कौशल यादव, पूर्व एमएलसी सलमान रागीव मुन्ना ने भी राजद की सदस्यता ले ली है। अभी कई और बड़े नेता जदयू छोड़ सकते हैं। चुनाव से पहले आपसी कलह से जूझ रहे इन दलों के प्रमुख नेता हर हाल में चुनाव की रणभेरी बजने से पहले सब कुछ शांत कर लेना चाहते हैं, हालांकि यह उनके लिए इतना आसान भी नहीं है। गठबंधन में शामिल छोटे दलों की ओर से भारी-भरकम सीटों की मांग से भी भाजपा, जदयू, राजद जैसे दलों के मुखिया परेशान हैं।

महागठबंधन में कांग्रेस अधिक से अधिक सीटें झटकने को हर हथकंडे अपना रही है, तो विकासशील इंसान पार्टी के मुखिया मुकेश सहनी भी पूरा जोर लगा रहे हैं। पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाले लोजपा भी एक दर्जन सीटें चाह रही है। अधिक सीटें झटकने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से ही मुकेश सहनी कई बार बिना नाम लिए बिहार की राजनीति में परिवारवाद की मुखालफत कर चुके हैं। उनके बयानों से तेजस्वी यादव ही असहज होते हैं। 'बिहार में बहार है नीतीशे कुमार हैं' का नारा पिछले चुनावों में भाजपा और जदयू ने मिलकर लगाया था, लेकिन इस बार भाजपा का नारा बदल गया है। भाजपा के पोस्टरों में अब की बार एनडीए सरकार का नारा अंकित है, जबकि जदयू 'क्यूं करें विचार ठीक तो हैं नीतीश कुमार' का नारा लगा रही है। अलग- अलग नारों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

पश्चाताप यज्ञ से वाल्मीकि बन गए वंदनीय महापुरुष

सनातन संस्कृति में यज्ञ का बहुत महत्व है, इसीलिए अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के अंत में विधिवत यज्ञ किए जाते है। इसमें मंत्र आदि से अग्नि देवता का आह्वान किया जाता है और विविध सामग्रियों से आहुति दी जाती है। आहुति देते समय अंत में 'स्वाहा' शब्द बोला जाता है। 'स्वाहा' अग्नि देवता की पत्नी का नाम है। इसके अलावा 'स्वाहा' में 'स्व और आहा' शब्द का अर्थ है कि खुद को प्रकाश मिले। 'आहा' अह्नि को कहते हैं। अह्नि का अर्थ दिन से है। यानी दिन अपना हो। यज्ञ के देवता साक्षात विष्णु जी हैं। जब कभी कोई यज्ञ करता है, उसकी लौ दक्षिण दिशा की ओर जाती है तो मान्यता है कि यज्ञनारायण प्रसन्न हैं।

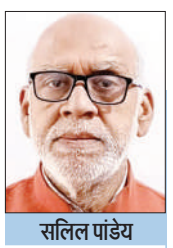

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

एक दूसरा यज्ञ पश्चाताप का यज्ञ होता है। इस यज्ञ में इंसान यदि जीवन में कोई गलती कर चुका है, तो उसे पश्चाताप यज्ञ करना चाहिए। पश्चाताप-यज्ञ में सबसे पहले जिसके साथ गलतियां हुई हैं, झूठ, फरेब, धोखा दिया गया हो, उससे जाकर की गई गलतियों के लिए क्षमा मांगनी चाहिए। झूठ-फरेब से कोई संपत्ति हासिल कर ली गई हो, तो उसे वापस कर देना चाहिए। सार्वजनिक रूप से गलतियों को बताना चाहिए। भविष्य में उन गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए।

मनुष्य जीवन में लोभ-लालच में गलत काम हो जाते हैं, जिस वक्त गलतियों का आभास हो, तत्काल वहीं रुक कर सदाचार के काम में लग जाना चाहिए। कई ऐसे उदाहरण हैं, जिसमें अत्यंत गलत काम में लिप्त महान विभूति बन गए। आदि कवि वाल्मीकि का उदाहरण लें। जब वे डाकू रत्नाकर थे, तो लोगों को मारना-पीटना तथा संपत्ति आदि लूट लिया करते थे, लेकिन नारद ने उनसे पश्चाताप यज्ञ करा दिया और वे वंदनीय महापुरुष बन गए तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को लेकर संस्कृत में रामायण की रचना कर डाली।

अंगुलिमाल भी दुर्दांत स्वभाव का था, लेकिन जब गौतम बुद्ध के संपर्क में आया तो उसके जीवन में अद्भुत बदलाव आ गया। यह सब तो पौराणिक कथाएं है। स्वतंत्रता आंदोलन के प्रणेता महात्मा गांधी का भी उदाहरण है। जीवन में जो गलतियां कीं, उसे अपने पिता को बता दीं तथा भविष्य में उन गलतियों को न दोहराने का कठोर संकल्प लिया।

अध्यात्म से भटककर भीड़ और आक्रोश का औजार बनता धर्म

धर्म जिस पल भावना की गिरफ्त में आ जाता है, वह अपने आध्यात्मिक और नैतिक उद्देश्य से भटककर पहचान, भीड़ और आक्रोश का औजार बन जाता है। इस्लाम की बुनियादी शिक्षा, जहां व्यक्तिगत ईमान, न्याय, करुणा और आत्म निरीक्षण पर टिकी है, वहीं मुस्लिम समाज का बड़ा हिस्सा पैगंबर साहब की मूल शिक्षाओं से अधिक उन व्याख्याओं में कैद है, जिन्हें खलीफाओं, फुकहा और मध्यकालीन धार्मिक सत्ता संरचनाओं ने गढ़ा है। इसमें विचार से अधिक भावना है, प्रश्न से अधिक श्रद्धा है और आत्मावलोकन से अधिक प्रतिक्रिया।

यही भावनात्मक फंदा बार-बार "I Love Muhammad" या "Labbaik Ya Rasool Allah" जैसे अभियानों में दिखाई देता है। सतह पर यह प्रेम और आस्था की अभिव्यक्ति प्रतीत होते हैं, लेकिन इनके पीछे दो खतरनाक प्रवृत्तियां काम करती हैं– सामूहिक भावनात्मक उन्माद और तर्क-विरोधी पहचान की राजनीति।

पैगंबर मोहम्मद साहब ने स्वयं को 'बशर' यानी मनुष्य कहा और कुरान को 'तदब्बुर' यानी विचार करने लायक किताब बताया, लेकिन सदियों से मुस्लिम समाज में कुरान या पैगंबर की जगह, उनकी व्याख्या करने वाले सत्ता-प्रतिष्ठानों को महत्व मिलता रहा। परिणाम यह हुआ कि मुसलमानों का बड़ा हिस्सा इस्लाम के मूल नैतिक-संदेश से नहीं, बल्कि उसकी भावनात्मक रक्षा की मुद्रा में पला-बढ़ा। 'पैगंबर का अपमान', 'कुफ्र', 'तौहीन-ए-रिसालत' जैसे शब्द कानूनी नहीं, सामुदायिक हथियार बना दिए गए।

आई लव मोहम्मद जैसे अभियान क्यों समस्या हैं? ऐसे अभियानों की संरचना तीन स्तरीय होती है- पहचान आधारित भावनात्मक लामबंदी, जहां प्रेम की अभिव्यक्ति व्यक्तिगत होनी चाहिए थी, वहां उसे भीड़ की कसौटी पर खड़ा किया जाता रहा है, जो इन नारों में शामिल नहीं होता, वह अपने समुदाय के भीतर ही संदेह का पात्र बन जाता है। तर्क, आलोचना और संवाद को अपराध घोषित करना, मोहम्मद साहब को जानना, पढ़ना या समझना एक बौद्धिक प्रक्रिया होनी चाहिए, लेकिन ऐसे अभियानों में मोहब्बत का अर्थ अंध-समर्थन और आलोचना का अर्थ युद्ध घोषित कर दिया गया है। यह भावना धीरे-धीरे इस धारणा में बदलती है कि 'दुनिया पैगंबर के खिलाफ है, इसलिए हम सबको एकजुट होना है।'

जब कोई समुदाय खुद को धार्मिक अपमान के खिलाफ स्थायी युद्ध की मुद्रा में रखता है, तो वह वैज्ञानिक चेतना, आधुनिक कानून, लोकतांत्रिक असहमति और सहअस्तित्व के सिद्धांतों के विपरीत खड़ा हो जाता है। भावना के सहारे खड़ी की गई धार्मिक प्रतिष्ठा समाज को नागरिकता से भीड़ की ओर धकेल देती है। परेशानी यह है कि भावनात्मक संस्कृति ने आलोचना की जगह प्रतिशोध को स्थापित कर दिया है।

उपेंद्र चौधरी
वरिष्ठ पत्रकार

पैगंबर से प्रेम उनके नाम पर नारे लगाने से नहीं, उनका अनुसरण करने से सिद्ध होता है। मोहम्मद साहब ने इल्म, इज्तेहाद (स्वतंत्र व्याख्या) और शूरा (संवाद) पर जोर दिया, मगर मौजूदा धार्मिक आग्रह इन्हीं तीनों के विरुद्ध है। "I Love Muhammad" जैसी अपील दरअसल इस बात की स्वीकृति बन जाती है कि आप सोचें नहीं, बस नारे में शामिल हो जाएं।

यदि मोहम्मद साहब से प्रेम विचार, न्याय, बराबरी, ज्ञान, आत्मालोचना और मानवता की रोशनी में नहीं है, तो क्या वह प्रेम है या सांस्कृतिक भय? क्या मोहम्मद साहब को प्रेम करने का अर्थ यह होना चाहिए कि उन्हें पढ़ा न जाए, बस पूजा जाए? 'I Love Muhammad' जैसी मुहिमें यदि भावनात्मक सुरक्षा से अधिक वैचारिक स्वतंत्रता को कुचलती हैं, तो वे मोहम्मद साहब की नहीं, उन्हीं धार्मिक सत्ता संरचनाओं की सेवा करती हैं, जिन्होंने इस्लाम को विचार के बजाय खतरनाक भावना में कैद कर दिया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

छोटे से गांव से निकली 'अनंत' प्रतिभा

'अजेय-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ अ योगी' में अनंत विजय जोशी ने शानदार किरदार निभाया

उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी अनंत विजय जोशी इन दिनों सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी नई फ़िल्म ''अजेय-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ अ योगी'' है, जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाई है। यह फ़िल्म 19 सितम्बर को देशभर में रिलीज़ हो चुकी है और दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया पा रही है।

अल्मोड़ा से मुंबई तक का सफर

- मूल रूप से अल्मोड़ा ज़िले के हवालबाग विकासखंड के स्यूरा गांव से ताल्लुक रखने वाले अनंत का बचपन साधारण रहा लेकिन सपने हमेशा बड़े रहे। उनके पिता गोपाल दत्त जोशी, जो हजरतपुर (फ़िरोज़ाबाद) की ऑर्डिनेंस फ़ैक्ट्री में नौकरी करते थे और उनकी माता मधु जोशी, बेटे की इस सफलता पर गर्व से भर जाते हैं। पिता जोशी बताते हैं कि अनंत का जन्म आगरा में हुआ। अनंत बचपन से ही अपने स्कूल के कार्यक्रमों में छा जाते थे। मंच पर आते ही जैसे कोई और ही किरदार बन जाता था। इंटर तक की पढ़ाई फ़िरोज़ाबाद में पूरी करने के बाद अनंत ने आम्रपाली यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी से स्नातक किया। पढ़ाई के दौरान ही उन्हें अभिनय का अवसर मिला और लाइफ़ ओके चैनल के शो 'ज़िंदगी अभी बाक़ी है मेरे घोस्ट' से उनकी पहचान शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने कभी मुड़कर नहीं देखा।

टीवी और ओटीटी की दुनिया में पहचान

- अनंत ने स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'क्या कसूर है अमला का', सोनी टीवी का चर्चित सीरियल 'पवित्र रिश्ता' और 'तारा फ्रॉम सतारा' जैसे धारावाहिकों में अभिनय किया। वहीं, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म्स पर उन्होंने 'गंदी बात', 'वर्जिन भास्कर', 'पौरुषपुर' जैसी वेब सीरीज़ में अपनी अलग छाप छोड़ी। नेटफ़्लिक्स की फ़िल्म 'कटहल' और सीरीज़ 'कोबाल्ट ब्लू', 'ये काली काली आंखें', 'मामला लीगल है' ने उनके करियर को और मज़बूती दी।

- **लगातार नई ऊंचाइयों की ओर :** अनंत ने बहुचर्चित फिल्म '12वीं फेल' में दमदार रोल निभाया था। उनका किरदार इस फिल्म के मुख्य अभिनेता के दोस्त प्रीतम पांडे के रूप में रहा था। अब 'अजेय' फिल्म के बाद दर्शक अनंत को और नई फ़िल्मों में देखने वाले हैं। 31 अक्टूबर को उनकी अगली फ़िल्म 'वन टू चा चा चा' रिलीज़ होने जा रही है। इसके अलावा वह मशहूर अदाकारा नीना गुप्ता के साथ फ़िल्म 'अमीरी' में नज़र आएंगे। उनकी एक और हिंदी फ़िल्म 'द बर्ड' की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। इस समय अनंत एक नई फ़िल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, लेकिन उनकी नज़रें हमेशा आगे की मंज़िल पर टिकी रहती हैं।
- **परिवार और पहाड़ का गर्व :** हल्द्वानी की हर्ष कॉलोनी, फतेहपुर में रह रहे अनंत का परिवार आज गर्व से भर उठा है। पिता कहते हैं– ''यह हमारे लिए ही नहीं, पूरे पहाड़ के लिए गर्व की बात है कि हमारे बेटे ने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है।'' अनंत की यात्रा इस बात का सबूत है कि छोटे गांव की पगडंडियों से भी बड़े सपनों की उड़ान भरी जा सकती है। आज वह केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

सिनेमैटोग्राफी में कॅरियर संवार मालामाल हो सकता यंगिस्तान

यूं तो पहाड़ के लोगों ने हर फील्ड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अच्छा नाम कमाया, लेकिन एक ऐसी भी दुनिया रही, जिसमें तकनीकी तौर पर उनकी भूमिका शून्य थी। चकाचौंध भरी इस फिल्मी दुनिया में रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में कई नामी चेहरे उभरे, लेकिन संभवतः पहाड़ से पहली बार सिनेमैटोग्राफी को अपना कॅरियर बनाने की ठानने वाले नैनीताल के राजेश साह का नाम आज की तारीख में माया नगरी में स्थापित हो चुका है। राजेश साह बताते हैं कि आज अभिभावक अपने बच्चों को इंजीनियर, डॉक्टर या फिर अफसर बनाना चाहते हैं, लेकिन इस फील्ड की ओर किसी का ज्यादा ध्यान नहीं है।

वे युवाओं से कहते हैं कि अगर आपके भीतर टैलेंट के साथ क्रिएटिविटी है तो इस ओर भी कदम बढ़ाना चाहिए, क्योंकि इस फील्ड में पैसा इतना है कि संभालना मुश्किल हो जाए। घंटों के हिसाब से पेमेंट होता है। बताते हैं कि सिनेमैटोग्राफी एक कला और तकनीक का संगम है, जो किसी फिल्म, धारावाहिक या वीडियो के दृश्यात्मक प्रस्तुतिकरण को दर्शाता है। यह कैमरे के माध्यम से कहानी कहने की प्रक्रिया है, जिसमें प्रकाश, फ्रेमिंग, मूवमेंट, एंगल, रंग और कैमरा सेटिंग्स का समुचित उपयोग किया जाता है। सिनेमैटोग्राफर, जिसे डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी (डीओपी) भी कहा जाता है, निर्देशक के साथ मिलकर यह तय करता है कि हर दृश्य को कैसे शूट किया जाएगा ताकि दर्शकों पर गहरा प्रभाव पड़े। सिनेमैटोग्राफी का उद्देश्य केवल सुंदर चित्र बनाना नहीं, बल्कि भावनाओं और कथानक को प्रभावी रूप से व्यक्त करना भी होता है।

शूटिंग के दौरान सिनेमैटोग्राफर राजेश साह।

फिल्म थ्री इडियट की टीम के साथ राजेश साह (कैमरे के बगल में)।

राजेश बताते हैं कि आधुनिक सिनेमैटोग्राफी में ड्रोन, स्टेडीकैम, क्रेन और डिजिटल कैमरों का प्रयोग बढ़ गया है, जिससे दृश्य और भी जीवंत और गतिशील हो गए हैं। उनके हिसाब से सिनेमैटोग्राफी फिल्म निर्माण की आत्मा है, जो दृश्य माध्यम को कला का रूप देती है और दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। वे युवाओं के लिए कहते हैं कि अगर आपके अंदर कुछ अलग करने का जज्बा और लगन है तो इस फील्ड में भविष्य उज्जवल है।

संघर्ष के बाद मिली सफलता

- राजेश ने नैनीताल के सेंट जोजफ कॉलेज से पढ़ाई कर लखनऊ यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। एफटीआई पुणे से तीन वर्ष का कोर्स कर फिल्म इंडस्ट्री मुंबई पहुंचे तो शुरुआत में काफी संघर्ष करना पड़ा। आखिरकार उन्हें साल 1993 में संजय दत्त की खलनायक फिल्म में अशोक मेहता के साथ काम करने का मौका मिला। यह उनकी पहली फिल्म थी। इसके बाद उन्होंने थ्री इडियट, बरसात, लगे रहो मुन्ना भाई, एक हसीना थी, जानी गद्दार, 1942 ए लव स्टोरी, छू लेंगे आकाश, कभी पास कभी फेल, राजू बन गया जेंटलमैन, इस रात की सुबह नहीं जैसी तमाम सुपरहिट फिल्मों में काम किया।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- सिनेमैटोग्राफर राजेश साह के अनुसार आप भारत में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल (डब्ल्यूडब्ल्यूआई), सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआई) जैसे संस्थानों से सिनेमैटोग्राफी के कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा आफ्ट, एनआईडी जैसे अन्य शीर्ष संस्थान भी हैं।

लेखक : हरीश उप्रेती करन

गरबा सीखने के लिए खूब मेहनत करती हैं आशी

सोनी सब के शो 'उफ्फये लव है मुश्किल' में काम कर रही आशी सिंह का कहना है कि गरबा उन्हें बहुत आकर्षित करता है और वह इसे सीखने के लिए खूब मेहनत करती हैं। सोनी सब के 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में आशी सिंह, कैरी शर्मा का किरदार निभा रही हैं। कैरी एक जीवंत, संवेदनशील और सहज युवती है, जिसकी यात्रा प्यार की जटिलताओं को दर्शाते हुए रोजमर्रा की जिंदगी की मासूमियत और खूबसूरती को सामने लाती है। आशी अपनी बारीक अदाकारी से कैरी के किरदार को जीवंत बना देती हैं, जिससे दर्शक तुरंत उससे जुड़ जाते हैं। नवरात्रि के माहौल में डूबी हुई पूरी देशभर की रौनक के बीच, आशी सिंह ने इस त्योहार के महत्व और अपने अनोखे जुड़ाव के बारे में बात की। उनके लिए नवरात्रि का उत्सव उनकी जड़ों और रंगीन परंपराओं का खूबसूरत संगम है। आशी सिंह ने कहा, 'मैं उत्तर भारत से हूं और वहां नवरात्रि का मतलब हमेशा माता का जागरण, पूजा और सारे रीति-रिवाज होते थे, लेकिन मुझे हमेशा गरबा और डांडिया ने आकर्षित किया। जब मैं मुंबई आई, तो मैंने गरबा सीखने की खूब कोशिश की। आज भी सीख रही हूं, क्योंकि ये साल में सिर्फ नौ दिन आता है, इसलिए आसान नहीं है। मुंबई का नवरात्रि वाला माहौल गजब होता है, जब आप देखते हो कि सब लोग वही रंग पहने होते हैं, जो आप पहने हो, नौ दिनों के लिए नौ रंगों का पालन करते हैं। मुझे ये कॉन्सेप्ट बहुत अच्छा लगता है। आज भी मैं वो पूजा और व्रत करती हूं, जिनके साथ मैं बड़ी हुई हूं। शाम को मैं अपने परिवार के साथ, कभी-कभी दोस्तों के साथ, गरबा ग्राउंड्स जाती हूं - कभी गरबा खेलने, तो कभी सिर्फ दूसरों को आनंद लेते देखने। वहां का माहौल सचमुच बेहद खुशहाल और रंगीन होता है।'

फिल्म समीक्षा

जीवन जीने का सबक देती 'हृदयपूर्वम'

हाल ही में मोहनलाल सर की हृदयपूर्वम फिल्म हिंदी डब में जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। मोहनलाल के साथ, मालविका मोहनन और संगीत प्रताप मुख्य भूमिकाओं में हैं। सत्यन अंतिकाड ने फिल्म का निर्देशन किया है। यह एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म है और फिल्म में अच्छे भावनात्मक दृश्य हैं। ये हमें भावुक कर देते हैं। अकेलेपन की समस्याओं को भी बखूबी दर्शाया गया है। हर किसी को जीवन में दूसरों को प्यार और स्नेह देने का काम करना चाहिए, क्योंकि जीवन एक बार ही मिलता है। फिल्म में कथा इस प्रकार है कि संदीप (मोहनलाल) एक सफल व्यवसायी हैं। वह कोच्चि में एक क्लाउड किचन चलाते हैं। हाल ही में उनकी हृदय शल्य चिकित्सा हुई है और पुणे के एक कर्नल का हृदय उनमें प्रत्यारोपित किया गया है। जेरी (संगीत प्रताप) नाम का एक पुरुष नर्स संदीप की देखभाल के लिए अस्पताल से आता है। एक दिन कर्नल की बेटी हरिता (मालविका) उनसे मिलने पुणे से कोच्चि आती है और उन्हें अपनी सगाई में आमंत्रित करती है। हरिता के सगाई के लिए संदीप पुणे जाते है, तो उनके जीवन में जो कुछ बदलाव आते हैं, वही कहानी का बाकी हिस्सा है। संगीत प्रताप और मोहनलाल के बीच कॉमेडी सीन बहुत अच्छे हैं, दोनों की बॉन्डिंग बहुत अच्छी तरह से दिखाई गई है। संगीत सुनने लायक है, खासकर हिंदी डब गाने बहुत अच्छे से चुने गए हैं, गाने सुनने लायक हैं। मोहनलाल, संगीत प्रताप, कर्नल की पत्नी और मालविका, सभी ने खूबसूरत और अद्भुत काम किया है। यह फिल्म हमें हंसाती है, भावुक करती है, जीवन की समस्याओं को भी प्रस्तुत करती है और जीवन किस प्रकार जीने का सबक भी देती है।

स्वतंत्र स्त्री और सामाजिक न्याय के लिए लड़ती हुई वकील की कहानी- द ट्रायल

अपने जज पति पर यौनाचार के आरोपों और फिर उनके सिद्ध होने पर सजा हो जाने के बाद एक दस वर्ष की विवाहिता अपनी दो बच्चियों के साथ जीवन की फिर से शुरुआत करती है। एक लॉ फर्म में नौकरी से। वह और क्या करती, क्योंकि उसकी योग्यता एक अच्छे वकील की ही थी, विवाह से पहले। यह सीजन-1 की संक्षिप्त कहानी है। द ट्रायल, अमेरिकन कोर्ट ड्रामा सीरीज "द गुड वाइफ" पर आधारित है, जो एक सफल सीरीज थी। हिंदी सीरीज में लीड रोल यानी वाइफ के रोल में हैं, काजोल। हिंदी संस्करण में कहानी में राजनीति, कानून, प्रेम संबंधों, ऑफिस की कारगुजारियां और मानव मन की कुंठाएं, चालाकी, पारिवारिक मजबूरियां, बच्चों पर इन सबके प्रभावों को बड़ी चतुराई से शामिल किया गया है। अमेरिकन सीरीज को देखे हुए इतना अरसा हो गया है कि मैं बड़ी सुविधा से उसे भूला हुआ कह सकता हूं, इसलिए कोई तुलना नहीं कर सकता, लेकिन सीजन -2 में विशेषत: काजोल ने कहानी की कमान अपने हाथ में ली है और अच्छा अभिनय किया है, परंतु कुछ दूसरे कलाकार भी अदाकारी में पीछे नहीं है। जैसे- जज पति (जिस्सू सेनगुप्ता), लॉ फर्म की पार्टनर (शीबा चड्ढा), दूसरा पार्टनर (अली खान), महिला साथी मित्र (कुबरा सईद)। विशेष रोल में असरानी, गौरव पांडे (दोनों वकील) और नेता के रोल में सोनाली कुलकर्णी भी अच्छे लगे हैं। फर्म में पार्टनर्स में मनभेद होने से लेकर काजोल के युवावस्था में मित्र रहे अली खान से मधुर संबंधों और अपने पति के साथ प्रेम, घृणा, समझौता और विद्रोह को काजोल ने अच्छी तरह से दिखाया है। विवाहित जीवन में परस्पर विश्वास के टूटने पर पूरे परिवार पर उसका प्रभाव होता है। भारतीय परिवेश में पत्नियां बहुधा उसे भूलकर आगे बढ़ती हैं, परंतु इस कहानी में यह बहुत ही कॉम्प्लिकेटेड होता जाता है। निर्णयों से आप सहमत हो यह जरूरी नहीं। द ट्रायल सिर्फ एक वकील की कहानी नहीं है, एक पत्नी, मां, स्वतंत्र स्त्री और सामाजिक न्याय के लिए लड़ती हुई वकील की कहानी है। परंतु लॉ फर्म में कानूनी मामलों की खोजबीन, कोर्टरूम ड्रामा और राजनीतिक चालबाजियां भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है और वे सब इसे घटनापूर्ण और गतिमान बनाती है। पटकथा, कैमरा वर्क, पार्श्व संगीत और गति की दृष्टि से सीरीज अच्छी बन पड़ी है, लेकिन सबसे मुख्य है, मुख्य चरित्रों की परफॉर्मेंसेस। इन सबके लिए देखिए, द ट्रायल।

2025 को बेहद खुशनसीब साल रील्स में खो रही प्रतिभा, थियेटर देता असली पहचान मानते हैं अभिनेता आदर्श गौरव

अभिषेक वर्मा

- शहर के युवा लेखक एवं निर्माता नमन मेहरा का इंटरव्यू
- शार्ट फिल्म 'धुंधली यादें' ने झटके 8 अवार्ड

अभिनेता आदर्श गौरव 2025 को अपने लिए बेहद खुशनसीब साल मानते हैं। तेजी से उभरते सितारे आदर्श गौरव, जो अपने अलग-अलग किरदारों और बेखौफ रोल चुनने के लिए जाने जाते हैं, 2025 को अपने करियर का सबसे खास साल बनाने जा रहे हैं। उन्होंने जोया अख्तर और रीमा कागती की सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव से भारतीय दर्शकों का दिल जीता और रिडली स्कॉट की अंतर्राष्ट्रीय साइ-फाई सीरीज एलियनः अर्थ से ग्लोबल पहचान पाई। इसके अलावा आदर्श ने हाल ही में अपनी पहली तेलुगु फिल्म, एक मनोवैज्ञानिक ड्रामा की शूटिंग भी पूरी कर ली है। फिलहाल वह आनंद एल. राय की बहुप्रतीक्षित क्रिएचर ड्रामा तू या मैं की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ शनाया कपूर नजर आएंगी। इस खास साल को लेकर आदर्श ने अपने दिल की बातें साझा की, "2025 मेरे लिए एक अहम मोड़ जैसा है, बतौर अभिनेता और बतौर कहानीकार दोनों रूपों में। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव मेरे लिए बहुत ही व्यक्तिगत और भावनात्मक अनुभव था। रीमा के निर्देशन में और जोया के प्रोडक्शन

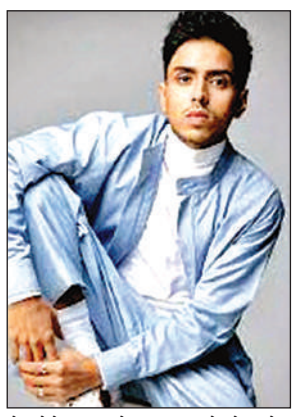

में छोटे शहर के सपनों को सेलिब्रेट करने वाली यह कहानी मुझे फिर याद दिलाती है कि मैंने सिनेमा से पहली बार क्यों प्यार किया था। दूसरी तरफ, एलियनः अर्थ मेरे लिए बिल्कुल अलग अनुभव था - इसका पैमाना, इसका सपना और रिडली स्कॉट जैसे दिग्गज के साथ और एक बेहतरीन इंटरनेशनल कास्ट के साथ काम करने का मौका अविश्वसनीय था। एक ही साल में इतने बड़े प्रोजेक्ट पूरे करना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा है।' आदर्श ने कहा, 'मैंने हाल ही में अपनी पहली तेलुगु फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो मेरी मातृभाषा है। यह मेरे लिए एक नया अनुभव और नए दर्शकों से जुड़ने का एक शानदार मौका रहा। इसके साथ ही अभी मैं आनंद एल. राय की तू या मैं की शूटिंग कर रहा हूं, जो एक और सपना पूरा होने जैसा है। आनंद सर की कहानियां हमेशा दिल और भव्यता का अनोखा मेल होती हैं और एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना जो जॉनर की सीमाओं को तोड़ती है, मेरे लिए बेहद रोमांचक है। मैं उन सभी फिल्ममेकर्स का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और उन दर्शकों का भी, जिन्होंने भारत और विदेश दोनों जगह मुझे लगातार प्यार और हौसला दिया। इतने अलग-अलग जॉनर, भाषाओं और पैमानों पर काम करने का मौका मुझे याद दिलाता है कि जब तक मैं अपने काम के प्रति ईमानदार हूं, संभावनाएं अनंत हैं।' तीन बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ, जो अलग-अलग भाषाओं, जॉनर और इंडस्ट्रीज़ से जुड़े हैं। आदर्श गौरव ने खुद को इस पीढ़ी के सबसे बहुमुखी और होनहार अभिनेताओं में मजबूती से स्थापित कर लिया है। 2025 की उनकी यात्रा यह साबित करती है कि भारतीय अभिनेता अब सीमाओं को पार कर सचमुच ग्लोबल परफॉर्मर बनने की परिभाषा गढ़ रहे हैं।

किसी भी चीज के दो पहलू होते हैं, एक अच्छा और एक बुरा। सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने जहां युवाओं को कम समय में बड़ा नाम दिया तो इसकी वजह से असली प्रतिभा खो सी गई। अभिनय में रुचि रखने वाले ऐसे युवा रील्स तक सिमट गए, जबकि उनको असली पहचान थियेटर ही दे सकता है। इसलिए कलाकारों को रील्स की दुनिया से निकलना जरूरी है। यह कहना है शहर के युवा लेखक व निर्माता नमन मेहरा का। हाल में नमन मेहरा की शार्ट फिल्म 'धुंधली यादें' को देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले फिल्म फेस्टिवल में अलग-अलग कैटेगरी में 8 अवार्ड मिले हैं। इसके साथ कुल 22 फिल्म फेस्टिवल में शॉर्ट फिल्म ने जगह बनाई।

शहर के फजलगंज के रहने वाले नमन मेहरा द्वारा बनाई गई शार्ट फिल्म बीते 5 सितंबर को यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। नमन मेहरा ने बताया कि फिल्म 9 मिनट 28 सेकेंड की है, जो अल्जाइमर डिनेशियल्स यानी भूलने की बीमारी पर आधारित है। शॉर्ट फिल्म में बुढ़ापे में होने वाली समस्या और उसके उपायों को बताया गया है।

बांद्रा फिल्म फेस्टिवल में 'धुंधली यादें' को मिला बेस्ट शॉर्ट फिल्म का अवार्ड

- नमन मेहरा ने बताया कि बांद्रा फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट शॉर्ट फिल्म का अवार्ड मिला है। इसके साथ ही धनबाद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2025 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ निर्माता, सर्वश्रेष्ठ कहानी, सर्वश्रेष्ठ पटकथा और सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का अवार्ड मिला। साथ ही फ्रेन्ज़ी फिल्म महोत्सव कोलकाता में सर्वश्रेष्ठ कहानी (आलोचक पुरस्कार) मिला है। इसके साथ ही 7 सिस्टर्स नॉर्थ ईस्ट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 2025 और थाईलैंड गदुरा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव-2025 अंतर्राष्ट्रीय टैगोर फिल्म पुरस्कार में भी फिल्म को पुरस्कार मिल चुका है।

अब वेब सीरीज पर चल रहा काम

- शहर के डीपीएस आजाद नगर से स्कूलिंग पूरी करने वाले 32 वर्षीय नमन मेहरा ने बताया कि पिता के दोस्त अश्वनी धीर सर हैं, जिन्होंने प्रसिद्ध धारावाहिक लापतागंज बनाया। उनकी प्रेरणा से ही राइटर और निर्माता बनने का बल मिला है। 'बाला' फिल्म में कास्टिंग असिस्टेंट से शुरुआत की। इसके बाइ कई प्रोजेक्ट के साथ जुड़े और बारीकियां सीखीं। उन्होंने बताया कि सबसे पहले शार्ट फिल्म 'यह सवाल ही क्यों बनाया' यूट्यूब पर रिलीज हुई थी, लेकिन उसे ज्यादा फेम नहीं मिला। इसके बाद जिया अहमद खान, त्रिशिखा त्रिपाठी और अक्षत शुक्ला के साथ मिलकर 'धुंधली यादें' शॉर्ट फिल्म बनाई, जिसे लोगों ने सराहा है। उन्होंने का कि अब वेब सीरीज बनाने पर काम कर रहा हूं।

नमन ने कहा कि बूढ़ा और बच्चा एक समान होता है। जब आपका बच्चा कोई बात भूलता है तो क्या आप उसको डांटते या मारते होनहीं तो फिर लोग बुढ़ापे में अपने माता-पिता व बुजुर्गों के साथ यह व्यवहार कैसे कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म आधारित कहानी को देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया गया, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है।

एचडीएफसी की दुबई शाखा को नए ग्राहक जोड़ने से रोका

मुंबई। एचडीएफसी बैंक की दुबई अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय केंद्र (डीआईएफसी) शाखा को स्थानीय नियामक ने नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया है। भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसने दुबई वित्तीय सेवा प्राधिकरण (डीएफएसए) के नोटिस का अनुपालन करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। इस फैसले का उस पर वित्तीय असर नहीं होगा। बैंक के खिलाफ कार्रवाई के लिए कथित उल्लंघनों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 28 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

मुंबई आए 50 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री

नई दिल्ली। मुंबई में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर इस साल जनवरी से अगस्त के दौरान 50 लाख से अधिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों का आगमन हुआ। इनमें मुख्य रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन और थाईलैंड के यात्री शामिल हैं। निजी हवाई अड्डा संचालक मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह जानकारी दी। एमआईएएल ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हवाई अड्डे पर अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के आगमन में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह दर वैश्विक यात्रा मानचित्र पर मुंबई के बढ़ते महत्व को दर्शाती है और विश्व पर्यटन दिवस की भावना को भी उजागर करती है। हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अंडमान में ऑयल इंडिया ने खोजा प्राकृतिक गैस

नई दिल्ली। ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) ने अंडमान द्वीप समूह के पास प्राकृतिक गैस भंडार की खोज की है। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी ने खोज के आकार के बारे में जानकारी नहीं दी। ओआईएल ने कहा कि अपतटीय अंडमान ब्लॉक एएन-ओएसएचपी-2018/1 में खोदे गए दूसरे अन्वेषण कुएं विजयपुरम-2 में प्राकृतिक गैस की उपस्थिति की सूचना मिली है।शुरुआती जांच के दौरान, जब कुएं से गैस रुक-रुक कर बाहर निकल रही थी, तो उसके नमूनों की जांच की गई। इस जांच से यह पुष्टि हो गई है कि वहां प्राकृतिक गैस मौजूद है।

इंफो एज सबसे सफल उद्यम निवेशक घोषित

नई दिल्ली। नौकरी डॉट कॉम की मूल कंपनी इंफो एज को देश का सबसे सफल उद्यम निवेशक घोषित किया गया है। कंपनी ने भारतीय स्टार्टअप पर दीर्घकालिक दांव लगाकर शानदार प्रतिफल हासिल किया है, जिसमें जोमैटो से लेकर पॉलिसीबाजार तक शामिल हैं। संजीव बिखचंदानी - जिन्हें अक्सर भारत का वॉरेन बफेट कहा जाता है, की इस फर्म ने पिछले डेढ़ दशकों में विभिन्न मंचों पर कुल 3,959 .16 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया है।

आर्थिक तरक्की की मिसाल बन गया यूपी

ट्रांसफॉर्मिंग फाइनेंशियल लैंडस्केप इन यूपी सत्र में बोले पदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

- कहा-कानून-व्यवस्था सख्त हुई तो, हुआ करोड़ों का निवेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के कार्यक्रम को संबोधित करते वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना

अमृत विचार। 2017 से पहले जो यूपी पिछड़ा था, आज आर्थिक तरक्की की मिसाल बन चुका है। सुरक्षा और सुशासन से चौतरफा तरक्की हो रही है। 15 लाख करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतारा जा चुका है। यह बातें शनिवार को प्रदेश के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित 'ट्रांसफॉर्मिंग फाइनेंशियल लैंडस्केप इन यूपी' में कहीं।

खन्ना ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के उद्यमियों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफार्म है। यह आयोजन किस कदर सफल है, इसका अंदाजा यहां बढ़ रही निवेशकों और उद्यमियों की संख्या से लगाया जा सकता है। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिना थके, बिना रुके यूपी के विकास के लिए सतत काम कर रहे हैं। 2017 से पहले यूपी की स्थिति बेहद खराब थी, लेकिन आज पूरी दुनिया में लोग यूपी को बेहतर कानून व्यवस्था और आर्थिक तरक्की के लिए जानते हैं। विदेशी दौरों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी लोग कहते हैं कि योगी जैसा नेता चाहिए।

जीएसटी रिफॉर्म से आम जनता को बड़ा लाभ

सुरेश खन्ना ने कहा कि जीएसटी में राहत से आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यूपी का एक्सपोर्ट 2014 से पहले 84,000 करोड़ रुपये का था, जो आज बढ़कर 1,76,000 करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। यूपी की अर्थव्यवस्था में जबरदस्त उछाल आया है। हमने अपने बजट में 133 प्रतिशत की वृद्धि की है और वर्ष 2024-25 में 59,000 करोड़ रुपये के राजस्व सरप्लस स्टेट बने हैं। हमारी आय हमारे खर्च से कहीं ज्यादा है और इस मामले में यूपी देश में सबसे आगे है।

एमएसएमई सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर : राकेश सचान

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश का बजट इस बार अब तक का सबसे बड़ा रहा और सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी लगातार आर्थिक तरक्की कर रहा है। देश की जीडीपी में योगदान के मामले में यूपी का स्थान अब दूसरे नंबर पर है। सचान ने कहा कि कृषि के बाद एमएसएमई सबसे बड़ा सेक्टर है जो रोजगार देता है। जीएसटी सुधारों के बाद इस सेक्टर में और अधिक तरक्की के द्वार खुल गए हैं। सचान ने कहा कि एमएसएमई उद्यमियों की यह भी मांग है कि जिस तरह किसानों को ऋण के लिए क्रेडिट कार्ड दिया जाता है, उसी तर्ज पर एमएसएमई के लिए भी एक अलग क्रेडिट कार्ड जारी किया जाए। कार्यक्रम को वित्त विभाग के विशेष सचिव समीर वर्मा, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक इंदर मोहन सिंह समेत कई अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकसित करने वाला भारत दुनिया का पांचवां

मुंबई, एजेंसी

- टीसीएस, सी-डॉट, तेजस नेटवर्क्स ने खड़ा किया एकीकृत 4जी नेटवर्क स्टैक

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) और तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड के साथ मिल कर भारत टेलीकॉम स्टैक नाम से 4जी मोबाइल दूरसंचार नेटवर्क प्रौद्योगिकी का अनावरण किया जो पूरी तरह से भारत में डिज़ाइन और विकसित एक आधुनिक, सुरक्षित समाधान है। टाटा कंसल्टेंसी ने कहा कि इस शुभारंभ के साथ, भारत दुनिया का पाँचवाँ देश बन गया है जो 4जी और उससे आगे के लिए एक आत्मनिर्भर, स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकी स्टैक विकसित किया है।

टीसीएस ने कहा है कि उसने युद्धस्तर पर काम कर के डेटा सेंटर स्थापित किया। कंपनी ने सी-डॉट के ईपीसी कोर एप्लिकेशन, तेजस के बेस स्टेशन और 1,00,000 से अधिक साइटों पर रेडियो इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित और चालू करके और सातों दिन चौबीसो घंटे नेटवर्क प्रबंधन के लिए अपने कॉग्निटिव नेटवर्क परिचालन प्लेटफार्म-टीसीएस सीएनओपीएसटीएम का उपयोग कर इस सफलता में अग्रणी भूमिका निभायी है। कंपनी ने कहा है कि इस परियोजना का संचालन टीसीएस, बीएसएनएल, दूरसंचार विभाग, सक्रिय मैकिन्से एंड कंपनी, सी-डॉट, तेजस, आई एंड सी पार्टनर्स आदि द्वारा 'मिशन-मोड' में किया जा रहा है। यह काम दो वर्ष के भीतर पूरा हुआ। यह बीएसएनएल के मौजूदा 2जी/3जी नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ पूर्ण एकीकरण के साथ सबसे तेज़ 4जी नेटवर्क परिनियोजनों में से एक बन गया है। टीसीएस में दूरसंचार रणनीतिक पहल के सलाहकार व तेजस नेटवर्क्स के अध्यक्ष एन गणपति सुब्रमण्यम ने कहा कि हमें गर्व है कि हमने भारत को उन गिने-चुने देशों की सूची में शामिल कर दिया है। 3जीपीपी मानकों के अनुपालन में निर्मित यह स्टैक मानकों में भारत के आगे के योगदान की नींव रखता है।

ग्राहक कनेक्टिविटी के नए मानक का करेंगे अनुभव

बीएसएनएल के सीएमडी ए रॉबर्ट जे रवि ने कहा कि आज हम राष्ट्रीय गौरव की ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं। टीसीएस, तेजस नेटवर्क्स और सी-डॉट के सहयोग से निर्मित हमारे स्वदेशी 4जी नेटवर्क का राष्ट्रव्यापी प्रसार, आत्मनिर्भर भारत की एक शानदार घोषणा है। टीम बीएसएनएल के अथक समर्पण से जीवंत यह 'मेड इन भारत' स्टैक हमारे डिजिटल भविष्य को सुरक्षित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि कनेक्टिविटी के फल प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाएँ, और डिजिटल विभाजन को पहले से कहीं अधिक कम करें। बीएसएनएल के निदेशक (उपभोक्ता गतिशीलता - सीएम) संदीप गोविल ने कहा कि हमारे ग्राहक अब कनेक्टिविटी के एक नए मानक का अनुभव करेंगे, जो एक ऐसे नेटवर्क द्वारा संचालित होगा जो वास्तव में हमारा अपना है। यह एक डिजिटल रूप से समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है, जो 5जी और उससे आगे बढ़ने के लिए तैयार है, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत की विकास गाथा संप्रभु, स्वदेशी तकनीक द्वारा संचालित हो।

अमेरिकी शुल्क भारतीय वृद्धि के लिए जोखिम: क्रिसिल

कोलकाता, एजेंसी

- इंटेलिजेंस ने कहा- कम मुद्रास्फीति व ब्याज दरों में कटौती से वृद्धि की उम्मीद

क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अपनी सितंबर की रिपोर्ट में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के उच्च शुल्क लगाने से देश की वृद्धि के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि शुल्क भारतीय वस्तुओं के निर्यात और निवेश दोनों को प्रभावित करेंगे। हालांकि, क्रिसिल इंटेलिजेंस ने यह भी कहा कि कम मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कटौती से प्रेरित घरेलू खपत से वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। देश की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 7.4 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति के चालू वित्त वर्ष में पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत से घटकर 3.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। इसमें यह भी कहा गया कि कृषि क्षेत्र की अच्छी वृद्धि से खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने की उम्मीद है, हालांकि अत्यधिक वर्षा के प्रभाव का अभी पूरी तरह से आकलन नहीं किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कच्चे तेल की कम कीमतों और वैश्विक स्तर पर जिंस कीमतों में नरमी से गैर-खाद्य मुद्रास्फीति पर लगाम लगने की उम्मीद है।

एनटीपीसी ने सरकार को 3,248 करोड़ का दिया अंतिम लाभांश

नई दिल्ली। एनटीपीसी ने 2024-25 के लिए अंतिम लाभांश के रूप में बिजली मंत्रालय को 3,248 करोड़ का भुगतान किया। एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने निदेशक मंडल के साथ 25 सितंबर को बिजली सचिव पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में बिजली मंत्री मनोहर लाल को अंतिम लाभांश सौंपा।

यह राशि नवंबर 2024 में 2,424 करोड़ के पहले अंतरिम लाभांश और फरवरी 2025 में दिए गए 2,424 करोड़ के दूसरे अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। 2024-25 के लिए भुगतान किया गया लाभांश 8,096 करोड़ है, जो 10 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर पर 8.35 रुपये बैठता है।

घरेलू प्राथमिकताओं को वैश्विक नजरिये से जोड़ेगा कौटिल्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीतारमण चौथे केईसी 2025 का करेंगीं उद्घाटन व जयशंकर करेंगे सम्मेलन का समापन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तीन अक्टूबर को यहां चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी 2025) का उद्घाटन करेंगी। इस बार सम्मेलन का विषय 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' है।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर पांच अक्टूबर को भारत की विदेश और आर्थिक नीति पर विचार-विमर्श के साथ इस सम्मेलन का समापन करेंगे। इसमें कहा गया कि तीन दिवसीय केईसी 2025 एक गतिशील मंच है, जो भारत की घरेलू प्राथमिकताओं को वैश्विक नजरिये के साथ जोड़ेगा और उथल-पुथल के दौर में समृद्धि का मार्ग तैयार करेगा। इसमें कहा गया कि अपने समृद्ध अनुभव के आधार पर केईसी ने समकालीन चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 30 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 विदेशी प्रतिभागियों के साथ अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाया है।

राष्ट्रीय

आरएसएस की प्रार्थना मातृभूमि के प्रति समर्पण

आरएसएस प्रमुख भागवत बोले- संघ की प्रार्थना भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम को अभिव्यक्ति है

नागपुर, एजेंसी

- नागपुर में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान संघ की प्रार्थना का ऑडियो किया जारी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की 'प्रार्थना' भारत माता की प्रार्थना और देश एवं ईश्वर के प्रति संघ के स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि जहां व्यक्तिगत संकल्प प्रत्येक स्वयंसेवक के दृष्टिकोण तक सीमित रहते हैं, वहीं साझा मिशन और मूल्य संघ की प्रार्थना से उत्पन्न होते हैं, जिसका प्रतिदिन पाठ किया जाता है।

भागवत ने नागपुर के रेशमबाग महर्षि व्यास सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान संघ की प्रार्थना का ऑडियो जारी किया, जिसे गायक शंकर महादेवन ने आवाज दी है। कार्यक्रम में अभिनेता सचिन खेडेकर, वरिष्ठ प्रस्तोता हरीश भिमानी और संगीतकार राहुल रानाडे भी उपस्थित थे। नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि यह भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्ति है। यह प्रार्थना है कि हम देश को क्या देश सकते हैं और फिर ईश्वर से प्रार्थना है कि देश सेवा में हमारी सहायता करे। ऑडियो जारी होने के साथ ही यह प्रार्थना ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। प्रार्थना एक भावना है जो स्वयंसेवकों को मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण के सामूहिक संकल्प में मदद करती है। यह गीत लंदन के एक स्टूडियो में रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा के साथ रिकॉर्ड किया गया था, जिसमें सभी संगीतकार विदेशी थे। महादेवन ने इस संगीतमय प्रस्तुति में अपनी आवाज दी है जबकि मराठी में खेडेकर ने और हिंदी में भिमानी ने वर्णन किया। आठ अलग-अलग भाषाओं में स्वर दिए गए।

संघ की मूल प्रार्थना के रचनाकार नरहरि नारायण भिड़े थे और पहली बार यादव राव जोशी ने 23 अप्रैल, 1940 को पुणे में संघ शिक्षा वर्ग में इसे गाया था। प्रार्थना का प्रारंभिक प्रारूप 1939 में पुणे में एक बैठक के दौरान तैयार किया गया था। संघ प्रार्थना भारत माता की प्रार्थना है। 1940 से स्वयंसेवक प्रतिदिन इसका पाठ करते हैं। यह प्रार्थना संघ का सामूहिक संकल्प है। प्रार्थना की भावना संकल्प की शक्ति है, और यह मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम व समर्पण का प्रतीक है।

आरएसएस की स्थापना के हुए 100 साल, शताब्दी समारोह शुरू

नागपुर। आरएसएस के स्थापना के 100 वर्ष शनिवार को पूरे हो गए। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 17 सहयोगियों के साथ मिलकर 27 सितंबर, 1925 को विजयादशमी पर संघ की स्थापना की थी। संघ अब देशभर में 83,000 से अधिक शाखाओं और लाखों स्वयंसेवकों के साथ सबसे बड़े सांस्कृतिक निकाय के रूप में विकसित हो चुका है। आरएसएस की उत्पत्ति नागपुर के महल स्थित हेडगेवार वाड़ा से मानी जाती है। डॉ. हेडगेवार ने हिंदुओं में एकता, अनुशासन और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस संगठन की कल्पना की थी। नागपुर के बाहर पहली शाखा फरवरी 1926 में वर्धा में स्थापित की गई, जिसने पूरे देश में क्रमिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया। व्यक्ति-आधारित नेतृत्व से बचने के लिए, भगवा ध्वज को संघ का 'गुरु' मान लिया गया और 1927 में गुरु दक्षिणा देने की प्रथा शुरू हुई। डॉ. हेडगेवार (1929 में प्रथम सरसंघचालक बने) पहले कांग्रेस से जुड़े थे और उन्होंने असहयोग और जंगल सत्याग्रह आंदोलनों में भाग लिया था और जेल भी गये थे। उनकी दृष्टि शारीरिक प्रशिक्षण, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण पर ज़ोर देती थी। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल पूरा होने पर एक साल तक विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

जमीनी जुड़ाव पर ध्यान करें केंद्रित : शाह

- गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं को दिया संगठन की मजबूती और चुनावी जीत का मंत्र

समस्तीपुर, एजेंसी

बिहार के समस्तीपुर जिले के सरायरंजन स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में शनिवार को भाजपा के महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शिरकत की।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मिथिलांचल सहित अन्य क्षेत्रों से आए भाजपा सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिये जीत का रणनीतिक मंत्र दिया।

शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि संगठन की मजबूती ही किसी भी चुनावी सफलता की कुंजी है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से नीतियों, जनसंपर्क और जमीनी जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। कार्यक्रम के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री राज भूषण चौधरी ने कहा कि कि गृहमंत्री अमित शाह के समस्तीपुर आगमन से मिथिलांचल के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और जोश का संचार हुआ है। यह दौरा पार्टी संगठन के लिये बेहद प्रेरणादायक और दिशा देने वाला रहा।

इस संवाद कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल समेत पार्टी के कई अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

बिस चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में शाह ने भरा जोश

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को उत्तर बिहार में भाजपा कार्यकर्ताओं को लगातार दूसरे दिन जोश भरा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के अनुसार दो दिवसीय बिहार प्रवास के समापन से पूर्व शाह समस्तीपुर और अररिया जिलों के दौरे पर हैं। जायसवाल ने कहा कि शुक्रवार को शाह ने पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में बैठक की थी, उसके बाद प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और चुनाव अभियान समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की थी। उन्होंने हमें आगामी चुनाव में राजग की विजय का मंत्र दिया। उबेतिया में दस जिलों से आये कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। जायसवाल ने कहा कि आज उनकी बैठकें समस्तीपुर के सरायरंजन और अररिया के फोर्ब्सगंज में हैं। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पार्टी के मुख्य रणनीतिकार माने जाने वाले शाह पखवाड़े भर में दूसरी बार बिहार के दौरे पर आए हैं।

गुरुग्राम में डिवाइडर से टकराई थार, 5 की मौत

गुरुग्राम, एजेंसी

- सभी यात्री काम से आए थे गुरुग्राम, थार अलीगढ़ में पंजीकृत
- मृतकों में एक छात्रा बताई जा रही है न्यायाधीश की बेटी

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के एक थार कार के डिवाइडर से टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। मृतकों में प्रतिष्ठा (25), लावन्या (26), आदित्य (30), गौतम (31) और एक अन्य महिला सोनी शामिल है, जबकि घायल की पहचान कपिल शर्मा (27) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार हादसा दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे निकास संख्या नौ पर हुआ जब तेज रफ्तार थार में सवार चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे डिवाइडर से टकरा गया। सूचना मिलने पर सेक्टर 40 से पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और सभी छह लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने पांच को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक का इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक महिलाएं, प्रतिष्ठा और लावन्या कानून पाठ्यक्रम की छात्रा थीं, जबकि आदित्य, गौतम और कपिल विज्ञापन व्यवसाय से जुड़े थे। सभी छह यात्री उत्तर प्रदेश से गुरुग्राम किसी काम से आए थे। थार अलीगढ़ प्राधिकरण में पंजीकृत है। बताया जा रहा है कि एक मृतक छात्रा न्यायाधीश की बेटी थी। हालांकि, पुलिस ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। गुरुग्राम पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है और जांच जारी है।

भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले देशों में शामिल : सिंधिया

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- पहले भारत एक सेवा प्रदाता राष्ट्र था, लेकिन अब हम एक उत्पादक राष्ट्र हैं

गुवाहाटी, एजेंसी

बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी स्टैक के शुभारंभ पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी स्टैक शुरू होने पर कहा कि भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की छवि एक सेवा प्रदाता और उपभोक्ता राष्ट्र से बदलकर उत्पादन, नवाचार, उद्यमिता और निर्यात के केन्द्र के रूप में बदल गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ओडिशा से पूरे देश में स्वदेशी 4जी स्टैक की एक साथ शुरुआत करने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि पहले भारत एक सेवा (प्रदाता) राष्ट्र था, लेकिन अब हम एक उत्पादक राष्ट्र हैं। पहले हमें एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज हम एक नवाचार, उद्यमिता और निर्यात केंद्र हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी के भारत के लिए नवाचार, मानवता के लिए नवाचार के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर देश आज डेनमार्क, स्वीडन, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की प्रतिष्ठित श्रेणी में शामिल हो गया है, जो दूरसंचार उपकरण बनाते हैं। इस शुरुआत से दूरदराज के गांवों, सीमावर्ती क्षेत्रों, द्वीपों, पहाड़ी इलाकों और इंटरनेट की कम पहुंच वाले स्थानों तक 4जी नेटवर्क की उपलब्धता हो सकेगी।

दो महीने में डिजिटल होंगी सरकारी सेवाएं

पुणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि 90 प्रतिशत सरकारी सेवाएं अगले दो महीने में डिजिटल हो जाएंगी और जल्द ही ये व्हाट्सएप पर उपलब्ध होंगी। फडणवीस ने बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क के उद्घाटन में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ डिजिटल माध्यम से भाग लिया। पुणे में आयोजित कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा कि देश के उन गांवों को अब 4जी नेटवर्क मिलेगा जो अभी तक जुड़े नहीं थे। दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहा था कि भारत के हर गांव को सड़क से जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि यही विकास का मार्ग है और उन्होंने छह लाख गांवों तक सड़क संपर्क सुनिश्चित किया।

बुलेट ट्रेन परियोजना

मुंबई-अहमदाबाद खंड 2029 तक खुल जाएगा: वैष्णव

सूरत, एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का गुजरात के सूरत से बिलिमोरा के बीच तक का 50 किमी लंबा हिस्सा 2027 में खुलेगा और 2029 तक मुंबई से अहमदाबाद के बीच पूरे खंड पर परिचालन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि परिचालन शुरू होने के बाद बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच की दूरी मात्र दो घंटे सात मिनट में तय कर लेगी।

उन्होंने कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना बहुत अच्छी तरह से प्रगति कर रही है। वैष्णव ने निर्माणाधीन सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और पटरी बिछाने के कार्यों व इसके पहले टर्नआउट इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की समग्र प्रगति बहुत अच्छी है। सूरत और बिलिमोरा के बीच परियोजना का पहला 50 किलोमीटर का खंड 2027 तक खुल जाएगा। हम इसके लिए तैयारी कर रहे हैं। 2028 तक, पूरा ठाणे-अहमदाबाद खंड चालू हो जाएगा और 2029 तक पूरा मुंबई-अहमदाबाद खंड खुल जाएगा।

मनमोहक

भोपाल में नवरात्रि के अवसर पर गरबा नृत्य का आयोजन किया गया। इस दौरान आकर्षक वस्त्र धारण किए यह कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे। एजेंसी

टैरिफ के बीच ब्रिक्स रचनात्मक बदलाव की मजबूत आवाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर बोले

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बढ़ते संरक्षणवाद और शुल्क संबंधी अस्थिरता के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक में बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करने का आह्वान किया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ऐसे समय में जब बहुपक्षवाद दबाव में है, ब्रिक्स रचनात्मक बदलाव की मजबूत आवाज बनकर खड़ा है।

उन्होंने कहा, एक अशांत विश्व में, ब्रिक्स को शांति स्थापना, संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन के संदेश को फैलाना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा, बढ़ते संरक्षणवाद, शुल्क संबंधी अस्थिरता और गैर-शुल्क बाधाओं के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है, इसलिए ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के कुछ सप्ताह बाद जयशंकर ने यह टिप्पणी की। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त जुर्माने के तौर पर लगाया गया है।

विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी और नवाचार ब्रिक्स सहयोग के अगले चरण को परिभाषित करेंगे। साल 2026 में

ब्रिक्स की बैठक में उपस्थित विदेश मंत्री जयशंकर।

समूह की भारत की अध्यक्षता के बारे में बात करते हुए, जयशंकर ने कहा कि भारत डिजिटल परिवर्तन, स्टार्टअप, नवाचार और मजबूत विकास साझेदारी के माध्यम से खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान सिएरा लियोन, रोमानिया, क्यूबा, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, रूस, उरुग्वे, कोलंबिया, एंटीगुआ और बारबुडा आदि देशों के अपने समकक्षों से भी मुलाकात की। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी मुलाकात की और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रिया की विदेश मंत्री बीएट मेइनल-रेजिंगर के साथ वर्तमान भू-राजनीति और भारत व यूरोप के सामने विकल्पों पर एक जीवंत चर्चा की।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन के गांसू प्रांत में भूकंप के झटके, सात लोग घायल

बीजिंग। चीन के गांसू प्रांत में शनिवार को 5.6 तीव्रता का भूकंप आने से सात लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। चीन के भूकंप केंद्र के अनुसार लोंक्शी काउंटी में सुबह 5:49 बजे भूकंप आया, जिसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि आठ मकान तहस-नहस जबकि 100 से अधिक क्षतिग्रस्त हो गए। सरकारी मीडिया की ओर से ऑनलाइन पोस्ट किए गए वीडियो में आपातकर्मी मलबा हटाते हुए दिख रहे हैं।

रोमानिया में अस्पताल में संक्रमण फैलने से छह शिशुओं की मौत

बुखारेस्ट। रोमानिया के उत्तर-पूर्वी इयासी शहर में स्थित स्फैंटा मारिया बच्चों के अस्पताल में जीवाणु संक्रमण फैलने से छह शिशुओं की मौत हो गई और तीन अन्य संक्रमित हो गए। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि एक वर्ष से कम उम्र के नौ मरीज़ सेराटिया मार्सेसेंस जीवाणु से संक्रमित हुए हैं हालांकि संक्रमण और मौतों के बीच कोई सीधा चिकित्सीय संबंध अभी तक स्थापित नहीं हुआ है। फोरेंसिक विशेषज्ञ यह पता लगाएंगे कि क्या जीवाणु के कारण ये मौतें हुईं। पहला मामला 13 सितंबर को पता चला था, लेकिन इसकी सूचना छह दिन बाद जन स्वास्थ्य निदेशालय को दी गई, जब चार बच्चे पहले ही संक्रमित हो चुके थे।

पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संघर्ष रोकने की अपील की थी

भारत बोला- पाकिस्तानी पीएम ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में बेतुके बयान देकर आतंकवाद का किया था महिमामंडन

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की सेना ने ही संघर्ष रोकने की अपील की थी और नई दिल्ली व इस्लामाबाद के बीच किसी भी मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारत के जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने कहा, इस सभा में आज सुबह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का बेतुका बयान सुनने को मिला। शरीफ ने एक बार फिर आतंकवाद का महिमामंडन किया, जो उनकी विदेश नीति के केंद्र में है।

गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हालिया संघर्ष को लेकर एक अजीब कहानी पेश की, जबकि भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 आम नागरिकों की मौत के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े समूह द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। भारत ने कहा, नौ मई तक पाकिस्तान भारत पर और हमले करने की धमकी दे रहा था। लेकिन 10 मई को उसकी सेना ने सीधे हमसे संघर्ष रोकने की अपील की। इस बीच भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई एयरबेस नष्ट कर दिए थे। उस तबाही की तस्वीरें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाषण के बाद पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। शरीफ ने अपने भाषण में दावा किया कि हालिया संघर्ष में उनका देश युद्ध जीत गया। उन्होंने संघर्ष रोकने को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता का परिणाम बताया और साथ ही कश्मीर मुद्दा भी उठाया।

शरीफ ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए यह भी दावा किया कि मई में चार दिन तक चले संघर्ष के दौरान भारत के सात विमान क्षतिग्रस्त हुए थे। भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अगर तबाह हुए रनवे और राख में बदल चुके हैंगर (हवाई जहाज रखने की जगह) पाकिस्तान को जीत लगते हैं, जैसा कि उसके प्रधानमंत्री ने दावा किया है, तो पाकिस्तान खुश हो सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में बोलतीं भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत।

सुरक्षा परिषद ने ईरान पर प्रतिबंधों में देरी के रूस और चीन के अंतिम प्रयास को किया खारिज

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के कारण उस पर फिर से तत्काल प्रतिबंध नहीं लगाने संबंधी कुछ देशों के अंतिम प्रयास को समय सीमा से एक दिन पहले खारिज कर दिया। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया जब पश्चिमी देशों ने दावा किया कि हफ्तों की बैठकों के बावजूद कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया है। ईरान पर फिलहाल प्रतिबंध नहीं लगाने संबंधी प्रस्ताव 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में ईरान के सबसे शक्तिशाली और निकटतम सहयोगी रूस और चीन ने शुक्रवार को पेश किया था। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए नौ देशों का समर्थन चाहिए था, जो संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को शनिवार से प्रभावी होने से रोकने के लिए आवश्यक था। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोल्यान्स्की ने बैठक के दौरान कहा, हमें उम्मीद थी कि यूरोपीय सहयोगी और अमेरिका दो बार सोचेंगे और ब्लैकमेल के बजाय कूटनीति व बातचीत का रास्ता चुनेंगे...इससे क्षेत्र में स्थिति और बिगड़ेगी।

एक दशक तक लादेन को पनाह देने वाला पाकिस्तान आतंक के खिलाफ लड़ाई का दिखावा करता रहा

गहलोत ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं द्वारा बहावलपुर और मुरिदके में स्थित आतंकी ठिकानों में मारे गए आतंकवादियों की कई तस्वीरें सामने आई हैं। उन्होंने यह भी कहा, जब पाकिस्तान के वरिष्ठ सैन्य और नागरिक अधिकारी खुलेआम इन कुख्यात आतंकवादियों का महिमामंडन करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं, तो इस सरकार की मानसिकता पर कोई शक रह ही नहीं जाता। गहलोत ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी हाफिज अब्दुल रऊफ मुरिदके में स्थित लश्कर मुख्यालय पर हुए हमलों में मारे गए लोगों के जनाजे में नमाज अदा करवा रहा था। इस जनाजे में पाकिस्तान सेना के सदस्य भी मौजूद थे। कहा, याद दिला दें कि पाकिस्तान ने एक दशक तक ओसामा बिन लादेन को पनाह दी, जबकि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझेदार बनने का दिखावा करता रहा। इसके मंत्रियों ने हाल ही में खुद स्वीकार किया है कि वे दशकों से आतंकी शिविर संचालित कर रहे हैं।" भारत ने दोहराया कि दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच के मुद्दों में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई जगह नहीं है। गहलोत ने कहा, भारत और पाकिस्तान लंबे समय से इस बात पर सहमत हैं कि उनके बीच के किसी भी लंबित मुद्दे को द्विपक्षीय तरीके से सुलझाया जाएगा।

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं

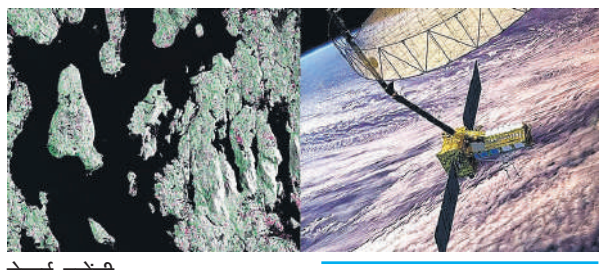

चेन्नई, एजेंसी

- संयुक्त मिशन इस साल के अंत में अपने पूर्ण वैज्ञानिक संचालन के करीब पहुच रहा

निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) पृथ्वी-अवलोकन रडार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली तस्वीरें ली हैं। नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में हमारे ग्रह की सतह की ये तस्वीरें भविष्य की एक झलक पेश करती हैं क्योंकि नासा और इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) का संयुक्त मिशन इस साल के अंत में अपने पूर्ण वैज्ञानिक संचालन के करीब पहुच रहा है।

भारत के साथ मिलकर लॉन्च किए गए निसार की पहली तस्वीरें इस बात का प्रमाण हैं कि जब हम नवाचार और खोज के एक साझा दृष्टिकोण के लिए एकजुट होते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है। यह तो बस शुरुआत है। उन्होंने कहा, नासा अतीत और वर्तमान की अविश्वसनीय वैज्ञानिक प्रगति पर आगे बढ़ता रहेगा क्योंकि हम स्वर्ण मानक विज्ञान के माध्यम से अपने देश के अंतरिक्ष प्रभुत्व को बनाए रखने के अपने लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं। इसरो द्वारा 30 जुलाई को प्रक्षेपित किए गए अंतरिक्ष यान से प्राप्त चित्र, उस विस्तृत स्तर को प्रदर्शित करते हैं जिसके साथ निसार पृथ्वी का स्कैन करता है और आपदा प्रतिक्रिया, बुनियादी ढाँचे की निगरानी और कृषि प्रबंधन सहित विविध क्षेत्रों में निर्णयकर्ताओं को अद्वितीय, कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करता है।

नासा के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने कहा, यह समझकर कि हमारा गृह ग्रह कैसे काम करता है, हम अपने सौर मंडल और उससे आगे के अन्य ग्रहों के काम करने के तरीके के मॉडल और विश्लेषण तैयार कर सकते हैं, क्योंकि हम मानवता को चंद्रमा और मंगल ग्रह की एक महाकाव्य यात्रा पर भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बाद भी गाजा पर हमले जारी, 38 लोगों की गई जान

दीर अल बलाह, एजेंसी

- नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक ही परिवार के नौ लोग शामिल

इजराइली हमलों और गोलीबारी में शनिवार सुबह गाजा में कम से कम 38 लोग मारे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। युद्धविराम के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है, लेकिन इजराइल के नेता युद्ध जारी रखने पर अड़े हुए हैं।

अल-अवदा अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, मध्य और उत्तरी गाजा में शनिवार तड़के हुए हमलों में कई लोग मारे गए, जिनमें नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक ही परिवार के नौ लोग शामिल हैं। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में विश्व के अन्य नेताओं के समक्ष गाजा में हमास के पूर्ण खात्मे तक युद्ध जारी रखने का संकल्प जताया था। अल-अहली अस्पताल के अनुसार, शनिवार सुबह हुए हमलों में गाजा शहर के तुफाह इलाके में एक मकान ध्वस्त हो गया, जिसमें कम से कम 11 लोग मारे गए। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी हैं। शिफा अस्पताल के अनुसार, शाती शरणार्थी शिविर पर हुए हवाई हमले में चार अन्य लोग मारे गए।

नासिर और अल अवदा अस्पतालों के अनुसार, दक्षिणी और मध्य गाजा में सहायता लेने जाते समय इजराइली गोलीबारी में छह अन्य फलस्तीनी मारे गए। इजराइल की सेना ने हवाई हमलों या गोलीबारी के बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी परमिंदर सिंह उर्फ पिंडी यूएई से भारत प्रत्यर्पित

चंडीगढ़/बटाला। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि पंजाब पुलिस ने सीबीआई और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के करीबी समन्वय और समर्थन से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) मॉड्यूल के वांछित आतंकवादी परमिंदर सिंह उर्फ पिंडी को अबू धाबी, यूएई से भारत प्रत्यर्पित किया है। यादव ने बताया कि पिंडी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घोषित आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और हैप्पी पासिया का करीबी सहयोगी है और बटाला-गुरदासपुर क्षेत्र में पेट्रोल बम हमलों, हिंसक हमलों और जबरन वसूली सहित कई जघन्य अपराधों में शामिल है। आरोपी पिंडी अपराधों के समन्वय और अपने अभियानों के वित्तपोषण के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा था। बटाला पुलिस द्वारा अनुरोधित रेड कॉर्नर नोटिस पर तेजी से कार्रवाई करते हुए चार सदस्यीय टीम ने 24 सितंबर, 2025 को यूएई पहुंच एमईए और यूएई अधिकारियों के साथ समन्वय किया था।

कोर्ट ने विदेशी सहायता से जुड़े वित्तपोषण पर रोक के ट्रंप के फैसले को रखा बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने आदेश की अवधि बढ़ाई

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश की अवधि बढ़ा दी है जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को लगभग पांच अरब अमेरिकी डॉलर की विदेशी सहायता पर रोक लगाने की अनुमति देता है। इस फैसले से राष्ट्रपति पद के अधिकार से जुड़े विवाद में ट्रंप को एक और जीत हासिल हुई है।

तीन उदारवादी न्यायाधीशों की असहमति के बीच, शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को संसद द्वारा स्वीकृत अरबों डॉलर की सहायता से जुड़े एक मामले में ट्रंप प्रशासन की आपातकालीन अपील को स्वीकार कर लिया। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह इस

धनराशि को खर्च नहीं करेंगे, और इसके लिए उन्होंने विवादित अधिकार का हवाला दिया जिसका इस्तेमाल आखिरी बार लगभग 50 साल पहले किसी राष्ट्रपति ने किया था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश अमीर अली द्वारा यह फैसला सुनाए जाने के बाद कि ट्रंप का कदम संभवतः अवैध है और संसद को धनराशि रोकने के फैसले को मंजूरी देनी होगी, न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। वाशिंगटन की संघीय अपीलीय अदालत ने अली के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने नौ सितंबर को इस पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। कोर्ट की पूर्ण पीठ ने रॉबर्ट्स के आदेश को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया। अदालत ने पूर्व में ट्रंप प्रशासन के लिए, सैकड़ों-हजारों प्रवासियों से कानूनी सुरक्षा छीनने, हजारों संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने, सेना के ट्रांसजेंडर सदस्यों को सेवा से बाहर करने और स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों के प्रमुखों को हटाने के लिए रास्ता साफ कर दिया था।

यमन में कबायली नेता की गोली मारकर हत्या

अदन। यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में शुक्रवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक प्रमुख आदिवासी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। स्थानीय सुरक्षा अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रसिद्ध कबायली और सामुदायिक व्यक्ति शेख मेहदी अकरबी पर बेर अहमद क्षेत्र में गोलीबारी की गई, जब वे शुक्रवार की नमाज के लिए पास की मस्जिद जा रहे थे। अधिकारी के अनुसार, अकरबी बिना किसी सुरक्षाकर्मी के अकेले घूम रहे थे तभी हमलावरों ने उन पर गोलियां चला दीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अदन के एक अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उनकी मौत हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 28 सितंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 14.27 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

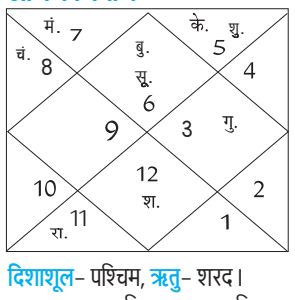

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- ज्येष्ठा 29 सितंबर 03.55 तक तत्पश्चात मूल।

मेष आज विचारशील लोगों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी। अनुभवी व्यक्तियों की सलाह से आपको कारोबार में लाभ मिलेगा। अपनी प्रतिभा का अच्छा उपयोग कर पाएंगे। आप काफी शांत मूड में रहेंगे। आर्थिक परेशानियों का हल प्राप्त होगा।

वृष आज आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिताएंगे। साहित्य और मीडिया से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। कठोर शब्दों का प्रयोग न करें। मन में उमंग-उत्साह की भावना रहेगी।

मिथुन आज विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। आपके विचारों की सराहना हो सकती है। कारोबार में परेशानी होने के योग बन रहे हैं। कोई महत्वपूर्ण वस्तु गुम हो सकती है। सर्दी और एलर्जी के कारण आपको कठिनाई हो सकती है।

कर्क आज व्यापार में आपको अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाना पड़ सकता है। मीडिया का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। बच्चे पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। जीवनसाथी और बच्चों के साथ समय बिताएंगे।

सिंह आज कार्यक्षेत्र की बाधाएं दूर होंगी। नौकरी में आ रही कठिनाई दूर होगी। लघु उद्योगों से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। भविष्य की योजनाओं को लेकर व्यवहारिक रहें। सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार है।

कन्या आज किसी से बहसबाजी न करें वरना आपको कठिनाई होगी। सहयोगी आपकी प्रत्येक कार्य में सहायता करेंगे। भाई-बंधुओं को कष्ट हो सकता है। प्रियजनों के साथ देवदर्शन के लिए जा सकते हैं। कुछ लोग आपसे धन उधार मांग सकते हैं।

तुला आज लोग आपकी बातों को गंभीरता से लेंगे। करियर को लेकर तनाव दूर होगा। पूर्व में की गई मेहनत का अच्छा लाभ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। गूढ़ विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। अपनी पुरानी गलतियों से सीखने का प्रयास करें।

वृश्चिक आज आपकी निष्ठा से लोग प्रेरणा लेंगे। व्यापार में काम का दबाव कम होगा। अपनी जीवनशैली में आप सुधार कर सकते हैं। जॉब में बदलाव करने के योग बन रहे हैं। दोस्तों के साथ आप समय बिताएंगे। रुका हुआ धन आपको वापस मिलेगा।

धनु आज दांपत्य जीवन में कलह हो सकती है। पहले दिया गया उधार आपको मिल सकता है। मन में नकारात्मक विचार न आने दें। पुराने उधार को चुकाने में मुश्किलें आएंगी। माता की सेहत का ध्यान रखें। सिर में दर्द और भारीपन हो सकता है।

मकर आज तकनीकी विषयों पर आप अपना ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करेंगे। लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। परिजनों के साथ धार्मिक कार्यों में सम्मिलित हो सकते हैं।

कुंभ आज आय के अवसर कम हो सकते हैं। किसी बड़े प्रकल्प में धन निवेश कर रहे हैं तो सावधानी अवश्य बरतें। छात्र अपने करियर को लेकर परेशान हो सकते हैं। बड़े-बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें। घर की कोई वस्तु खराब हो सकती है।

मीन आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बच्चों को सही मार्गदर्शन देने का प्रयास करें। नए प्रकल्पों की शुरुआत न करें। बिना मांगे किसी को भी सलाह न दें। धारदार उपकरणों से चोट लगने की संभावना है, इसीलिए आपको सावधानी रखनी चाहिए।

सुडोकू-113

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			5	1		4		
		7			2			1
				4	9			
	6					8		
5		2						7
		8	4	7			6	
9				5				
			9		7	5		
		3		6	4			

सुडोकू - 112 का हल

4	7	8	1	2	5	6	3	9
3	1	2	7	6	9	8	5	4
9	6	5	4	8	3	1	7	2
8	4	7	9	3	1	2	6	5
5	2	1	8	7	6	4	9	3
6	9	3	2	5	4	7	1	8
1	5	4	6	9	2	3	8	7
7	3	6	5	4	8	9	2	1
2	8	9	3	1	7	5	4	6

मैं सोच रहा था कि पावर प्ले में हमारे खिलाफ रन बने। लेकिन बाद में सभी ने योगदान दिया और मैच को सुपर ओवर तक ले गए। सुपर ओवर में मेरी योजना स्पष्ट थी कि वाइड यॉर्कर फेंको और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को सिर्फ ऑफ-साइड में ही रन बनाने दो। **-अर्शदीप सिंह**

स्टेडियम

बरेली, रविवार 28 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

इगा स्वियातेक चीन ओपन के तीसरे दौर में

बीजिंग : विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने शनिवार को युआन यू को सीधे सेट में 6-0, 6-3 से हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश करके डब्ल्यूटीए टूर में इतिहास रच दिया। डब्ल्यूटीए ने कहा कि शनिवार की जीत के साथ स्वियातेक लगातार तीन सत्र में डब्ल्यूटीए-1000 स्पर्धाओं में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। अन्य मुकाबलों में चौथी वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा ने चीन की झू लिन को 6-2, 6-2 से हराया जबकि अमेरिका की ऐमा नवारो ने एलेना-गैब्रियल रुसे को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी। महिला टूर्नामेंट के साथ एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट का भी आयोजन हो रहा है जिसमें यानिक सिनर ने फ्रांस के टेरेंस एटमेन को 6-4, 5-7, 6-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

एशियाई तैराकी में उतरेंगे 40 भारतीय

अहमदाबाद (गुजरात) : अहमदाबाद के नारनपुरा स्थित नवनिर्मित अत्याधुनिक वीर सावरकर खेल परिसर में रविवार से शुरू हो रही 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में 20 पुरुष और 20 महिलाओं सहित कुल 40 भारतीय तैराक हिस्सा लेंगे। भारतीय दल पिछले एक महीने से राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए नारनपुरा में एशियाई महाद्वीप के सर्वश्रेष्ठ तैराकों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयारी कर रहा था। इस चैंपियनशिप में 29 देशों से 1,100 से अधिक तैराक, कोच और तकनीकी अधिकारी पहुंचे हैं। यह टूर्नामेंट अगले साल जापान के नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाइंग स्पर्धा है।

रश्मिका-कपिल को एयर पिस्टल में स्वर्ण

नई दिल्ली : भारतीय निशानेबाजों ने शनिवार को यहां डॉ. कर्णी सिंह रेंज में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किए जबकि स्कीट स्पर्धा में रायजा ढिल्लों ने रजत पदक जीता जिससे मेजबानों का चमकदार प्रदर्शन जारी रहा। भारत अभी तीन स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक जीतकर शीर्ष पर है।

टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण : हरमनप्रीत

दुबई, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर को विश्वास है कि मंगलवार से शुरू हो रहे महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम में हर विभाग में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के अच्छे मिश्रण से उनकी टीम को पहली बार विश्व खिताब जीतने में मदद मिलेगी। भारत चौथी बार आईसीसी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है।

टीम इससे पहले दो मौकों पर खिताब जीतने के करीब पहुंची थी। भारतीय टीम ने पिछली बार 2017 में फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन तब मिताली राज की अगुवाई वाली टीम लॉर्ड्स में इंग्लैंड से रोमांचक मुकाबले में हार गई थी। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता की अच्छी तैयारी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय शृंखला जीती और फिर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को घरेलू सरजमीं पर कड़ी टक्कर दी लेकिन शृंखला में मेजबान टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

> हमारी विश्व कप टीम में सभी विभागों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी प्रतिभावान बल्लेबाज टीम में मौजूद हैं। **-हरमनप्रीत कौर**

स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो शतक जड़े जबकि उनकी साथी सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने भी बल्ले से उम्दा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी विभाग में स्पिनरों ने विशेष रूप से सराहनीय प्रदर्शन किया है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में दिल्ली में हुए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भारतीय स्पिनरों ने काफी रन लुटाए थे।

हरमनप्रीत ने कहा गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली है जिसमें रेणुका ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के साथ युवा और प्रतिभावान क्रांति गौड़, श्री चरणी और राधा यादव भी हैं। इसके अलावा दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर के रूप में तीन ऑलराउंडर भी हैं जो मैच का रुख भारत की ओर मोड़ सकती हैं। उन्होंने कहा एक संतुलित टीम। टूर्नामेंट से पहले समर्पित और केंद्रित तैयारी। सफलता केलिए तत्पर और दृढ़ टीम के साथ हम सकारात्मकता और विश्वास के साथ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में प्रवेश कर रहे हैं।'' हरमनप्रीत ने 2017 में सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन बनाकर भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। हरमनप्रीत ने कहा कि हालांकि सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला कड़ा होगा लेकिन टीम आत्मविश्वास से भरी है। भारतीय कप्तान ने कहा प्रतिस्पर्धा हमेशा की तरह कड़ी है लेकिन टीम को अपने कौशल, तैयारियों और चुनौती से पार पाने की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

भारत के वैश्विक खिताबी सूखे को खत्म करना अरुंधति और श्री चरणी का सपना

नई दिल्ली : भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और युवा स्पिनर श्री चरणी का सपना घरेलू सरजमीं पर मंगलवार से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप को जीतकर भारत के वैश्विक खिताबी सूखे को खत्म करना है। महान सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेने वाली अरुंधति बचपन में विकेटकीपर बनना चाहती थी लेकिन कोच की सलाह पर उन्होंने गेंदबाजी शुरू की तो वहीं एथलेटिक्स और बैडमिंटन जैसे खेलों में अच्छा करने वाली श्री चरणी के लिए क्रिकेट से जुड़ने का फैसला सही साबित हुआ। महिला वनडे विश्व कप का आगाज 30 सितंबर को गुवाहाटी में भारत बनाम श्रीलंका मैच से होगा। अरुंधति भारतीय पुरुष टीम की 2007 में टी20 विश्व कप और फिर 2011 में वनडे विश्व कप की जीत से प्रेरणा लेती है। हैदराबाद की इस 28 साल की खिलाड़ी ने जियो हॉटस्टार से कहा सच कहूं तो भारत ने जो 2007 का टी20 विश्व कप जीता था, उसने मुझे क्रिकेट खेलना शुरू करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद महान सचिन तेंदुलकर कर मौजूदगी में 2011 में घरेलू सरजमीं पर विश्व कप की जीत ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी। अरुंधति ने कहा मैंने बचपन से ही भारत के लिए खेलना और विश्व कप जीतना चाहती हूं। अब जब मुझे घर पर 50 ओवर का विश्व कप खेलने का मौका मिला है तो मैं इस मौके लिए भगवान की आभारी हूं। अरुंधति हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में चोटिल हो गयी थी और उनकी चोट की गंभीरता के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। धोनी को अपना आदर्श मानने वाली अरुंधति ने बताया कि वह शुरुआत में विकेटकीपर बनना चाहती थीं। उन्होंने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा मैं कभी तेज गेंदबाज नहीं बनना चाहती थी।

आखिरी वार के लिए तैयार सूर्यकुमार के जांबाज

एशिया कप फाइनल : पाकिस्तान के खिलाफ एक बार फिर एकजुट होकर खेलना होगा भारत को

दुबई, एजेंसी

जीत ही सब कुछ नहीं होती, लेकिन 11 भारतीय क्रिकेटर रविवार को यहां एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उतरेंगे तो उनकी नजरें सिर्फ जीत हासिल करने पर टिकी होंगी। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले की तैयारी के बीच मैदान पर खेल और मैदान के बाहर की राजनीति के बीच की रेखाएं धुंधली पड़ गई हैं।

अमेरिकी राजनीतिक कार्यकर्ता और लेखक माइक मार्कुसी के शब्दों में यह बिना गोलीबारी के युद्ध जैसा है। वर्षों से भारत-पाकिस्तान मुकाबले में रोमांच की कमी नहीं रही है, लेकिन शायद ही कभी यह इतनी उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि में हुआ जब क्रिकेट के मैदान के बाहर का तनाव, उत्तेजक इशारे और दोनों पक्षों पर लगे जुर्माने इससे जुड़े हुए प्रतीत हों। फिर भी शोरगुल से परे क्रिकेट अपने आप में आकर्षक रहा है और इस दौरान सुर्खियां अभिषेक शर्मा के 200 से अधिक के शानदार स्ट्राइक रेट और कुलदीप यादव के 13 विकेट ने बटोरी।

कागजों पर भारत टूर्नामेंट में अब तक अजेय है और लगातार

अभ्यास करती भारतीय टीम।

छह जीत के क्रम के दौरान सिर्फ श्रीलंका ने उसे सुपर ओवर तक धकेला है। इसके विपरीत पाकिस्तान फाइनल तक लड़खड़ाता हुआ पहुंचा है, लेकिन जैसा कि उनके ने बांग्लादेश को हराने के बाद व्यंग्यात्मक लहजे में कहा फाइनल ही एकमात्र मैच है जो मायने रखता है। यहां तक कि भारत के सहयोगी स्टाफ ने भी यही भावना

समय रात 8 बजे

व्यक्त की। मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस के लिए आए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने स्वीकार किया कि अब सुंदरता मायने नहीं रखती, बदसूरत जीत भी जीत होती है। भारत का अपराजित अभियान सहज रहा है लेकिन चोटों से मुक्त नहीं रहा। श्रीलंका के खिलाफ हार्दिक पंड्या को पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण एक ओवर के बाद ही मैदान से बाहर होना पड़ा जबकि अभिषेक शर्मा को भी गर्मी में ऐंठन की शिकायत हुई। मोर्कल ने शुक्रवार रात को आश्वस्त किया हार्दिक की कल सुबह जांच की जाएगी। उन्हें और अभिषेक दोनों को ऐंठन हुई है लेकिन अभिषेक ठीक है। यह खबर राहत देने वाली है क्योंकि पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने छह मैच में 309 रन बनाकर अकेले ही भारत की बल्लेबाजी का भार उठाया है। यह अंतर साफ दिख रहा है क्योंकि तिलक वर्मा 144 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

असली सवाल यह है कि क्या भारत के बाकी खिलाड़ी अभिषेक का बखूबी साथ निभा पाएंगे। सूर्यकुमार से बड़ी पारी की उम्मीद है। शुभमन गिल मुकाबले को खत्म नहीं कर पा रहे जबकि संजू सैमसन और तिलक जैसे खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ महज औपचारिकता के मैच में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं। अब तक अभिषेक ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अगर वह असफल रहे तो क्या होगा?

पूरे टूर्नामेंट के दौरान अभिषेक के अलावा अन्य बल्लेबाज बिल्कुल भी विश्वसनीय प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और शीर्ष क्रम के लड़खड़ाने पर कोई भी 'प्लान बी' के बारे में नहीं जानता। अगर भारत अभिषेक पर बहुत अधिक निर्भर है तो पाकिस्तान की कमजोरियां और भी अधिक स्पष्ट हैं। टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी प्रभावी नहीं रहा है। जसप्रीत बुमराह को कुछ समय परेशान करने वाले साहिबजादा फरहान के अलावा अन्य बल्लेबाज दमदार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सईम अयूब का अभियान बेहद निराशाजनक रहा है। वह चार बार शून्य पर आउट हुए और एक समय तो टूर्नामेंट में उनके नाम पर रन से अधिक विकेट दर्ज थे। हुसैन तलत और सलमान अली आगा भारतीय स्पिनरों के सामने लड़खड़ा गए। रविवार का मैच एक बार फिर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की चतुराई से तय हो सकता है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा और रिंकू सिंह।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस राऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी और सुफयान मोकिम।

दबाव में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी : मोर्कल

दुबई : भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मानना है कि टीम ने अभी तक पूर्ण खेल नहीं खेला है और उन्हें उम्मीद है कि रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में बल्लेबाजी इकाई दबाव में प्रदर्शन बेहतर करेगी।

हालांकि भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव और व रुण चक्रवर्ती ने पाकिस्तान सहित अधिकांश विरोधी टीमों को रोकने में सफलता हासिल की, लेकिन दबाव की परिस्थितियों में अभिषेक शर्मा की आतिशी बल्लेबाजी को छोड़कर अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन बिल्कुल भी प्रेरणादायक नहीं रहा है। मोर्कल ने रविवार को होने वाले फाइनल से पहले कहा मुझे नहीं लगता कि इस टूर्नामेंट में अब तक हमने अपना पूर्ण खेल दिखाया है। हर मैच के बाद उन क्षेत्रों पर चर्चा होनी चाहिए जिनमें हम सुधार करना चाहते हैं और बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। इसलिए यह एक सामान्य सोच है कि जब हम पर थोड़ा दबाव डाला जाता है तो हमें और तेज होने की जरूरत होती है। बीच के ओवरों में शायद एक-दो यॉर्कर डाली जा सकती हैं। मुझे लगता है कि चलन यह रहा है क्योंकि विकेट थोड़ा धीमा है इसलिए गति कम होती है।

यूएई की थेकरा अलकाबी ने 100 मीटर थ्री-व्हील फ्रेम रनिंग में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता

विश्व पैरा एथलेटिक्स

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की थेकरा अलकाबी ने शनिवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन महिलाओं की 100 मीटर टी71 फ्रेम रनिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक जीता। टी71 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनके धड़ और पैरों में गतिशीलता काफी हद तक प्रभावित होती है।

अलकाबी 19.89 सेकेंड का समय निकालकर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रही। इस 23 साल की खिलाड़ी ने लिथुआनिया की बेला मोरकस के इस साल जुलाई में कायम 20.08 सेकेंड के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मोरकस ने यहां 21.53 सेकेंड के समय के साथ रजत जबकि पोलैंड की मिरियम डोमिनिकोवस्का ने 23.56 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

अलकाबी का इस स्पर्धा में पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23.58 सेकेंड था। उन्होंने इससे पहले 2023 हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में एफ32 क्लब थ्रो स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। महिलाओं की लंबी कूद टी37 स्पर्धा में, विश्व रिकॉर्ड धारक चीन की वेन शियाओयान ने 5.32 मीटर की मीट रिकॉर्ड दूरी के साथ अपेक्षा के अनुरूप स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2019 में कायम अपने पिछले मीट रिकॉर्ड 5.22 मीटर में सुधार किया। उनका मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 5.45 मीटर है। उन्होंने इसे 2023 हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों के दौरान बनाया था। टी 37 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जो सेरेब्रल पाल्सी की समस्या से जूझ रहे होते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की नियाम मैक अलास्डेयर विश्व पैरा एथलेटिक्स में महिलाओं की लंबी कूद टी37 फाइनल में भाग लेती हुईं। एजेंसी

महिलाओं की गोला फेंक एफ 41 (छोटे कद के खिलाड़ी) में कोलंबिया की अरिजा बुइट्रागो मेयरली ने विश्व रिकॉर्ड धारक और कई पैरालंपिक तथा पैरा विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता राओआ तलीली को पछाड़ कर स्वर्ण पदक हासिल किया। मेयरली ने 10.21 मीटर की दूरी तय की जबकि उज्बेकिस्तान की कुबारो खाकिमोवा ने 10.17 मीटर के साथ रजत पदक जीता। ट्यूनीशिया की तलीली के नाम 10.55 मीटर का विश्व रिकॉर्ड है। उन्हें 9.96 मीटर के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

नीदरलैंड की नोएल रूर्डा ने महिला भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में 43.74 मीटर के प्रयास के साथ अपना पहला विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा का रजत उज्बेकिस्तान की शाहिनाखोन यिगितालिएवा (41.97 मीटर) और कांस्य ब्रिटेन की हॉली अर्नोल्ड (41.94 मीटर) के नाम रहा। भारत की भावनाबेन चौधरी ने 35.34 मीटर के थ्रो के साथ आठवां स्थान हासिल किया। एफ 46 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनके एक या दोनों हाथों में गतिविधि प्रभावित होती है।

महिलाओं की लंबी कूद में जोरआजमाइस करतीं तटस्थ पैरालंपिक एथलीट एलेना त्रेतियाकोवा। एजेंसी

भारत की मौजूदा चैंपियन दीप्ति जीवनजी ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। तेलंगाना की 22 वर्षीय इस एथलीट ने शुरुआती दौर की दूसरी हीट में 58.35 सेकेंड का समय निकालकर शीर्ष स्थान हासिल किया। यह स्पर्धा उन एथलीटों के लिए है जिनमें बौद्धिक अक्षमता होती है।

सुपर ओवर में मेरी योजना स्पष्ट थी

दुबई : भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने एशिया कप सुपर 4 मैच में श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर में अपनी सफलता का श्रेय वाइड यॉर्कर फेंकने की अपनी काबिलियत को दिया।

श्रीलंकाई बल्लेबाज पाथुम निसांका और कुसल परेरा ने शुक्रवार को अर्शदीप के दो ओवरों में 26 रन जुटाए। लेकिन बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अच्छी वापसी की और सुपर ओवर में सिर्फ दो रन दिए और साथ ही परेरा और दासुन शनाका के विकेट भी लिए। बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए

सूर्यकुमार के सामने फार्म वापसी बनी चुनौती

दुबई, एजेंसी

- **फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिभा दिखाने का मौका**

कप्तान के तौर पर एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में अब तक शानदार परिणाम हासिल करने वाले सूर्यकुमार यादव बल्ले से अपनी ख्याति के मुताबिक चमक बिखेरने में नाकाम रहे हैं लेकिन रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले फाइनल में उनके पास शानदार मौका होगा।

सूर्यकुमार का इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में नाबाद 47 रन रहा है। उन्होंने यह पारी तब खेली जब टीम जीत के लिए छोटे लक्ष्य का पीछा कर रही थी और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 31 रन की ताबड़तोड़ पारी से टीम के अन्य बल्लेबाजों से दबाव पूरी तरह से हटा दिया था।

कप्तान बनने के बाद सूर्यकुमार की बल्लेबाजी में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसका एक कारण उनके बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव करना भी है। सूर्यकुमार युवा खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका देने के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम को आगे पीछे करते रहे हैं। सूर्यकुमार ने 2024 में 15 पारियों में चार अर्धशतक की मदद से 420 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान 271 गेंदें खेली और उनका स्ट्राइक-रेट 155 रहा।

इन 15 पारियों में उन्होंने 40 चौके और 22 छक्के लगाए। उनकी डॉट गेंद का प्रतिशत 35 के आसपास का रहा। भारतीय कप्तान ने साल 10 पारियों में 90 गेंदों पर केवल 99 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक-रेट गिरकर 110 हो गया है। इसका मुख्य कारण उनके बल्लेबाजी क्रम में खुद से किए गए बदलाव का भी योगदान है।

तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप | **महज 18 साल की उम्र में शीतल देवी ने हासिल की उपलब्धि**

शीतल देवी बनीं पैरा विश्व तीरंदाजी चैंपियन

ग्वांग्जू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

भारत की 18 वर्षीय शीतल देवी ने शनिवार को यहां विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में तुर्किये की दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज ओजनूर क्यूर गिर्डी को 146-143 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्पर्धा में शीतल एकमात्र बिना बाजू वाली पैरा तीरंदाज हैं। वह निशाना लगाने के लिए अपने पैरों और ठुड्डी का इस्तेमाल करती हैं और यह चैंपियनशिप में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले शीतल और सरिता ने कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा में रजत पदक। शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता।

व्यक्तिगत फाइनल तनावपूर्ण था लेकिन शीतल ने संयम से निशाने लगाए। पहला राउंड 29-29 से बराबरी पर था, लेकिन शीतल ने दूसरे राउंड में 10-10 के तीन शॉट लगाकर 30-27 से जीत बढ़त हासिल की।

तीसरा राउंड भी 29-29 से बराबरी पर था। चौथे राउंड में शीतल मामूली अंतर से चूक गईं जिसमें उन्होंने 28 अंक बनाए और गिर्डी एक अंक से इसे जीत गईं। हालांकि फिर भी शीतल ने 116-114 के स्कोर पर दो अंक की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद उन्होंने अंतिम राउंड में तीन सटीक तीर से 30 अंक बनाकर अपना पहला स्वर्ण पदक पक्का किया। इससे पहले जम्मू कश्मीर की इस तीरंदाज ने सेमीफाइनल में ब्रिटेन की जोडी ग्रिनहम को 145-140 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। यह खिताबी मुकाबला 2023 पिलसन विश्व चैंपियनशिप का दोहराव था जिसमें गिर्डी ने शीतल को 140-138 से हराया था।

भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत की

भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले राउंड में गिर्डी और बुर्सा फातमा उन की तुर्की की जोड़ी पर 38-37 की बढ़त बनाई। भारतीय जोड़ी ने अपने शुरुआती चार तीर से तीन बार 10 अंक जुटाए जबकि तुर्की की जोड़ी केवल एक बार ही 10 अंक बना सकी। तुर्की की तीरंदाजों ने दूसरे राउंड में तीन बार 10 अंक से 39 अंक जुटाकर वापसी की और स्कोर 76-76 से बराबर कर दिया।तीसरे राउंड में भारतीय जोड़ी दबाव में आ गई। शीतल और सरिता एक बार 10, दो बार नौ और एक बार आठ अंक से कुल 36 अंक ही बना पाईं।तुर्की की जोड़ी ने अधिक निरंतरता दिखाई और उन्होंने एक बार 10 और तीन बार नौ अंक के साथ कुल स्कोर के आधार पर एक अंक की बढ़त हासिल कर ली।